@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार 19 जनवरी 2026
VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 424 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बंगाल के लिए बीते 24 घंटे अभूतपूर्व रहे, 100 साल में इतना काम नहीं हुआ : पीएम मोदी

▸▸ प्रधानमंत्री ने हुगली जिले में बालागढ़ में एक्सटेंडेड पोर्ट गेट सिस्टम का शिलान्यास किया
▸▸ प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के सिंगूर में 830 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं सौगात दी

एजेंसी

सिंगूर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में बालागढ़ में एक्सटेंडेड पोर्ट गेट सिस्टम का शिलान्यास किया, जिसमें एक इनलैंड वॉटर ट्रांसपोर्ट टर्मिनल और एक रोड ओवर ब्रिज शामिल है। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के सिंगूर में 830 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि कल मैं मालदा में था और आज यहां हुगली में आप सभी के बीच आने का सौभाग्य मिला है। 'विकसित भारत' के लिए पूर्वी भारत का विकास, इस लक्ष्य के साथ केंद्र सरकार निरंतर काम कर रही है। कल और आज के कार्यक्रम इसी

संकल्प को और मजबूत करने वाले हैं। इस दौरान मुझे पश्चिम बंगाल से जुड़े विकास के सैकड़ों करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट का शिलान्यास और लोकापर्ण करने का मौका मिला है। कल पश्चिम बंगाल से देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन प्रारंभ हुई है, बंगाल को करीब आधा दर्जन नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें भी मिली हैं, और आज 3 और अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू हुई हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से एक ट्रेन तो मेरे संसदीय क्षेत्र काशी की बंगाल से कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगी। इसके अलावा दिल्ली और तमिलनाडु के लिए भी अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू हुई हैं। पश्चिम बंगाल की रेल कनेक्टिविटी के लिए बीते 24 घंटे अभूतपूर्व रहे हैं। शायद गत 100 साल में 24 घंटे में इतना काम नहीं हुआ होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'केंद्र सरकार द्वारा बीते 11 वर्षों में श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट की कैपेसिटी एक्सपेंशन पर बहुत बड़ा निवेश किया गया है। इस पोर्ट की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए सागर माला स्कीम के तहत भी सड़क बनाई गई हैं। इसका परिणाम हम सब देख सकते हैं। बीते वर्ष कोलकाता पोर्ट ने कार्गो हैंडलिंग के नए रिकॉर्ड बनाए हैं। बालागढ़ में बनने वाला एक्सटेंडेड पोर्ट गेट सिस्टम हुगली और आसपास के इलाकों के लिए नए अवसरों का द्वार खोलेगा।

इससे कोलकाता शहर में ट्रैफिक और लॉजिस्टिक का दबाव कम होगा। गंगा जी पर जो जलमार्ग बना है, उससे कार्गो मूवमेंट और बढ़ेगा। आज भारत में हम मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और ग्रीन मोबिलिटी पर बहुत बल दे रहे हैं। बाधारहित ट्रांसपोर्टेशन संभव हो सके। इसके लिए पोर्ट, नदी जलमार्ग, हाइवे और एयरपोर्ट इन सभी को आपस में कनेक्ट किया जा रहा है।''

बिहार में रोका, अब पश्चिम बंगाल से तृणमूल का महा जंगलराज होगा विदा : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के सिंगुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य में राजनीतिक परिवर्तन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बिहार में भाजपा और एनडीए ने जंगलराज को रोका और अब पश्चिम बंगाल भी तृणमूल कांग्रेस के महा जंगलराज को विदा करने के लिए तैयार है। यहां एक राजनीतिक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने विकास, सुशासन और सुरक्षा को लेकर मतदाताओं से भाजपा के पक्ष में समर्थन मांगा। उन्होंने एक बार फिर सुरक्षा और घुसपैठ का मुद्दा उठाते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस की सरकार घुसपैठियों को संरक्षण देती है और फर्जी दस्तावेज बनाए जाते हैं। अब समय आ गया है कि घुसपैठ रोकी जाए और अवैध रूप से बसे लोगों की पहचान कर उन्हें वापस भेजा जाए। उन्होंने मतदाताओं से कहा कि उनका एक-एक वोट इस बदलाव को संभव बना सकता है। उन्होंने शिक्षा, महिला सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर भी तृणमूल पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था माफिया और भ्रष्टाचार के कब्जे में है और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं हैं। उन्होंने राज्य के लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने की अपील करते हुए कहा कि इससे हिंसा, अपराध और भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी।

धर्म ही पूरी सृष्टि का संचालक : भागवत

● कोई भी चीज इसके बिना नहीं रह सकतीः मोहन भागवत

एजेंसी

मुंबई। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने ने रविवार को कहा कि धर्म ही पूरी सृष्टि का संचालक है। जब सृष्टि बनी, तब उसे चलाने के लिए जो नियम बने, वही धर्म है। पूरी दुनिया उन्हीं नियमों पर चलती है। इसलिए कोई भी पूरी तरह अधर्मी नहीं हो सकता। राज्य भले ही सेकुलर हो सकता है, लेकिन मनुष्य, प्रकृति या सृष्टि की कोई भी चीज धर्म के बिना नहीं रह सकती। संघ प्रमुख ने ये बात मुंबई में आयोजित 'विहार सेवक ऊर्जा मिलन' कार्यक्रम में कही। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पानी का धर्म बहना है और आग का धर्म जलाना है। इसी तरह हर व्यक्ति का भी अपना-अपना धर्म और कर्तव्य होता है, जैसे पुत्र धर्म, राजधर्म और समाज धर्म। ये नियम और अनुशासन हमारे पूर्वजों ने गहरे आध्यात्मिक चिंतन और कठिन साधना से समझे। उन्होंने पैदल-पैदल देशभर में घूमकर, बिना भाषण दिए भी, आम लोगों के जीवन में धर्म को उतार दिया। इसलिए भारतवर्ष की

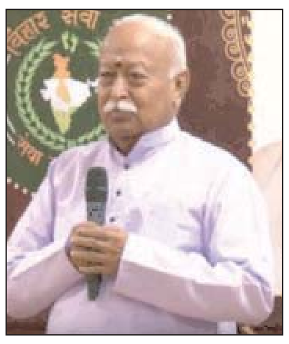

रग-रग में धर्म बसता है। उन्होंने कहा कि उनके पास कोई ड्राइवर नहीं है, लेकिन उन्हें, पीएम नरेंद्र मोदी और हम जैसे अनेक लोगों को चलाने वाली एक ही शक्ति है। वही शक्ति आपको भी चला रही है। अगर हम उस शक्ति द्वारा चलाई जा रही गाड़ी में बैठे हैं, तो हमारा कभी एक्सीडेंट नहीं होगा। उस ड्राइवर का नाम है–धर्म। धर्म ही पूरी सृष्टि का ड्राइवर है। सृष्टि के चलने का नियम ही धर्म है और सब कुछ उसी पर चलता है। भागवत ने कहा कि परिस्थितियां हमारे हाथ में नहीं होतीं। वे उसकी इच्छा से आती-जाती हैं। अगर उसकी इच्छा होगी तो हम केवल निमित्त बनेंगे और परिस्थिति बदल जाएगी। अगर नहीं बदली, तो भी कोई नुकसान नहीं है। कम से कम हम अच्छा जीवन जीते हुए, अच्छे कर्म करते हुए, अच्छे स्थान को प्राप्त करेंगे। इसी निष्ठा के साथ हमें अहंकार से मुक्त होकर सबको साथ लेकर सेवा करते रहना चाहिए।उन्होंने कहा कि आज देश में धर्म का बल खड़ा हो रहा है। जब यह धर्म पूरी तरह खड़ा होगा, तब देश अपनी सभी समस्याओं पर विजय पाकर फिर से विश्व गुरु बनेगा। भारतवर्ष परम वैभव और बल से संपन्न होकर विश्व मंच पर अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा।

ग्रैप-4 की वजह से दिल्ली-एनसीआर में किन गाड़ियों पर रोक

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में हवा एक बार फिर जहरीली हो गई। एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 400 के पार जाने के बाद एक बार फिर पाबंदियों का दौर लौट गया है। हालात बिगड़ते देख 24 दिन बाद दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-4 लागू किया गया है। दिल्ली-एनसीआर में हवा एक बार फिर जहरीली हो गई। एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 400 के पार जाने के बाद एक बार फिर पाबंदियों का दौर लौट गया है। हालात बिगड़ते देख 24 दिन बाद दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-4 लागू किया गया है। इसके तहत दिल्ली-एनसीआर में कई तरह की पाबंदियां लागू हो गईं। एक तरफ जहां लाखों गाड़ियों पर प्रतिबंध लग गया है तो दूसरी तरफ स्कूलों के खुलने का रास्ता भी बाधित हो गया है। कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) के मुताबिक, शनिवार शाम चार बजे दिल्ली का औसत एक्यूआई 400 पर था जो रात 8 बजे बढ़कर 428 पहुंच गया। तेजी से बढ़ते प्रदूषण स्तर को देखते हुए सीएक्यूएम की इमर्जेंसी बैठक बुलाई गई। पश्चिमी विक्षोभ और हवा की धीमी गति की वजह से प्रदूषण में और तेजी से वृद्धि की संभावना को देखते हुए ग्रैप-4 की पाबंदियों को लगाने का फैसला किया गया। दिल्ली में ग्रैप 1, 2 और 3 के चरण पहले से ही लागू हैं। इसके साथ ही अब ग्रैप 4 की पाबंदियां भी लागू कर दी गई हैं। ग्रैप-4 लागू रहने के दौरान दिल्ली में डीजल से चलने वाले ट्रकों के प्रवेश पर पाबंदी रहेगी। हालांकि, आवश्यक वस्तुओं, सेवाओं वाले ट्रकों को छूट मिलेगी।

50 प्रतिशत से अधिक पैदल यात्रियों की मौत कैसे हुई दिल्ली ट्रैफिक पुलिस को पता ही नहीं

नई दिल्ली । दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि जेबरा क्रॉसिंग, फुट ओवरब्रिज और सबवे (रास्ता) होने के बावजूद, ज्यादातर लोग इनका इस्तेमाल नहीं करते हैं। वे ऐसी जगहों से सड़क पार करते हैं जहां से उन्हें नहीं चलना चाहिए। ऐसा करके वे न केवल अपनी जान जोखिम में डालते हैं। दिल्ली में पैदल चलने वाले लोगों की मौत का कोई डेटा ही नहीं है। ये हम नहीं बल्कि दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के ताजा आंकड़े कह रहे हैं। पुलिस का कहना है कि सड़क हादसों में जान गंवाने वाले आधे से ज्यादा पैदल लोगों का कोई रिकॉर्ड नहीं है यानी यह पता नहीं चल सका है कि किन वजहों से उनकी मौत हुई। 2025 के आंकड़े कहते हैं कि दिल्ली में 2025 में कुल 649 पैदल यात्रियों की मौत हुई है। इनमें से 330 मामलों (50.8 प्रतिशत) में दुर्घटना की वजह का पता नहीं चला। 92 मौतें निजी कारों और 75 मौतें दोपहिया वाहनों की वजह से हुईं। 43 हादसों में भारी वाहन या माल ढोने वाली गाड़ियां शामिल थीं, 25 लोगों की जान टेम्पो (छोटे मालवाहक वाहन) से गई। 16 मौतें ई-रिक्शा और 15 बसों के कारण हुईं।

मणिपुर में नष्ट की 306 एकड़ में अवैध अफीम की खेती

एजेंसी

कांगपोकपी (मणिपुर)। कांगपोकपी जिले के सैकुल थाना क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर चलाए गए एक सप्ताह लंबे विशेष अभियान के दौरान 306 एकड़ में फैली अवैध अफीम की खेती को नष्ट किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने आज बताया कि यह अभियान 12 जनवरी से 17 जनवरी तक सुरक्षा बलों, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और वन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा चलाया गया। अभियान का उद्देश्य जिले में अवैध अफीम की खेती पर रोक लगाना और नशीले पदार्थों के नेटवर्क को तोड़ना था। कार्रवाई के दौरान अफीम की खेती से जुड़े 43 अस्थायी झोपड़ों को भी ध्वस्त किया गया। इसके अलावा, मौके से मिले कई स्प्रे पंप, पाइप, नमक, कीटनाशक और खरपतवारनाशक को भी नष्ट कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि अवैध अफीम की खेती के खिलाफ इस तरह के संयुक्त अभियान आगे भी जारी रहेंगे, ताकि क्षेत्र को नशीले पदार्थों से मुक्त किया जा सके।

'ताज होटल को यरवदा और आर्थर रोड जेल बना दिया'

● मुंबई मेयर सस्पेंस के बीच संजय राउत का एकनाथ शिंदे पर आरोप

एजेंसी

ठाणे। महाराष्ट्र में बीएमसी समेत नगर निकाय चुनाव के नतीजों के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। खासकर नवनिर्वाचित शिवसेना कॉर्पोरेटर्स को लेकर को राजनीति जोरों पर है। खबरों के मुताबिक शिवसेना के 29 कॉर्पोरेटर्स को ताज लैंड्स एंड होटल में बुलाया गया है और वहां रोक कर रखा गया है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि शिंदे गुट ने ताज होटल को यरवदा और आर्थर रोड जेल बना दिया है, जहां नए चुने गए पार्षदों को बंद कर दिया है। उन्होंने इसे पूरी तरह नाइंसाफी और अनुचित कार्रवाई बताया। राउत ने कहा कि यह लॉ एंड ऑर्डर का सवाल है। राज्य में मुख्यमंत्री देवेंद्र

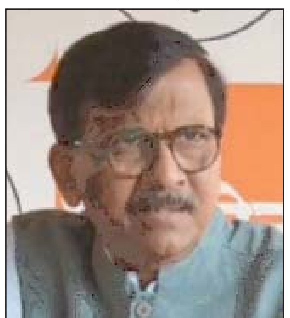

फडणवीस और एकनाथ शिंदे की सरकार है, लेकिन इसके बावजूद नए चुने गए शिवसेना के पार्षदों के साथ गलत किया जा रहा है। उनका आरोप है कि शिवसेना को डर है कि उनके पार्षदों को तोड़ा जा सकता है। राउत ने कहा कि ताज होटल को एक तरह से जेल जैसा बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को तुरंत आदेश देना चाहिए कि होटल में बंद किए गए पार्षदों को छोड़ दिया जाए। उनका कहना है कि किसी भी चुनावी या सियासी प्रक्रिया में ऐसे डर और दबाव का इस्तेमाल करना गलत है।

सूत्रों की मानें तो नए कॉर्पोरेटर्स को होटल में बुलाने का उद्देश्य यह बताया जा रहा है कि किसी भी तरह की खरीद-फरोख्त या दबाव के जरिए पार्षदों को अपने गुट में लाने की कोशिश रोकी जा सके। शिंदे गुट यह सुनिश्चित करना चाह रहा है कि नए चुने गए पार्षद उनके पक्ष में रहें।

गौरतलब है कि शुक्रवार को महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना गठबंधन ने नगर निगम चुनावों में जबरदस्त जीत हासिल की। 29 में से 25 निकायों में जीत दर्ज की गई, और बीएमसी चुनावों में भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। हालांकि बहुमत (114) के लिए शिंदे सेना की मदद चाहिए। महायुति की जीत ने ठाकरे परिवार का तीन दशक का वर्चस्व खत्म कर दिया। वहीं, उद्धव-राज ठाकरे की जोड़ी पूरी तरह विफल नहीं हुई। उनके गठबंधन ने 71 सीटें जीतकर मुंबई के मराठी बहुल इलाके में अपना दबदबा बनाए रखा।

मौनी अमावस्या पर हादसा, घने कोहरे के कारण श्रद्धालुओं से भरी जीप पलटी, पांच घायल

देवरिया (एजेंसी)। मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर सरयू नदी में स्नान करने जा रहे श्रद्धालुओं के साथ रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। मईल थाना क्षेत्र के पिपरा रामधर और जोगापुर गांव के समीप घने कोहरे के कारण श्रद्धालुओं से भरी एक जीप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। इस दुर्घटना में जीप सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। मिली जानकारी के अनुसार, श्रद्धालु सलेमपुर से जीप में सवार होकर बरहज स्नान के लिए निकले थे। सुबह के समय दृश्यता कम होने और घना कोहरा होने के कारण चालक वाहन पर अपना नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोग बचाव के लिए दौड़े। घायलों में लार थाना क्षेत्र के धवरिया निवासी रामप्रवेश चौहान और उनकी पत्नी चुन्नी देवी, जबकि सलेमपुर के रंभा देवी, प्रभुनाथ और उनकी पत्नी गीता देवी शामिल हैं। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सलेमपुर पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने प्रभुनाथ और रंभा देवी की नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। घटना के बाद से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा और पुलिस प्रशासन को सूचित किया गया।

बिहार में जज की पत्नी को मारी गोली, कोर्ट में आई थी गवाही देने

-पति से चल रहा है तलाक का केस, देवरों समेत चार लोग में किया हमला

पटना (एजेंसी)। बिहार के समस्तीपुर में तैनात जज संतोष कुमार साह की पत्नी वंदना को झारखंड में गोली मारी गई है। उन्हें दो गोली लगी है। वंदना का गोड्डा कोर्ट में पति से तलाक का केस चल रहा है। संतोष कुमार साह पटोरी अनुमंडल में न्यायिक जज हैं। वंदना का कहना है कि वो शनिवार को अदालत से लौट रही थी। इस दौरान बाइक पर सवार दो बदमाशों ने उसका पीछा किया और अचानक फायरिंग कर दी। गोली लगते ही वंदना सड़क पर गिर गईं, जबकि हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक गोली मारने वालों में महिला के दो देवर भी शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन महिला की हालत को देखते हुए उसे भागलपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक वंदना कुमारी हनवारा थाना क्षेत्र के पुराना गांव की रहने वाली है। वंदना ने अपने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज प्रताड़ना की प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसकी सुनवाई गोड्डा कोर्ट में चल रही है। शनिवार को वह मामले में गवाही देने कोर्ट आई थीं। गवाही के बाद शाम में अपने मायके लौटते समय दो बाइक सवारों ने गोली चला दी। एक गोली जबड़े में, दूसरी पीठ में लगी। वंदना ने पुलिस को बताया कि हमलावर चार लोग थे, जिनमें उसके दो देवर भी शामिल हैं। इनमें से एक देवर का नाम गुड्डू साह बताया है।

जम्मू-कश्मीर में दो अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित पदार्थ जब्त, 3 तस्कर गिरफ्तार

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने बडगाम जिले में दो अलग-अलग अभियानों में मादक पदार्थों समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है उनके पास से चार किलोग्राम से ज्यादा प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि बडगाम पुलिस ने मागम और हार्डपंजू क्षेत्रों में अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में अवैध पदार्थ बरामद हुआ। मागम में पुलिस की एक टीम ने बटपोरा क्रॉसिंग पर नियमित गश्त के दौरान एक व्यक्ति को पकड़ा। पुलिस ने बताया कि आरोपी के पास एक थैला था और पुलिस को देखते ही उसने भागने की कोशिश की, जिससे पुलिस को शक हुआ। उस व्यक्ति को दबोच लिया और तलाशी लेने पर उसके पास से करीब 2.1 किलोग्राम चरस जैसा पदार्थ बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान बटपोरा निवासी रौफ अहमद हाजम के रूप में हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक एक अलग अभियान में पुलिस ने बोनिजानिगम गांव में नाका स्थापित किया और जांच में दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोका। दोनों ने भागने की कोशिश की लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया। उनकी पहचान इरफान अहमद मीर और ओवैस अहमद भट के रूप में हुई जो हरदुलतिना गांव के रहने वाले हैं। जब उनकी तलाशी ली तो उनके पास से 2.185 किलोग्राम चरस जैसी सामग्री बरामद हुई है। पुलिस ने दोनों मामलों में मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

कार व ई-रिक्शा में भीषण टक्कर, तीन की मौत, चार गंभीर

हरिद्वार (एजेंसी)। हरिद्वार-लक्सर मार्ग पर फेरूपुर क्षेत्र में कार-ई-रिक्शा की भीषण टक्कर से तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ई-रिक्शा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मृतकों में कार चालक विकास कुमार (फेरूपुर), यात्री चरण सिंह (कलियर, रुड़की) और ई-रिक्शा चालक आस मुहम्मद (नसीरपुर खुर्द, लक्सर) हैं। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। मृतकों के स्वजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरु कर दी है।

संगन स्नान कर लौट रहे परिवार की कार पलटी, एक की मौत पांच घायल

घाटमपुर (एजेंसी)। जहांनाबाद रोड पर नौरंगा गांव के पास रविवार सुबह एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक की मौत हो गई और एक ही परिवार के पांच लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया। यहां से उन्हें कानपुर रेफर कर दिया। बजाया जा रहा है कि चालक को झपकी लगने से हादसा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रावस्ती जिले के थाना कटरा क्षेत्र स्थित मौलाना खासियरी गांव के रहने वाले एक परिवार कार से प्रयागराज संगम स्नान करने गया था। वहां से वे लोग घाटमपुर क्षेत्र में रहने वाले रिश्तेदार के घर आ रहे थे। रविवार सुबह नौरंगा के पास कार अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। हादसे में कार में सवार चंद्रभान शुक्ला (46), केशरी नंदन (55), मनोज (40), राजन शुक्ला (30), नीतीश कुमार (32), भूरे (33) घायल हुए हैं। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचाया। यहां से सभी घायलों को कानपुर रेफर कर दिया। जहां पर चंद्रभान की उपचार के दौरान मौत हो गई।

प्रतिवर्ष हो रहीं 10 लाख मौतें... वर्ल्ड बैंक रिपोर्ट पर कांग्रेस हुई हमलावर, मोदी सरकार से पूछे सवाल

-वायु प्रदूषण पर आधारित है रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बढ़ते प्रदूषण को लेकर वर्ल्ड बैंक की हालिया रिपोर्ट के बाद सियासत तेज हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत में वायु प्रदूषण के कारण हर साल करीब 10 लाख लोगों की समय से पहले मौत हो रही है। साथ ही इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर एक विस्तृत पोस्ट साझा कर कहा, कि आखिर मोदी सरकार कब तक सच्चाई से मुंह मोड़ती रहेगी। उन्होंने बताया कि वर्ल्ड बैंक की यह रिपोर्ट 'ए ब्रीथ ऑफ चेंज' शीर्षक से जारी की गई है, जो इंडो-गैंगेटिक मैदानों और हिमालय की तलहटी में वायु प्रदूषण की स्थिति पर आधारित है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस क्षेत्र में हर साल लगभग 10 लाख लोगों की समय से पहले मौत हो रही है और क्षेत्रीय जीडीपी का करीब 10 प्रतिशत आर्थिक नुकसान हो रहा है।

जयराम रमेश ने कहा कि यह रिपोर्ट व्यापक, तथ्यात्मक और सबूतों पर आधारित है। इसमें कोयला आधारित पावर प्लांट्स के उत्सर्जन मानदंडों को सख्ती से लागू करने और सबसे पुरानी व प्रदूषणकारी इकाइयों को तेजी से बंद करने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा रिपोर्ट में शहर-केंद्रित योजनाओं से आगे बढ़कर कानूनी रूप से सशक्त एयरशेड-आधारित गवर्नेंस अपनाने पर जोर दिया गया है।

कांग्रेस नेता ने यह भी बताया कि रिपोर्ट में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के विस्तार और इलेक्ट्रिफिकेशन, वाहन उत्सर्जन मानकों को सख्त करने और ईंधन गुणवत्ता में सुधार की जरूरत पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में एक्यूआई से जुड़ा स्वास्थ्य संकट लगातार गहराता जा रहा है। ऐसे में कांग्रेस लगातार मांग कर रही है कि वायु प्रदूषण (नियंत्रण और रोकथाम) अधिनियम, 1981 और नेशनल एम्बिएंट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड्स (नाक्स), 2009 की समीक्षा की जाए, खासकर पीएम 2.5 पर फोकस के साथ।

इसके साथ ही कांग्रेस ने नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनसीएपी) के बजट और भौगोलिक दायरे को बड़े स्तर पर बढ़ाने, प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए पीएम 2.5 को मानक बनाने और बिना किसी छूट या ढील के वायु प्रदूषण से जुड़े नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग की है।

अलीगढ़ स्टेशन पर बम की सूचना से हड़कंप, दिल्ली-पटना राजधानी एक्सप्रेस की हुई जांच पड़ताल

अलीगढ़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर बीती रात उस वक्त भारी अफरा-तफरी मच गई जब देश की प्रीमियम ट्रेनों में शुमार दिल्ली-पटना राजधानी एक्सप्रेस (तेजस रेक) को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इस सनसनीखेज सूचना के बाद सुरक्षा एजेंसियां तत्काल हाई अलर्ट पर आ गईं और करीब 31 मिनट तक पूरा रेलवे स्टेशन परिसर और जिला प्रशासन गहरे तनाव और दहशत के साये में रहा। घटना की शुरुआत तब हुई जब पुलिस कंट्रोल रूम को एक गुमनाम फोन आया, जिसमें कॉल करने वाले ने बेहद गंभीर दावा किया कि दिल्ली से पटना की ओर जा रही राजधानी तेजस एक्सप्रेस में विस्फोटक रखा गया है। सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस को अलर्ट मोड पर डाल दिया गया। ट्रेन उस समय अलीगढ़ क्षेत्र के करीब से गुजर रही थी, जिसे सुरक्षा कारणों से तुरंत अलीगढ़ स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर रुकवाया गया। ट्रेन के रुकते ही भारी संख्या में पुलिस बल और वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों ने मोर्चेबंदी कर ली। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की टीमों ने ट्रेन के एक-एक कोच, पैंट्री कार और टॉयलेट की गहन तलाशी ली। इस दौरान ट्रेन में सवार सैकड़ों यात्रियों और उनके सामान को भी पूरी तरह जांचा गया। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत और बारीकी से की गई जांच के बाद अधिकारियों ने पुष्टि की कि ट्रेन में कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला है। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि यह केवल एक होक्स कॉल यानी फर्जी धमकी थी। हालांकि तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, लेकिन रेलवे प्रशासन ने कोई जोखिम नहीं लिया और ट्रेन को कड़ी सुरक्षा निगरानी के बीच पटना के लिए रवाना किया गया। साथ ही पटना के रेलवे अधिकारियों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। इस फर्जी कॉल ने न केवल प्रशासन की नींद उड़ा दी, बल्कि देश की आधुनिक और लग्जरी तेजस-राजधानी जैसी ट्रेनों की सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन तैयारियों को लेकर एक बार फिर गंभीर चर्चा छेड़ दी है।

आरजेडी की 25 जनवरी को होने जा रही बड़ी बैठक, तेजस्वी यादव को मिल सकती है अहम जिम्मेदारी

पटना (एजेंसी)। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अहम बैठक 25 जनवरी को पटना में आयोजित होने जा रही है। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद यह पार्टी की पहली बड़ी बैठक मानी जा रही है, जिसमें संगठन और नेतृत्व से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जा सकते हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में तेजस्वी यादव को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

सूत्रों का कहना है कि बैठक में तेजस्वी यादव को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर मुहर लग सकती है। इसकी मुख्य वजह राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बढ़ती उम्र और उनका अस्वस्थ रहना बताया जा रहा है। हालांकि अभी भी पार्टी के अधिकांश अहम फैसलों में तेजस्वी की भूमिका केंद्रीय बनी हुई है, लेकिन औपचारिक तौर पर उन्हें नेतृत्व सौंपने की दिशा में यह बड़ा कदम माना जा रहा है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, कार्यकारिणी की बैठक में विधानसभा चुनाव के दौरान कथित भीतरघात करने वाले नेताओं पर भी कार्रवाई का फैसला लिया जा सकता है। चुनाव में अपेक्षाकृत खराब प्रदर्शन के बाद पार्टी नेतृत्व संगठन की कमजोरियों और आंतरिक मतभेदों की समीक्षा कर रहा है। माना जा रहा है कि अनुशासनहीनता और संगठनात्मक लापरवाही को लेकर सख्त रुख अपनाया जा सकता है। तेजस्वी यादव विदेश यात्रा से लौटने के बाद पूरी तरह से सक्रिय हो गए हैं। बीते गुरुवार और शुक्रवार को उन्होंने अपने पटना स्थित आवास पर लगातार दो दिनों तक पार्टी नेताओं के साथ बैठकें कीं। इन बैठकों में संगठन की मजबूती, विस्तार, बूथ स्तर पर सक्रियता और बिहार के मौजूदा राजनीतिक हालात पर विस्तार से चर्चा हुई। पार्टी सूत्रों का कहना है कि तेजस्वी जल्द ही राज्यव्यापी बिहार यात्रा पर निकल सकते हैं, जिस पर भी कार्यकारिणी की बैठक में अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव में राजद को करारी हार का सामना करना पड़ा था। पार्टी केवल 25 सीटों पर सिमट गई थी, जबकि तेजस्वी यादव महागठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरे थे।

संबित पात्रा ने बताया ईडी छापे से क्यों घबरा रहीं हैं सीएम ममता बनर्जी

-बांग्लादेशी-रोहिंग्याओं को पैसे लेकर नागरिकता देने का गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने जहां एक ओर गंभीर आरोप लगाए हैं, वहीं भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा है कि ममता बनर्जी बांग्लादेशी-रोहिंग्याओं को नागरिकता दे रही हैं इसलिए ईडी के छापों से घबरा रही हैं। दरअसल नई दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने दावा किया कि ममता बनर्जी 10 हजार रुपये लेकर बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को भारतीय नागरिकता दिला रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य और देश के करोड़ों रुपए इसी अवैध गतिविधि में खर्च किए जा रहे हैं।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने शनिवार को आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, कि बांग्लादेशी-रोहिंग्याओं को पैसे लेकर नागरिकता देने का काम कर रहीं हैं, इसी वजह से ममता बनर्जी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई से घबरा गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आई-पेक दफ्तर पर ईडी की छापेमारी के दौरान तृणमूल कांग्रेस से जुड़े लोगों ने फाइलें जबरन छीनकर ले जाने की कोशिश की। संबित पात्रा ने चेतावनी देते हुए कहा कि ममता बनर्जी बंगाल को बांटकर चुनाव नहीं जीत सकतीं। भाजपा प्रवक्ता ने हाल ही में मुर्शीदाबाद में हुए प्रदर्शन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग-12 को ब्लॉक किया गया, रेल सेवाएं रोकी गईं और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया।

यहां पर संबित पात्रा ने सवाल उठाया कि क्या मुर्शीदाबाद भारत का हिस्सा नहीं है? उन्होंने आरोप लगाया कि जब ट्रेनें जलाई जा रही थीं, तब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे अल्पसंख्यकों का गुस्सा बताकर सही ठहराने की कोशिश की। संबित पात्रा ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर भी ममता सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया देश के कई राज्यों में चल रही है और संसद में इस पर चर्चा भी हो चुकी है, लेकिन बंगाल में मुख्यमंत्री असंवैधानिक और हिंसक तरीकों से इसे रोकने का प्रयास कर रही हैं। संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) पर दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने बीएलओ अशोक दास की आत्महत्या का मामला उठाते हुए कहा कि टीएमसी की धमकियों से परेशान होकर अशोक दास ने आत्महत्या कर ली। पात्रा ने दावा किया कि अशोक दास की पत्नी ने तृणमूल कांग्रेस नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

संबित पात्रा ने कहा, कि जो बंगाल कभी 'सोनार बांग्ला' के नाम से जाना जाता था, वह आज 'रक्त-रंजित बांग्ला' बनता जा रहा है। टीएमसी नेता मोनिरुल इस्लाम के बयान पर संबित पात्रा ने कहा कि यह मामला राम-रहीम का नहीं, बल्कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों का है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीमा सुरक्षा बल ने कई बार पत्र लिखे और बैठकें कीं, लेकिन बंगाल सरकार ने सहयोग नहीं किया। भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन तक नहीं दी जा रही। भाजपा ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस का इरादा बंगाल को कमजोर कर उसे बांग्लादेश से जोड़ने का है।

ईरान से स्वदेश लौटे छात्रों ने बताई आप बीती कहा- डर में रहे घर पर खैरियत भी नहीं बता पाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में जारी व्यापक सरकार-विरोधी प्रदर्शनों और अस्थिरता के बीच भारतीय छात्रों और नागरिकों का स्वदेश लौटने का सिलसिला शुरू हो गया है। देर रात दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जब भारतीय छात्रों का जत्था उतरा, तो उनके चेहरों पर घर पहुंचने की खुशी और ईरान में बिताए गए खौफनाक दिनों का तनाव साफ झलक रहा था। तेहरान, अराक, कौम, शिराज और मशहद जैसे प्रमुख शहरों से लौटे इन छात्रों ने वहां के जो हालात बयां किए हैं, वे रूह कंपा देने वाले हैं। छात्रों के अनुसार, ईरान की राजधानी तेहरान सहित कई बड़े शहरों की सड़कों पर भारी संख्या में सुरक्षाबल गश्त कर रहे हैं, बाजार पूरी तरह बंद हैं और आम नागरिक डर के साए में अपने घरों में कैद रहने को मजबूर हैं।

तेहरान मेडिकल यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस की छात्रा जोया सैय्यद ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि वहां देखते ही देखते हालात इतने बिगड़ गए कि भविष्य धुंधला नजर आने लगा। सबसे बड़ी चुनौती संचार के साधनों का ठप होना थी, इंटरनेट और फोन सेवाएं बार-बार बंद होने के कारण छात्र भारत में अपने परिजनों को यह भी नहीं बता पा रहे थे कि वे सुरक्षित हैं या नहीं। वतन वापसी के बाद जोया और उनके परिवार ने राहत की सांस ली है, लेकिन अब उन्हें अपनी पढ़ाई और दोबारा ईरान लौटने की अनिश्चितता सता रही है। इसी तरह आमिर नामक छात्र ने बताया कि बड़े शहरों में अघोषित कर्फ्यू जैसे हालात हैं और जरूरी वस्तुओं की किल्लत शुरू हो गई है। उन्होंने विशेष रूप से छात्राओं और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई, जो वहां बेहद दहशत में हैं।

हवाई अड्डे का नजारा बेहद भावुक कर देने वाला था, जहां कई हफ्तों से अपने बच्चों की सलामती की दुआ कर रहे अभिभावकों की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। अली नकवी के नेतृत्व में लौटे एक समूह का स्वागत फूलों की मालाओं से किया गया। इस कठिन समय में भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा छात्रों के लिए एक बड़ा संबल बना। छात्रों ने बताया कि जब वे वहां से निकल रहे थे, तब जगह-जगह तैनात ईरानी सुरक्षाकर्मी भारतीय तिरंगा देखकर उनकी मदद के लिए आगे आ रहे थे। हालांकि, विश्वविद्यालयों को छावनी में तब्दील कर दिया गया है और अफवाहों के कारण वहां का माहौल और भी तनावपूर्ण हो गया है। उत्तर प्रदेश के अमरोहा की रहने वाली छात्राएं युसरा और अर्श भी सुरक्षित अपने घर पहुंच गई हैं। उन्होंने बताया कि महज दो महीने पहले ही उन्होंने डॉक्टर बनने का सपना लेकर एमबीबीएस में प्रवेश लिया था, लेकिन हालात ने उन्हें लौटने पर मजबूर कर दिया। वहीं, गाजियाबाद के मर्चेंट नेवी इंजीनियर केतन मेहता जैसे कई अन्य भारतीय अब भी वहां फंसे हुए हैं, जिनकी वापसी की उम्मीदें अब बढ़ गई हैं। हालांकि छात्रों का कहना है कि सभी भारतीय फिलहाल सुरक्षित हैं, लेकिन वहां की अनिश्चितता ने उनके करियर पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। फिलहाल, भारत सरकार और अधिकारी ईरान में मौजूद अन्य भारतीयों की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

2026 गणतंत्र दिवस परेड में दिखेगी नई परंपरा, नदियों के नाम पर होंगी दर्शक दीर्घाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2026 की गणतंत्र दिवस परेड में एक नई परंपरा देखने को मिलेगी, इसमें दर्शकों के बैठने की जगहों को थीम के हिसाब से बदला गया है। परेड के रास्ते में बनी बैठने की जगहों को पहली बार नंबरों से नहीं पहचाना जाएगा। बल्कि लोगों के बैठने की जगह का नाम देश की प्रमुख नदियों के नाम पर होगा। इन दीर्घाओं का नाम यमुना, ब्यास, ब्रह्मपुत्र, गंगा, तीस्ता, चंबल, सतलुज, सोन, चिनाब, सोन, रावी, वैगई, पेरियार, गंडक, पेन्नार, नर्मदा, घाघरा, गोदावरी, कृष्णा, महानदी, सिंधु, कोसी, झेलम और कावेरी जैसी नदियों के नाम पर रखा गया है। यह वे नदियां हैं, जो देश के कई क्षेत्रों और राज्यों से होकर गुजरती हैं और लोकल आबादी के लिए जीवनरेखा का काम करती हैं। सदियों से इन नदियों ने देश की सभ्यता, अर्थव्यवस्था और संस्कृति को भी आकार दिया है।

इस गणतंत्र दिवस पर ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका निभाने वाले लड़ाकू विमान भी कर्तव्य पथ पर दिखाई देने वाले है। मुख्य आकर्षणों में से एक स्पेशल सिंदूर फॉर्मेशन होगा जो ऑपरेशन की सफलता और संकल्प का प्रतीक होगा। राफेल, सुखोई, जगुआर और मिग-29 लड़ाकू विमानों सहित एक दर्जन से ज्यादा लड़ाकू विमान कर्तव्य पथ के ऊपर फॉर्मेशन में उड़ान भरने वाले है। इसके अलावा, लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों और ट्रांसपोर्ट विमानों वाले कई अन्य फॉर्मेशन भी इस भव्य हवाई प्रदर्शन का हिस्सा लेने वाले है।

पहली बार, भारतीय सेना की नई भैरव बटालियन कर्तव्य पथ पर मार्च करेगी और सुप्रीम कमांडर को सलामी देगी। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कारगिल से इन नई लाइट कमांडो बटालियनों के गठन की घोषणा की थी। अधिकारियों के अनुसार, पांच भैरव बटालियन पहले ही बन चुकी हैं। उन्होंने बताया कि सेना छह महीने के भीतर कुल 25 ऐसी बटालियन बनाने की योजना बना रही है। प्रत्येक बटालियन में करीब 250 बेहतरीन सैनिक होते हैं, जिन्हें तेज, अचानक और उच्च प्रभाव वाले ऑपरेशनों के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

पाक ने रची नापाक साजिश, इस्लामिक स्टेट के नाम से कश्मीर में कराना चाहता है हमले

-इस पूरे ऑपरेशन की निगरानी पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य और खुफिया अधिकारी कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने जम्मू-कश्मीर में अशांति फैलाने के लिए साजिश रची है। खुफिया एजेंसियों ने गणतंत्र दिवस से पहले एक रिपोर्ट के जरिए इसकी बात कही है। आईएसआई ने आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को निर्देश दिया है कि वह अपने फिदायीन दस्ते को इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रॉविंस के नाम के साथ जोड़कर घाटी में हमले करे। इस हाइब्रिड मॉड्यूल का मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को बेकसूर साबित करना और भारत के खिलाफ प्लॉसिबल डिनाइबिलिटी बनाए रखना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस पूरे ऑपरेशन की निगरानी पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य और खुफिया अधिकारी कर रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल अहमद अहसान नवाज भी इसमें शामिल हैं जो पाकिस्तान सेना के एक्स कोर के प्रमुख हैं। ब्रिगेडियर फाईक अयूब आईएसआई का पीओके सेक्टर कमांडर है। रिपोर्ट के मुताबिक इन अधिकारियों ने लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद को अपनी रणनीति बदलने और यह तय करने का निर्देश दिया है कि किसी भी हमले में पाकिस्तान की सीधी भागीदारी के सबूत न मिलें।

खुफिया सूत्रों के मुताबिक 12 सदस्यीय यह फिदायीन दस्ता कश्मीर के तीन प्रमुख जिलों में सक्रिय हो चुका है। उनमें बडगाम, किश्तवाड़ और श्रीनगर शामिल हैं, जो कि भौगोलिक और रणनीति रूप से अहम हैं। लश्कर का वरिष्ठ कमांडर अबू हुरैरा फिदायीन दस्ते का नेतृत्व कर रहा है। यह 2021 से सक्रिय है। मोहम्मद उमर खरगोश डिप्टी कमांडर है और हुरैरा का मुख्य सहयोगी भी है। अबू दुजाना का भी इसमें शामिल है, जिसने हाल ही में घुसपैठ की है। वह आत्मघाती हमलों के लिए प्रशिक्षित है।

सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि पाकिस्तान जानबूझकर अपने समर्थित आतंकवाद को इस्लामिक स्टेट के नाम से प्रमोट कर रहा है। इसके पीछे दो मुख्य कारण हैं। पहला है पहचान छुपाना। यदि हमला आईएसकेपी के नाम पर होता है, तो वैश्विक समुदाय को यह लगेगा कि यह एक अंतरराष्ट्रीय जिहादी नेटवर्क का काम है न कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का। हाइब्रिड मॉड्यूल के कारण जांच एजेंसियों के लिए मुख्य साजिशकर्ताओं तक पहुंचना कठिन हो जाता है। इस इनपुट के बाद मध्य और दक्षिण कश्मीर में निगरानी बढ़ा दी गई है। सुरक्षा बल अब छोटे-छोटे सेल्स में बंटे इन आतंकियों को ट्रैक करने के लिए तलाशी अभियान चला रहे हैं।

कड़ाके की ठंड का कहर जहरीली हवा और कोहरे के बीच 4 डिग्री तक लुढ़का पारा

नई दिल्ली । मौसम विभाग के मुताबिक अगले कुछ दिन राजधानी में इसी तरह का मौसम रहेगा। 20 जनवरी से न्यूनतम तापमान में गिरावट कम होकर 7 से 8 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है।सर्द हवाएं अभी परेशान करेंगी। दिल्ली-एनसीआर में कड़ाके की ठंड जारी है। रविवार को अभी दिल्ली वासियों को ठंड से राहत नहीं मिलने जा रही है। सर्द हवाओं और कोहरे का सितम शनिवार रात से है, जिस कारण न्यूनतम तापमान गिरकर 4 से 6 डिग्री तक पहुन्चं गया। जबकि अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस से 22 डिग्री तक जा सकता है। सुबह कोहरे के कारण धूप देर से निकलेगी, लेकिन हलके बादलों के कारण उसका असर धीमा रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक अगले कुछ दिन राजधानी में इसी तरह का मौसम रहेगा। 20 जनवरी से न्यूनतम तापमान में गिरावट कम होकर 7 से 8 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। जबकि सर्द हवाएं अभी परेशान करेंगी। रविवार तड़के तापमान 4-6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, कोहरे और सर्द हवाओं के कारण ठंड अधिक लग रही है। दिन में तापमान थोड़ा ठीक होकर पिछले दिनों के मुकाबले 21 से 23 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम रहेगी। दोपहर में धूप निकलेगी, लेकिन आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। शाम होते ही सर्द हवाओं के कारण ठंड फिर अपना असर दिखायेगी। मौसम विभाग के मुताबिक अगले कुछ दिनों में ठंड का असर धीरे-धीरे कम होगा। हालांकि बारिश के कोई आसार नहीं है। ठंड और कोहरे के बीच दिल्ली की हवा बीते कई महीनों से जहरीली बनी हुई है। सुबह एक्यूआई 722 दर्ज हुआ जो बेहद खतरनाक श्रेणी में है। इसका मुख्यकारण पीएम 10 और पीएम 2.5 है जिस कारण हवा की स्थिति नहीं सुधर रही। तेज हवाएं या बारिश ही एक्यूआई से राहत दे सकती है। लेकिन अभी अगले कुछ दिन बारिश के आसार नहीं हैं। कुल मिलाकर दिल्ली वालों को सर्दी-कोहरे और प्रदूषित हवा से अगले कुछ दिन राहत नहीं मिलने जा रही। सरकार ने ठंड को देखते हुए खुले में न सोने की अपील की है। कई जगह शेल्टर होम बनाए गए हैं। जहाँ बेसहारा लोगों के लिए व्यवस्था की गयी है। इसके अलावा बाहर निकलने पर मास्क की सलाह दी गयी है।

अकालियों की सत्ता के दौरान होती गुंडागर्दी और बेअदबी को लोग कभी भूल नहीं सकते: मान

मजीठा (अमृतसर)- पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज यहां मजीठा में राज्य स्तरीय समागम के दौरान 23 ग्रामीण लिंक सड़कों का नींव पत्थर रखते हुए घोषणा की कि पंजाब में डर का दौर, 'परची का दौर' (जबरन वसूली) और अकालियों की धक्केशाही का दौर खत्म हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के लोगों ने डराने-धमकाने वाली राजनीति को पूरी तरह नकार दिया है और विकास, जवाबदेही तथा लोक कल्याण पर केंद्रित मॉडल को अपनाया है।

मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि अकालियों की सत्ता में वापसी का मतलब बेअदबियों और निर्दोष लोगों पर गोलीबारी की ओर वापसी होगी। उन्होंने जलियांवाला बाग नरसंहार के बाद जनरल डायर को रात के खाने पर मेहमान बनाने को राज्य के प्रति विश्वासघात बताया, जिसे पंजाब के लोग कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि धार्मिक संस्थाओं को गुरु साहिब की सेवा करनी चाहिए, न कि किसी राजनीतिक परिवार का पक्ष पूरा करना चाहिए। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि मुफ्त बिजली, सड़कों का नवीनीकरण और लोक पक्षी प्रशासन ने सड़ी राजनीति की जगह ले ली है, जिससे मजीठिया में 11.32 करोड़ रुपए की लागत वाले प्रोजेक्ट्स से विकास के एक नए अध्याय की शुरुआत हुई है।

मजीठा में 23 नई ग्रामीण लिंक सड़कों का नींव पत्थर रखने के बाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'पहले यह इलाका लगातार डर के साये में रहता था। इस क्षेत्र के खुद को 'जरनैल' बताने वाले व्यक्ति ने आम लोगों के खिलाफ झूठे केसों को हथियार की तरह इस्तेमाल किया।

कांग्रेस और अकाली, दोनों सरकारों की आपसी मिलीभगत से दहशत भरे राज की शुरुआत हुई और लोग सरकार के खिलाफ बोलने से डरते थे।' उन्होंने कहा कि यह डर अब पूरी तरह खत्म हो गया है क्योंकि अब लोगों का राज है और उन्होंने ऐसी संकीर्ण राजनीति को निर्णायक तौर पर राज्य से बाहर का रास्ता दिखाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों ने मजीठिया और बादल परिवारों द्वारा चलाई जा रही डराने-धमकाने वाली राजनीति को दरकिनार करके एक नया रास्ता चुना है। उन्होंने कहा, 'यही मजीठा इलाका कभी उन लोगों के कब्जे में था जिन्होंने 1919 में जलियांवाला बाग नरसंहार वाले दिन जनरल डायर को रात के खाने पर बुलाया था। ऐसे विश्वासघात भरे गुनाहों को कभी नहीं भुलाया जा सकता। पंजाब के लोग उन लोगों को कभी माफ नहीं करेंगे जिनके हाथ मासूम लोगों के खून से रंगे हुए थे।'

फोरेंसिक रिपोर्ट पर सियासत तेज सौरभ भारद्वाज का पलटवार

नई दिल्ली । फोरेंसिक रिपोर्ट पर सौरभ भारद्वाज ने बीजेपी पर आधा सच और भावनाएं भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने गुरु शब्द न होने का दावा किया। इसके अलावा कपिल मिश्रा से माफी जांच की मांग की। दिल्ली की राजनीति में एक बार फिर फोरेंसिक रिपोर्ट को लेकर सियासी घमासान मच गया है। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर आम आदमी पार्टी दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने तीखा जवाब दिया है। उन्होंने बीजेपी पर आधे सच के सहारे माहौल बिगाड़ने और धार्मिक भावनाएं भड़काने की कोशिश का गंभीर आरोप लगाया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा, इस पूरी कवायद का नतीजा वही निकला, जिसकी उन्हें पहले से उम्मीद थी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि खोदा पहाड़, निकली चुहिया, वो भी मरी हुई। भारद्वाज ने दावा किया कि बीजेपी किस तरह से सोचती है, आप उनकी रग-रग से वाकिफ है।

आप नेता ने आगे कहा उन्होंने तीन दिन पहले ही बता दिया था कि रिपोर्ट में क्या आने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि आधे सच का सहारा लिया जाएगा और उसी आधे सच पर पूरी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी जाएगी। उनके मुताबिक, सुबह की प्रेस वार्ता में वही देखने को मिला। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पंजाब की फोरेंसिक रिपोर्ट ने जो कहा, लगभग वही बात दिल्ली की रिपोर्ट में भी सामने आई है। उन्होंने बताया कि पंजाब की रिपोर्ट ने साफ कहा था कि गुरु शब्द का इस्तेमाल नहीं हुआ। लेकिन दिल्ली में सरकार या केंद्र सरकार के अफसरों पर दबाव बनाकर रिपोर्ट को घुमा-फिराकर पेश किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि फोरेंसिक रिपोर्ट का मकसद यह बताना था कि आतिशी द्वारा कौन से शब्द बोले गए।

मगर इस अहम मुद्दे पर रिपोर्ट पूरी तरह चुप है। भारद्वाज ने कहा कि अगर सच में गुरु शब्द बोला गया होता, तो रिपोर्ट साफ-साफ लिख देती। आप नेता ने आरोप लगाया कि बीजेपी आधे सच की रिपोर्ट लाकर अपनी इज्जत बचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि आप इस वीडियो को जगह-जगह चलाकर बीजेपी को एक्सपोज करेगी और जनता को बताएगी कि किस तरह हिंदुओं और सिखों के बीच तनाव पैदा करने की कोशिश की जा रही है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज स्पीकर के शब्दों ने पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई है।

उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि स्पीकर ने राजनीतिक बातें कहीं, इसलिए अब राजनीतिक आरोपों का जवाब देना पड़ रहा है।

दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण से बुरा हाल, लागू किया गया ग्रैप-4 कंस्ट्रक्शन समेत इन पर बैन

नई दिल्ली । दिल्ली में शाम चार बजे एक्यूआई 400 था, जो रात 8 बजे बढ़कर 428 पहुंच गया। मौसम की खराब स्थिति के कारण हालात और बिगड़ गए। राजधानी दिल्ली में प्रदूषण एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जिसके बाद दिल्ली में ग्रैप 4 लागू किया गया है। शनिवार को यहां एक्यूआई 428 दर्ज किया गया, जिसके बाद ग्रैप 4 की पाबंदियों को लागू किया गया है। सीएक्यूएम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, दिल्ली का एक्यूआई शनिवार को शाम चार बजे 400 दर्ज किया गया। पश्चिमी विक्षोभ, बेहद प्रतिकूल मौसम और मौसम संबंधी परिस्थितियों तथा प्रदूषकों के फैलाव की कमी के कारण एक्यूआई तेजी से बढ़कर रात आठ बजे 428 हो गया। उन्होंने आगे कहा क्षेत्र में वायु गुणवत्ता की मौजूदा स्थिति और संबंधित कारकों को ध्यान में रखते हुए और वायु गुणवत्ता में और गिरावट को रोकने के प्रयास में, सीएक्यूएम की जीआरएपी संबंधी उप-समिति ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया है कि मौजूदा ग्रैप के चरण-4 के तहत परिकल्पित सभी कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से पूरे एनसीआर में सक्रिय रूप से लागू किया जाए। दरअसल, शनिवार (17 जनवरी) को वायु गुणवत्ता गंभीर+ श्रेणी में पहुंच गई, जिसके चलते ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के चौथे चरण को फिर से लागू करने का फैसला लिया गया।

रंगदारी और फायरिंग केस का मास्टरमाइंड प्रदीप शर्मा गिरफ्तार

नई दिल्ली । कुख्यात गैंग्स्टर लारेंस बिश्नोई गिरोह को अवैध हथियार मुहैया कराने व गिरोह के लिए रंगदारी मांगने व अन्य आपराधिक वारदात करने वाले बदमाश प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। पिछले साल मार्च में लारेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्यों ने जवाहर नगर, गंगा नगर, राजस्थान में रहने वाले एक व्यवसायी से चार करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। रंगदारी देने से इन्कार करने पर लारेंस के निर्देश पर प्रदीप ने साथियों के साथ मिलकर मई में व्यवसायी के घर पर गोलियां चला दी थी। डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक क्राइम ब्रांच की टीम ने राजस्थान पुलिस के साथ मिलकर प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू को गिरफ्तार किया। वह आगरा, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। गंगा नगर में रंगदारी मांगने के लिए धमकी देने व फायरिंग करने के मामले में राय सिंह नगर, थाना पुलिस ने 31 दिसंबर को मुकदमा दर्ज कर लिया था। इस मामले में राजस्थान पुलिस ने प्रदीप समेत वारदात में शामिल उसके साथियों को गिरफ्तार कर जेल दिया था। जमानत पर रिहा होने के बाद प्रदीप शर्मा ने अपनी आपराधिक गतिविधियां जारी रखीं और लारेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्यों को हथियार और कारतूस सप्लाई करना शुरू कर दिया। राजस्थान पुलिस ने भी बाद में लारेंस गिरोह के चार सदस्यों को भारी मात्रा में हथियार और कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया था, जिसमें प्रदीप शर्मा को बरामद हथियारों और कारतूस का सोर्स बताया गया। राजधानी में संगठित अपराध, जबरन वसूली, हथियारों से हमले और अवैध हथियारों के इस्तेमाल की घटनाओं को देखते हुए, क्राइम ब्रांच ने सक्रिय और खतरनाक अपराधियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए आपरेशन तेज़ कर दी है।

मोटापा और मधुमेह के खिलाफ जंग में नई उम्मीद

नई दिल्ली । मोटापा और टाइप-टू मधुमेह आज देश की बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में शामिल हैं। लंबे समय तक दवाइयों, व्यायाम और खान-पान में बदलाव के बावजूद जब इन बीमारियों पर काबू नहीं पाया जा पाता, तब बैरिएट्रिक और मेटाबालिक सर्जरी एक प्रभावी उपचार विकल्प के रूप में सामने आ रही है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के सर्जरी विभाग के चिकित्सकों ने दावा किया कि यह सर्जरी वर्षों पुराने मोटापे और मधुमेह से जूझ रहे मरीजों के लिए नई उम्मीद बन रही है एम्स के सर्जरी विभाग, यूनिट-टू में बैरिएट्रिक और मेटाबालिक सर्जरी से जुड़े मरीजों के लिए रविवार को एक पेशेंट सपोर्ट ग्रुप मीटिंग का आयोजन किया गया। इस अकादमिक और मरीज-केंद्रित कार्यक्रम में लाभांवित मरीज के तौर पर डा. फग्गन सिंह कुलस्ते भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य सर्जरी से जुड़े अनुभव साझा करना और मरीजों की शंकाओं का समाधान करना था। एम्स के वरिष्ठ सर्जन एडीशनल प्रो. डा. मंजूनाथ ने बताया कि जब मोटापा और टाइप-टू मधुमेह लंबे समय से नियंत्रित न हो और दवाइयों का असर न होने लगे, तब मेटाबालिक सर्जरी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

PUBLIC NOTICE
I, MADEEHA D/o DARAKHSHAN, R/o HOUSE NUMBER-270, GALI NO-3, ZAKIR NAGAR, OKHLA, NEW Delhi-110025, have changed my name and shall hereafter be known as MADEEHA SIDDIQUI. Further, my Mother's name has been wrongly mentioned as DARKSHAN in my 10th Class Educational Document. The actual name of my mother is DARAKHSHAN, respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
I, PRIYA PANDEY daughter of Sh. MANIDHAR PANDEY, resident of D-321, Abul Fazal Enclave, Jamia Nagar, Delhi-110025, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced ISLAM and renounced HINDU religion w.e.f. 23.07.2014.

NAME CHANGE
I GUNJAN D/O SURENDER KUMAR R/O H.NO -13/50 SUBHASH NAGAR DELHI-110027 , I have changed my name to GUNJAN KAPOOR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, hitherto known as PRIYA PANDEY daughter of Sh. MANIDHAR PANDEY, resident of D-321, Abul Fazal Enclave, Jamia Nagar, Delhi-110025, have changed my name and shall hereafter be known as "MARYAM TAYYABA".

NAME CHANGE
I hitherto known as Vinni Gandhi D/O Anil Gandhi, W/ORishabh Singhania R/O 702, Tower 3, La Tropicana, Khyber Pass, Civil Lines, Civil Lines, PO:Civil Lines, DIST: North Delhi, Delhi, 110054, have change my name and shall hereafter be known as VINNI SINGHANIA.

NAME CHANGE
I, PAVAN KUMAR is legally wedded son of GO No. 004428K Rarik AEE (Civ), Name Shri T Malleswara Rao Rio H/No. 41-8/3-1/1, Kottu Subbarao Street, Near Fire Station, Krishnalanka, Vijayawada (Urban) PO. Krishnalanka, Dist Krishna, Andhra Pradesh-520013 have changed my name from T PAVAN KUMAR to PAVANKUMAR TADEPALLI for all future Purposes. Vide affidavit dated 22.12.2025 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, MAHADEV is legally father of No.2808298X Rank- NK Name-BHANUSE BALKRISHNA MAHADEV Presently resident of A/P MALGAON, THE MIRAJ. DIST-SANGLI, (MAHARASHTRA)-416407, have changed my name from MAHADEV to MAHADEV APPA BHANUSE for all future purposes. vide affidavit dated 17.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, BHARTI is legally mother of No. 2808298X Rank- NK Name BHANUSE BALKRISHNA MAHADEV presently residing at A/P MALGAON, THE MIRAJ. DIST SANGLI, (MAHARASHTRA)-416407,have changed my name from BHARTI to BHARTI MAHADEV BHANUSE for all future purposes. Vide affidavit dated 17.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, KANCHAN is legally Wife of No. 2808298X Rank NK NAME BHANUSE BALKRISHNA MAHADEV Presently resident of A/P MALGAON, THE MIRAJ. DIST-SANGLI, (MAHARASHTRA)-416407,have changed my name from KANCHAN to KANCHAN BALKRISHNA BHANUSE for all future purposes. Vide affidavit dated 17.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, AGHAV KHANDU LAHANU is legally father of No. 2824088F Rank-SEP Name AAGHAV SAGAR KHANDU presently residing at VILL-BHUSE, POST-MHALSAKORE, TEH-NIPHAD, DIST-NASHIK, (MAHARASHTRA)-422210, have changed my name from AGHAV KHANDU LAHANU TO KHANDU LAHANU AGHAV and date of birth from 01/06/1975 to 03/09/1974 for all future purposes. Vide affidavit dated 17.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, VANDANA is legally mother of No. 2824088F Rank-SEP Name AAGHAV SAGAR KHANDU presently residing at VILL- BHUSE, POST-MHALSAKORE, TEH - NIPHAD, DIST- NASHIK (MAHARASTRA)-422210, have changed my name from VANDANA to VANDANA KHANDU AGHAV for all future purposes. Vide affidavit dated 17.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 2805778W Rank HAV Name VIKRAM SINGH SHEKHAWAT presently residing at VILL-PANDITPURA, POST-PAOTA, TEH-KOTPUTLI, DIST- JAIPUR (RAJASTHAN) - 303106, have changed my minor son's name from NETIK SINGH SHEKHAWAT to NAITIK SINGH SHEKHAWAT for all future purposes. Vide affidavit dated 17.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I Varsha W/o Vimal Kumar R/o A-34 Aruna Nagar Majnu Ka Tilla Civil Lines Civil Lines Delhi North Delhi Delhi 110054 have changed my name to Arti for all future purposes.

NAME CHANGE
I, HEMRAJ SINGH S/O JAGDISH R/O HOUSE NO-607,MODHA MOHLLA,NEAR SHIV MANDIR, NATHUPUR (67), GURGAON, HARYANA-122002, HAVE CHANGED MY NAME TO HEMRAJ FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE & DOB
I,Dhele Dattatrya Father of No 4585354Y Rank L/ Hav Name - Dhele kishor dattatrya residing at Athardi post,Itkur,Ta kallam, Dist Osmanabad 413507 declare that my name and date of birth has been wrongly written as Dhele Dattatrya and date of birth as 05.01.1969 in my son's service records but my correct name is Dattu Bhimrao Dhele and correct date of birth 01/01/1965 vide affidavit dated 15.12.2025 before notary public district Osmanabad.

NAME CHANGE & DOB
I, Mahananda Mother of No 4585354Y Rank L/ Hav Name - Dhele kishor dattatrya residing at Athardi post,Itkur,Ta kallam, Dist Osmanabad 413507 declare that my name and date of birth has been wrongly written as Mahananda and date of birth as 04.05.1973 in my son's service records but my correct name is Mahananda Dattu Dhele and correct date of birth 01/01/1970 vide affidavit dated 15.12.2025 before notary public district Osmanabad.

NAME CHANGE
I hitherto known as Shashi W/O: Ajeet Singh, R/O Jafarabad Ganauli, Chirori, Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201102, have change my name and shall hereafter be known as SUNEETA.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अरविन्द कुमार पुत्र महक सिंह, निवासी 462, दुहाई, बम्बेपर, मुरादनगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201206, एक आवासीय प्लाट संख्या 41, क्षेत्रफल 135 वर्ग गज, खसरा संख्या 471, स्थित ग्राम दुहाई, परगना जलालाबाद, तहसील व जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1425-1430 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है।
वर्तमान में, मेरे मुव्विकल कथित सम्पत्ति को श्रीमती प्रिया पत्नी श्री दीपक चौधरी एवं दीपक चौधरी पुत्र श्री मुकेश कुमार को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा दादरी, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है।
यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।
रूपेश कुमार रौशन, अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE
I, Mukesh Kumar alise Mukesh Jain S/O Deep chand jain R/O Fakharpur Mohammad Shahpur, po khekra, Baghpat Uttar Pradesh, - 250101, Have Changed My Name to Mukesh Kumar Jain for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I ABDUL VAQAR S/O ABDUL JABBAR HOUSE NO.1246 GALI MAHAL SARAI PUNJABI PHATAK BALLIMARAN DELHI 110006 . HAVE CHANGED MY NAME TO ABDUL WAQAR

NAME CHANGE
I ABDUL VAQAR S/O ABDUL JABBAR HOUSE NO.1246 GALI MAHAL SARAI PUNJABI PHATAK BALLIMARAN DELHI 110006 . HAVE CHANGED MY NAME TO ABDUL WAQAR.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अरविन्द कुमार पुत्र महक सिंह, निवासी 462, दुहाई, बम्बेपर, मुरादनगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201206, एक आवासीय प्लाट संख्या 42, क्षेत्रफल 135 वर्ग गज, खसरा संख्या 471, स्थित ग्राम दुहाई, परगना जलालाबाद, तहसील व जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1425-1430 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है।
वर्तमान में, मेरे मुव्विकल कथित सम्पत्ति को श्रीमती महिमा श्रीवास्तव पत्नी श्री सन्नी चौधरी को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा दादरी, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।
रूपेश कुमार रौशन, अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE
I, Ram Chander S/O Debi Ram R/O Flat No a-6/02 Ground Floor Category- Iii, Block a Cluster 4,pocket E, vasant Kunj South West Delhi Delhi - 110070, Have Changed My Name to Ramchander Khatana for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Amit S/O Ramchander Khatana R/O Flat No a-6/02 Ground Floor Category- Iii, Block a Cluster 4,pocket E, vasant Kunj South West Delhi Delhi - 110070, Have Changed My Name to Amit Khatana for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Shasheebala W/o Nanakachand R/o Indragadhi 1, Dasna Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201302 have changed my name and shall hereafter be known as Shashikala Devi.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री जगदीश सिंह पुत्र लाल सिंह, निवासी मकान संख्या 35, करहैड़ा, मोहन नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201007, एक आवासीय प्लाट , क्षेत्रफल 60 वर्ग गज, खसरा संख्या 30घ, स्थित शिवम एंक्लेव, नेता कॉलोनी, ग्राम नूर नगर, परगना डासना, तहसील व जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1421-1426 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्विकल कथित सम्पत्ति को श्रीमती कुसुम पत्नी श्री मूलचंद को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा निठारी, सेक्टर 31, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।
रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम, गाजियाबाद,
उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राजू शर्मा** पुत्र श्री सुरेश, निवासी- गली नंबर 2, शेर पुर, खजूरी खास भजन पुरा, दिल्ली और ग्राम बरकतपुर थाना विटारी जिला. बुलन्दशहर, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 545/2019 दिनांक 21.11.2019 धारा 328/379/411/34 भा.द.स, थाना भारत नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजू शर्मा** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **राजू शर्मा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **राजू शर्मा, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 545/2019 दिनांक 21.11.2019 धारा 328/379/411/34 भा.द.स, थाना भारत नगर, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **17.02.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।
आदेश से
श्री राजिंदर कुमार
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली
DP/688/NW/2026

NAME CHANGE
I, NO-15451703K Rank-SEP Name-HIMANSHU KUMAR residing at VPO-SAWAN, TEHSIL & DIST-NEEMUCH, MADHYA PRADESH-458441 have changed my minor daughter's name from NAVYA to NAVYA SHARMA for all future purposes vide affidavit dated 12/01/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, E SINDHUJA wife of No.-14653432K, Rank-HAV, Name-G ESAKKI MUTHU residing at 216, NAIDU, VILL-PADIKA SUVAITHAN PATTY, PO-VAITHILIGA PURAM, TEHSIL-SRIVILLIPUTUR, DIST-VIRUDHU NAGAR, TAMIL NADU-616225, have changed my name from E SINDHUJA to SINDHUJA M for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Abhishek Raj S/o Sh. Ashok Rajput R/o Bus Stop, Janki Nagar, P.O. Bus Station, Distt: Gonda, Uttar Pradesh, presently at Delhi declare That my name and date of birth wrongly mentioned as "Name: Deepak" and "DOB: 01/11/2004" instead of "Name: Abhishek Raj" and "01/11/2006" in Aadhaar Card No.3164 2226 3097. That my correct and exact name in Abhishek Raj and my correct and exact date of birth is 01.11.2006.

NAME CHANGE
I, ROHIT KUMAR S/O BALBIR SINGH residing at H NO-1601/1 GALI NO-45, B-BLOCK, SANT NAGAR, BURARI, DELHI-110084 . have changed my name to ROHIT SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Mohd Usman Ansari S/o Abbas Karim R/o B-1910, 1st Floor, Near Lalita Block, Shastri Nagar, Ashok Vihar, Delhi-110052, have changed my name to Mohd Usman for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Salima w/o Mohd Usman R/o B-1910, 1st Floor, Near Lalita Block, Shastri Nagar, Ashok Vihar, Delhi-110052, have changed my name to Salima Khatun for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Km Misva Khanam w/o Firoz Khan R/o O-44, Chankaya Place Part-2, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi-110059 have changed my name to Misba Khanam for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Saddam Husain S/o Mohd Karim R/o H No.96 A-Block, Gali No-1, Sita Puri Part-2, Palam Village, Delhi-110045 have changed my name to Saddam Hussain for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Abdul Kareem S/o Mohd Rafiq R/o H No.96 A-Block, Gali No-1, Sita Puri Part-2, Palam Village, Delhi-110045 have changed my name to Mohd Karim for all future purposes

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD DANISH S/O ABDUL MAJID R/O HOUSE NO. R-245, GALI NO. 11, RAMESH PARK, LAXMI NAGAR, DELHI - 110092, HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD DANISH.

NAME CHANGE
It is for general information that I, DINESH SINGH S/o VIJAY SINGH R/o PLOT NO-76A, HOUSE NO-76A, GROUND FLOOR, KHASRA NO-50/3, GALI NO-41, GOPAL NAGAR, SARASWATI ENCLAVE, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043, declare that name of my mother has been wrongly written as VEERA DEVI, in my Secondary School Marksheet, Provisional Certificate & Migration-cum-Transfer Certificate and Senior School Marksheet, Provisional Certificate & Migration-cum-Transfer Certificate. The actual name of my mother is BIRA DEVI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SWATI MAHERCHANDANI D/o RAMESH CHANDER MAHERCHANDANI, FLAT NO. 804, TECHNOLOGY APARTMENT, PLOT NO.24, I.P EXTENSION, PATPARGANJ, DELHI 110092 declare that name of my father has been wrongly written as RAMESH CHANDER in my class 10th and 12th educational documents. The correct name of my father is RAMESH CHANDER MAHERCHANDANI, which may be amended accordingly.
It is Certified that I have complied with other legal requirements in this connection.
SWATI MAHERCHANDANI

NAME CHANGE
I, No-15783287X Rank-SEP Name-RAJPUT NARENDRASINH HANUMANSINH Father of PUNIT SINGH Presently residing at BLOCK-G-103, BALAJI ENCLAVE, OPP SHREE RAM VATICA, NAVA NARODA, AHMADABAD CITY, PO-NARODA 1 E, DIST-AHMADABAD, GUJARAT-382330, have changed my minor son's name from PUNIT SINGH to RAJPUT PUNIT SINGH NARENDRASINH for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Manjula Rani W/o Paramjit Singh R/o HOUSE NO-209 AVTAR ENCLAVE Paschim Vihar SO West Delhi Delhi-110063 have changed my name to Manjula for All future purposes.

NAME CHANGE
I, No-15783287X Rank-SEP Name-RAJPUT NARENDRASINH HANUMANSINH Father of CHIRAG SINGH Presently residing at BLOCK-G-103, BALAJI ENCLAVE, OPP SHREE RAM VATICA, NAVA NARODA, AHMADABAD CITY, PO-NARODA 1 E, DIST-AHMADABAD, GUJARAT-382330, have changed my minor son's name from CHIRAG SINGH to CHIRAG SINGH NARENDRASINH RAJPUT for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MANISHA wife of No.-15694313Y, Rank-HAV, Name-PRADEEP KUMAR SHUKLA residing at VILL-PURALI, PO-DHERAHNA, TEHSIL & DIST-PRATAPGARH, UTTAR PRADESH-230002, have changed my name from MANISHA to MANISHA SHUKLA for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAM CHANDAR SETH S/O Bhagauti Prasad Seth R/o Flat No.2601, Florentia Tower-2, Mahagun Mirabella, Sec-79, Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh -201305, Have changed my name to RAM CHANDRA VERMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, HAZI NAUSHAD ALI SON OF MOHAMMAD ALI R/O C-12/8, C-12 BLOCK, YAMUNA VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME NAUSHAD ALI FOR ALL FUTURE PURPOSEV

NAME CHANGE
I, Sanjay Kumar Ahuja S/O Chhagan Lal Ahuja R/O Flat No-18 DDA SFS, Pocket-1,Sector-9, Dwarka, PO- Raj Nagar-II, South West Delhi-110077, Have Changed My Name to Sanjay Ahuja for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Arun Kaveri V S/o K Velu R/o A-6 Type-V Hudco Place Andrews Ganj, Delhi, Andrewsganj S.O, South Delhi, Delhi-110049 have changed my name and shall hereafter be known as Arun Vel.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Sonal Bhogal D/o Surjeet Kumar Bhogal R/o 317-B, Street No-4, Govindpuri, Kalkaji, Kalkaji, South-East, NCT Of Delhi-110019 declare that name of my father has been wrongly written as S K Bhogal in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father is Surjeet Kumar Bhogal.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Sneha D/O: Ranjeet Sharma, R/O H.No -2693, Street No-1, Chhuriya Mohalla Tughalakabad Village, Jait Pur, PO: Jaitpur, DIST: South Delhi, Delhi-110044, declare that name of my mother and my father has been wrongly written as Sarita devi and Ranjit Sharma in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my mother and my father are Sangeeta Sharma and Ranjeet Sharma , respectively which may be amended accordingly.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

एसटीपी का 23 करोड़ से होगा विस्तार, सीवरेज समाधान में मिलेगी मदद

एजेंसी

झज्जर। बहादुरगढ़ को राहत भरी परियोजना मिली है। शहर के छोटूराम नगर स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का विस्तार किया जाएगा। इस कार्य पर लगभग 23 करोड़ रुपये लागत आएगी। कार्य का शुभारंभ विधायक राजेश जून ने नारियल फोड़कर किया। इस विस्तार कार्य के बाद शहर के बड़े आबादी वाले क्षेत्र में सीवरेज समस्या के समाधान में मदद मिलेगी। विकास कार्य का शुभारंभ करने के बाद विधायक ने कहा कि विधायक बनने के बाद उन्होंने विधानसभा सत्र में बहादुरगढ़ विधानसभा की 12 प्रमुख समस्याओं को रखा था, जिनमें लाइनपार व शहरी क्षेत्र की गंभीर सीवरेज समस्या प्रमुख थी। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए न केवल एसटीपी के विस्तार को मंजूरी दी, बल्कि सीवर सफाई के लिए अत्याधुनिक सुपर सकर मशीन भी तत्काल उपलब्ध करवाने की बात कही। जून ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर पहले एक सुपर सकर मशीन किराए पर उपलब्ध कराई गई, जिसकी सेवाएं आज भी जारी हैं, वहीं सरकार ने 10 करोड़ रुपये की लागत से स्थाई सुपर सकर मशीन भी खरीदने के निर्देश दे दिए थे। इससे जहां-जहां सीवर ओवरफ्लो की समस्या आती है, वहां त्वरित सफाई सुनिश्चित होगी।

पत्नी की हत्या के जुर्म में दोषी पति को उम्र कैद की सजा

जींद। एडीजे शिफा की अदालत ने पत्नी की हत्या के जुर्म में दोषी पति को उम्र कैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा अदालत ने दोषी को 50 हजार जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार गांव भूना कैथल निवासी रोशनलाल ने 29 दिसंबर 2022 को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसकी बेटी मोनी की शादी वर्ष 2018 में गांव सिवानामाल निवासी राकेश के साथ हुई थी। मोनी का गौना वर्ष 2021 में किया गया था। सुसरालीजन मोनी से मारपीट करते थे। जिसके चलते कुछ समय से मोनी मायके आई हुई थी। बाद में मोनी को उसका पति राकेश तथा सास कमलेश मायके से लेकर गए थे। उन्हें मोनी की मौत के बारे में सूचना मिली तो वो मौके पर पहुंचे थे। मृतका के गले पर कट के निशान थे और गले को भी दबाया गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने साक्ष्यों को जुटाया। मृतका के पिता रोशनलाल ने आरोप लगाया था कि मोनी के पति राकेश ने योजनाबद्ध तरीके से उसकी बेटी की हत्या की है। सदर थाना पुलिस ने मृतका के पिता की शिकायत पर पति राकेश के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया था। तभी से मामला अदालत में विचाराधीन था। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश शिफा की अदालत ने दोषी राकेश को आजीवन कठोर कारावास की सजा सुनाई तथा 50 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया।

शराब के नशे में महिला के घर में घुसा एएसआई, एसपी ने किया लाइन हाजिर

जींद। सदर थाना क्षेत्र के तहत एक महिला ने पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह को शराब के नशे में एएसआई के जबरन उसके घर में घुसने की शिकायत दी है। महिला ने टेंडरी मोड़ पुलिस चौकी में तैनात एएसआई यशवीर पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उसका हाथ पकड़ कर कमरे में खींचने का प्रयास किया गया। महिला की शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वहीं पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने आरोपित एएसआई को लाइन हाजिर करने के आदेश दिए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सदर थाना के तहत एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि वह शुक्रवार रात को अपने घर में अपने बेटे का जन्मदिन मना रही थी। तभी एएसआई यशवीर उनके घर आया और लात मारकर उनका दरवाजा खोला। महिला ने आरोप लगाया कि यशवीर ने उसका हाथ पकड़ कर उसे दूसरे कमरे में खींचने का प्रयास भी किया। जब उसने विरोध किया तो एएसआई ने उन्हें धमकी दी। उनके घर में उसकी मां, दूसरी बहन, बेटा थे, जो सभी डर से सहम गए। इसके बाद उन्होंने डायल 112 पर फोन किया। जिसके बाद यशवीर मौके से फरार हो गया। महिला ने आरोप लगाया कि घर में उसकी बेटी के साथ भी गाली गलौज की। यशवीर अंदर घर में घुस गया जबकि उसके तीन अन्य साथी बाहर गाड़ी में बैठे रहे। महिला ने पुलिस अधीक्षक से कार्रवाई की मांग की है। एसपी कुलदीप सिंह ने कहा कि प्राथमिक कार्रवाई के रूप में एएसआई को लाइन हाजिर कर पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

आयुर्वेद में आधुनिक पद्धति का विशेष महत्व : के.अय्यन्नार

चंडीगढ़। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (इंडियन कौंसिल फॉर कल्चरल रिलेशन-आईसीसीआर) के क्षेत्रीय निदेशक के.अय्यन्नार ने कहा है कि आयुर्वेद भारत की पुरातन सभ्यता का प्रतीक है। प्राचीन काल में ऋषि मुनी जिस पद्धति से उपचार करते थे अब उसे आधुनिक रूप में बढ़ावा देकर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में चिकित्सक तैयार किए जा रहे हैं। यह भारतीय ही नहीं विदेशी छात्र भी प्रशिक्षण हासिल कर रहे हैं। आईसीसीआर क्षेत्रीय निदेशक के.अय्यन्नार ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान का दौरा करने के उपरांत यहां के छात्रों से रूबरू हो रहे थे। यहां पहुंचने पर उप चिकित्सा अधीक्षक (डीएमएस) डॉ. गौरव गर्ग ने उनका स्वागत किया। उन्होंने आयुर्वेद उपचार, शैक्षणिक, शोध एवं चिकित्सा गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि रोजाना औसतन 500 से ज्यादा मरीज ओपीडी के जरिये आयुर्वेद चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं।

प्रदेश के लाखों किसानों व महिलाओं के खाते में 858 करोड़ डाले

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने प्रदेश के लाखों किसानों तथा महिलाओं को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ देते हुए उनके खातों में 858 करोड़ रुपये जारी किए। मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ से बटन दबाकर राशि लाभार्थियों के खाते में डाली। सरकार ने आज पांच कृषि-संबंधी योजनाओं के तहत अनुदान और प्रोत्साहन के रूप में कुल 659 करोड़ रुपये जारी किए।पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार द्वारा पराली प्रबंधन के लिए लागू की गई फसल अवशेष प्रबंधन योजना के तहत पांच लाख 54 हजार 405 किसानों के खाते में 461 करोड़ 75 लाख की राशि जारी की गई। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नए बायोमास प्लांट लगाए जाने का ऐलान करते हुए कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन मशीनरी के लिए नौ हजार 885 फसल अवशेष प्रबंधन मशीनों के

लिए 85.10 करोड़ जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से सरकार द्वारा किसानों को धान की सीधी बिजाई के लिए प्रेरित किया गया है। जिसके चलते आज 31 हजार 605 किसानों को धान की सीधी बिजाई करने पर 75 करोड़ 54 लाख रुपये सब्सिडी दी गई है। इसके अलावा मेरा पानी मेरी विरासत के माध्यम से किसानों को वैकल्पिक फसलें अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। आज पानी की ज्यादा खप्त वाली फसलों को छोड़ने वाले 13 हजार 500 किसानों के खाते में 15 करोड़ 73 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि डाली गई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा आलू-गोभी जैसी सब्जियों की बंपर पैदावार पर किसानों को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए भावांतर भरपाई योजना चलाई गई है। ऐसे चार हजार 73 किसानों के खाते में आज 20 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि चुनाव के दौरान महिलाओं के लिए हर घर-हर गृहणी योजना के तहत एक लाख 80 हजार सालाना आय वाले परिवार को सब्सिडी वाला सिलेंडर देने का ऐलान किया गया था। घोषणा के अनुसार सिलेंडर के पांच सौ रुपये संबंधित महिला को देने हैं और अन्य राशि सरकार द्वारा वहन की जानी है। ऐसी छह लाख 8 हजार 842 महिलाओं के खाते में 18 करोड़ 56 लाख रुपये की सब्सिडी जारी की गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह धनराशि अक्टूबर 2025 की है। नवंबर तथा दिसंबर माह की राशि बहुत जल्दी जारी की जाएगी।

नायब सैनी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर साधा निशाना

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में एक के बाद एक कई जनसभाओं को संबोधित करके लौटे हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने आम आदमी पार्टी (आआपा) की सरकार पर जमकर निशाना साधा। चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में सैनी ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान बाढ़ प्रभावित किसानों को बीस हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने की बात करते हैं जबकि उनकी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल गुजरात में 50 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने की बात करते हैं। अब केजरीवाल तथा भगवंत मान पंजाब की जनता को बताएं कि किसानों के हिस्से का 30 हजार कहां गया। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी की नीतियों में कोई अंतर नहीं है। आआपा को लाभ पहुंचाने के लिए कांग्रेस मुकतसर के माघी मेले में कॉन्फ्रेंस करने से ही भाग गई। पंजाब के मुख्यमंत्री के एक वायरल वीडियो का हवाला देते हुए नायब सैनी ने कहा कि मुर्गी के मरने पर मुआवजा देने का ऐलान करने वाले भगवंत मान बताएं कि पंजाब में बाढ़ से पशुओं की मौत पर कितने किसानों को मुआवजा दिया गया है। पंजाब सरकार पर किसानों को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए सैनी ने कहा कि पराली जलाना किसानों की मजबूरी है लेकिन उनको वैकल्पिक व्यवस्था प्रदान करना सरकार की जिम्मेदारी है। पंजाब की सरकार जिम्मेदारी से भाग रही है। पंजाब में किसानों की सुध नहीं ली जा रही है।

हरियाणा बजट 2026-27 के लिए 31 जनवरी तक सुझाव दे सकते हैं नागरिक

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 के बजट निर्माण की प्रक्रिया में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। सरकार का मत है कि बजट जनहित, विकास प्राथमिकताओं और नागरिकों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुसार ही तैयार हो। इसी उद्देश्य से राज्य के प्रत्येक नागरिक को अपने सुझाव सांझा करने के लिए आमंत्रित किया गया है। नागरिकों की सुविधा के लिए सुझाव देने के कई माध्यम उपलब्ध कराए गए हैं। नागरिक-7303350030 नंबर पर मिस्ड कॉल देकर 31 जनवरी तक अपनी राय दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा एआई-सहायक के माध्यम से लिंक पर संवाद करने की सुविधा भी उपलब्ध है। विस्तृत सुझाव देने के लिए नागरिक लिंक पर जाकर ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरियाणा बजट 2026-27 को जनभागीदारी के साथ तैयार करने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों से निरंतर बैठकें कर रहे हैं। इन बैठकों में उद्योग, शिक्षा, व्यापार, कृषि, महिला उद्यमिता सहित अनेक वर्गों से प्राप्त महत्वपूर्ण सुझावों को गंभीरता से सुना जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने छह जनवरी को गुरुग्राम विश्वविद्यालय से इस जनभागीदारी कार्यक्रम का शुभारंभ किया था। मुख्यमंत्री हिसार में भी संवाद कार्यक्रम आयोजित कर चुके हैं। मुख्यमंत्री द्वारा शुभारंभ किए गए एआई आधारित हरियाणा बजट जनभागीदारी पोर्टल के माध्यम से आम नागरिक, विशेषज्ञ और हितधारक राज्य के बजट निर्माण में सीधे भागीदारी कर रहे हैं।

हरियाणा पुलिस ने सोशल मीडिया से हटाए 583 आपत्तिजनक लिंक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस ने सोशल मीडिया पर अवैध और आपत्तिजनक टिप्पणियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए डिजिटल अभियान शुरू किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक, राष्ट्र-विरोधी, धर्म-विरोधी तथा समाज में तनाव और भ्रम फैलाने वाली पोस्ट डालने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने चंडीगढ़ में जारी जानकारी में बताया कि इस मुहिम के तहत अब तक कुल 1,018 लिंक और प्रोफाइल रिपोर्ट किए जा चुके हैं, जिनमें से 583 आपत्तिजनक सामग्री को सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा हटाया या ब्लॉक किया जा चुका है। शेष 435 की जांच चल रही है, जिन्हें जल्द ही टेक-डाउन

किया जाएगा। उन्होंने बताया कि साइबर टीम रोजाना उन पोस्टों, वीडियो, लिंक और प्रोफाइलों की पहचान कर रही है जिनमें गलत जानकारी, उकसाने वाली भाषा या सार्वजनिक शांति भंग करने वाला कंटेंट शामिल है। अजय सिंघल ने कहा कि ट्रेडिंग और निवेश के नाम पर चल रहे संदिग्ध ऐप्स और चैनलों की बढ़ती गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए साइबर हरियाणा ने 12 जनवरी से एक विशेष अभियान शुरु किया है। इस अभियान के तहत अब तक 28 ऐसे ऐप्स और चैनलों की पहचान की जा चुकी है जिनके संचालन पर संदेह था। इनमें से 14 को डिजिटल प्लेटफॉर्म से हटाया जा चुका है, जबकि शेष 14 पर टेक-डाउन की प्रक्रिया तेजी से जारी है। डीजीपी अजय सिंघल ने कहा कि सोशल मीडिया पर गलत या भड़काऊ जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ पुलिस बेहद सख्त है और किसी भी परिस्थिति में ऐसी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर कोई भी भ्रामक या उकसाने वाली सामग्री समाज के सौहार्द और शांति के लिए सीधे खतरा पैदा कर सकती है। एडीजीपी साइबर क्राइम सिबाश कबिराज ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज को सुरक्षित, जागरूक और भरोसेमंद डिजिटल वातावरण प्रदान करना है, ताकि सोशल मीडिया का उपयोग सही दिशा में हो सके। उन्होंने कहा की हमारा मानना है कि सोशल मीडिया एक शक्तिशाली मंच है, जिसे जिम्मेदारी से इस्तेमाल किया जाए तो यह समाज को जोड़ने, जानकारी फैलाने और सकारात्मक बदलाव लाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है।

160 करोड़ से मजबूत होगा अस्पतालों का बुनियादी ढांचा

स्पेशल हाई पॉवर्ड परचेज कमेटी ने उपकरण व दवा खरीद को दी मंजूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए लगभग 160 करोड़ रुपये के कई उपकरणों एवं दवाओं की खरीद को मंजूरी दी गई है। यह फैसला स्वास्थ्य मंत्री ने आरती सिंह राव की अध्यक्षता में हुई स्पेशल हाई-पावर्ड परचेज कमेटी की बैठक में लिया।

बैठक के बाद जारी जानकारी के अनुसार, बैठक में आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की खरीद के अलावा 30 करोड़ की महत्वपूर्ण और आवश्यक दवाओं के रेट कॉन्ट्रैक्ट को भी अंतिम रूप दिया गया है। जिन दवाओं को फाइनल किया गया है, उनमें कुत्ते के काटने के मामलों के प्रभावी मैनेजमेंट के लिए एंटी-रेबीज इम्यूनोग्लोबुलिन शामिल है। इन्फेक्शन का इलाज करने और एक्यूट और क्रानिक स्थितियों को मैनेज करने के लिए दर्द निवारक दवाओं और एंटीबायोटिक्स की एक

बड़ी रेंज और रूटीन डायग्नोस्टिक और थेराप्यूटिक प्रक्रियाओं के लिए ज़रूरी अलग-अलग मेडिकल कंज्यूमेबल्स शामिल हैं।

कमेटी ने 6 ऑटोमेटेड हाई थ्रूपुट मशीन (पैथोडिटेक्ट मशीन) के लिए 4 करोड़ रुपये, टीबी मरीजों की टेस्टिंग के लिए 40 ट्रूनेट मशीनों के लिए छह करोड़, सिविल अस्पतालों के लेबोरेटरी विभागों के लिए 36 ऑटोमैटिक हेमेटोलॉजी एनालाइजर (फाइव पार्ट) के लिए 9.79 करोड़ रुपये, सिविल अस्पतालों के आईसी के लिए 1156 सिरिंज इन्फ्यूजन पंप के लिए 5.22 करोड़ रुपये, एनसीआर क्षेत्र में मौजूदा ट्रॉमा सेवाओं के अपग्रेडेशन के लिए आवश्यक 26 ऑर्थोपेडिक बैटरी ऑपरेटेड कॉर्डलेस ड्रिल सिस्टम के लिए 4.64 करोड़ रुपये, जिला सिविल अस्पतालों के लिए 24 फ्लैट पैनल सी-आर्म (लोअर एंड) के लिए 5.80 करोड़ रुपये, जिला सिविल अस्पतालों की हिस्टोपैथोलॉजी लैब के लिए आवश्यक 11 ग्रॉसिंग स्टेशनों के लिए 2.34 करोड़ रुपये, हृष्टक्र क्षेत्र में मौजूदा ट्रॉमा सेवाओं के अपग्रेडेशन के लिए आवश्यक 22 डिजिटल रेडियोग्राफी सिस्टम के लिए 24.95 करोड़ रुपये,अन्य सिविल जिला अस्पतालों में मौजूदा ट्रॉमा सेवाओं के अपग्रेडेशन के लिए आवश्यक 134 रेट्रोफिट डिजिटल रेडियोग्राफी सिस्टम के लिए 14.76 करोड़ रुपये, सभी जिला सिविल अस्पतालों के नेत्र विज्ञान विभागों के लिए आवश्यक 28 ऑटो रिफ्रेक्टोमीटर विद केराटोमीटर के लिए 2 करोड़ रुपये, सभी जिला सिविल अस्पतालों के लिए 100 इलेक्ट्रो हाइड्रोलिक ऑपरेशन थिएटर टेबल के लिए 15.34 करोड़ रुपये समेत कई तरह की खरीद को मंजूरी प्रदान की गई है।

कांग्रेस ने 20 जिला कमेटियों में किया पदाधिकारियों का ऐलान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में कांग्रेस ने संगठन सृजन अभियान के तहत प्रदेश की 33 में से 20 जिला कमेटियों में पदाधिकारियों का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस ने संगठन का विस्तार राहुल गांधी के हरियाणा दौरे से ठीक पहले किया है। कांग्रेस द्वारा संगठन सृजन के तहत इन दिनों कुरुक्षेत्र में शिविर चल रहा है। जिसमें हरियाणा व उत्तराखंड के सभी जिला अध्यक्षों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कुरुक्षेत्र में चल रहे संगठन सृजन अभियान के दौरान प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने यह जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि कांग्रेस हाईकमान के निर्देशों के अनुरूप पहले जिला अध्यक्षों की नियुक्तियां पूरी की जा चुकी हैं। कुरुक्षेत्र में 13 जनवरी से 22 जनवरी तक के लिए हरियाणा एवं उत्तराखंड के जिला अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें भाग लेने के लिए राहुल गांधी अगले सप्ताह हरियाणा आ रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि राज्य के कुल 33 जिला कांग्रेस कमेटियों में से 20 जिला कांग्रेस कमेटियों की कार्यकारिणी के विस्तार हेतु नई नियुक्तियां कर दी गई हैं। शेष तेरह जिला कांग्रेस कमेटियों की नियुक्तियां भी अत्यंत शीघ्र पूरी कर उनकी घोषणा कर दी जाएगी। राव नरेंद्र सिंह ने इस अवसर पर कहा कि संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत पूरे जोश और समर्पण के साथ संगठन विस्तार का कार्य चल रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य लोकतंत्र को सशक्त करना, संविधान की रक्षा करना और उसे मजबूती से लागू करने की लड़ाई को प्रभावी ढंग से लड़ना है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि यह कदम संगठन सृजन अभियान का हिस्सा है, जो पार्टी को जमीनी स्तर पर पुनर्जीवित करने और कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा प्रदान करने की दिशा में उठाया गया है। हरियाणा कांग्रेस अब मजबूत संगठन के साथ आगामी चुनौतियों और स्थानीय चुनावों (जैसे नगर निगम चुनाव) के लिए पूरी तरह तैयार है।

फूड प्रोसैसिंग, स्किल डेवलपमेंट व लॉजिस्टिक्स में हरियाणा का सहयोग करेगा ब्रिटिश कोलंबिया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा व कनाडा का ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत अब साझा विकास के साझेदार बनेंगे। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के प्रीमियर डेविड एबी के नेतृत्व में आए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात करके विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग करने को लेकर चर्चा की।

इस मौके पर दोनों प्रांतों के बीच आर्थिक, औद्योगिक और तकनीकी सहयोग को नई दिशा देने के लिए क्लीन एनर्जी, टेक्नोलॉजी, लॉजिस्टिक्स, एग्री-फूड प्रोसेसिंग, स्किल डेवलपमेंट और शिक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी को मजबूत करने पर सहमति बनी। ब्रिटिश कोलंबिया के प्रतिनिधिमंडल में भारत में कनाडा के हाई कमिश्नर क्रिस कूटर,जॉब्स और इकोनॉमिक ग्रोथ मिनिस्टर रवि कहलों, इंटरगवर्नमेंटल रिलेशंस सेक्रेटेरिएट की डिप्टी मिनिस्टर लेस्ली टेरामोटो, जॉब्स और इकोनॉमिक ग्रोथ के डिप्टी मिनिस्टर फाजिल मिहलर, जॉब्स और इकोनॉमिक ग्रोथ के असिस्टेंट डिप्टी मिनिस्टर बिलियम होयल, ट्रेड एंड इन्वेस्ट बीसी की एक्टिंग एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुश्री जीनेट

लैम समेत कई प्रतिनिधि शामिल थे।

मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य-प्रांत स्तर का सहयोग भारत व कनाडा संबंधों को सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम है। ब्रिटिश कोलंबिया क्लीन टेक्नोलॉजी, पर्यावरण-अनुकूल नीतियों और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी है, वहीं हरियाणा भी भारत के प्रमुख औद्योगिक राज्यों में शामिल है। दोनों की क्षमताएँ परस्पर पूरक हैं और इससे निवेश, व्यापार तथा रोजगार के नए अवसर सृजित हो सकते हैं। ब्रिटिश कोलंबिया का क्लीन टेक्नोलॉजी में अनुभव, पर्यावरण से जुड़ी नीतियां, इनोवेशन सेंटर्स तथा पोर्ट ऑफ वैंकूवर जैसे पैसिफिक ट्रेड गेटवे हरियाणा के लिए विशेष महत्व रखते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा - कनाडा ट्रेड, जो वर्तमान में लगभग यूएसडी 280 मिलियन है, वो निरंतर बढ़ रहा है, विशेषकर इंजीनियरिंग गुड्स, ऑटो कंपोनेंट्स, आईटी सर्विसेज और प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स के क्षेत्र में। मुख्यमंत्री ने क्लीन एनर्जी और क्लाइमेट एक्शन को लेकर हरियाणा की प्रतिबद्धता दोहराते हुए रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, एनर्जी स्टोरेज और ऊर्जा-कुशल औद्योगिक प्रक्रियाओं में सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कई प्रमुख कनाडाई कंपनियों ने भारत और विशेष रूप से हरियाणा में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

हरियाणा में लाडो लक्ष्मी योजना की तीसरी किस्त जारी, मुख्यमंत्री बोले- अब तक 441 करोड़ रुपये दिए

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा में शुरू की गई लाडो लक्ष्मी योजना के अंतर्गत राज्य की आठ लाख 63 हजार 918 महिलाओं के खाते में सीधे 181 करोड़ रुपये डाले। यह धनराशि तीसरी किश्त के रूप में दी गई है।

मुख्यमंत्री सैनी ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि आज जारी की गई धनराशि को मिलाकर अब तक महिलाओं के खाते में 441 करोड़ रुपये की धनराशि जारी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ने पिछले साल 25 सितंबर को दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की शुरूआत की थी। 31 दिसंबर तक इस योजना के तहत नौ लाख 98 हजार 650 महिलाओं ने आवेदन किया। इसकी जांच के बाद आठ लाख 63 हजार 918 महिलाएं पात्र पाई गईं। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले दिनों इस योजना में कई तरह के बदलाव करके कई नई श्रेणियों को जोड़ा गया है। इसके बाद करीब एक लाख महिला लाभार्थी बढ़ी हैं। उन्होंने बताया कि फरवरी 2026 से लाभार्थी महिलाओं के खाते में 1100

रुपये की राशि जाएगी। एक हजार रुपये की धनराशि सरकार की ओर से आरडी (आवर्ती जमा) या एफडी (सावधि जमा) में जमा करवाई जाएगी। इस एकत्र राशि को ब्याज समेत महिला को दिया जाएगा।

विकसित भारत जी राम जी कानून से श्रमिकों का संरक्षण मजबूतः डॉ अरविंद शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत और पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लाया गया विकसित भारत जी राम जी कानून देश के मेहनतकश श्रमिकों को आर्थिक और सामाजिक संरक्षण देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इस कानून से हरियाणा के श्रमिकों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा और उन्हें सालाना लगभग 10 हजार रुपये का अतिरिक्त फायदा होगा। गोहाना में जिला स्तरीय कार्यशाला में उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर देश शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सहकारिता, ग्रामीण विकास और उद्योग सहित सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। गरीबों को रोजगार, सम्मान और सुरक्षा मिलेगी।

कांग्रेस विकसित भारत जी राम जी कानून को लेकर भ्रम फैला रही है और पुराने कार्यक्रम की खामियों को छिपाने का प्रयास कर रही है। पुराने ढांचे में जहां श्रमिकों को 100 दिन का काम मिलता था, वहीं नए कानून में 125 दिन का गारंटी रोजगार दिया जाएगा। तय समय पर काम न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता और मजदूरी में देरी होने पर अतिरिक्त राशि देने का प्रावधान भी किया गया है। डॉ

अरविंद शर्मा ने बताया कि ग्राम सभा और ग्राम पंचायत के माध्यम से जल संरक्षण, ढांचागत विकास, आजीविका से जुड़े कार्य, स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी केंद्र, सड़क, तालाब, कोल्ड स्टोर और हाट बाजार जैसे कार्य कराए जाएंगे। खेती के मौसम में श्रमिकों की आवश्यकता को देखते हुए सरकार को अस्थायी रूप से कार्य स्थगित करने का अधिकार भी दिया गया है, ताकि खेतों में मजदूरों की कमी न हो। बायोमेट्रिक हाजिरी से फर्जी भुगतान और डुप्लीकेट जॉब कार्ड जैसी समस्याओं पर रोक लगेगी। इस अवसर पर सतीश नांदल, गोहाना भाजपा जिला प्रभारी डॉ किरण कलकल, भाजपा जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक, भाजपा नेता प्रदीप सांगवान, महेंद्र चिड़ाना, जितेंद्र शर्मा, डॉ राममेहर राठी, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, सक्रिय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डीएचबीवीएन ने गलत बिजली बिलों पर लगाम लगाने को लागू की एसओपी

एजेंसी

गुरुग्राम। बिजली उपभोक्ताओं को लंबे समय से चली आ रही अस्थायी एवं गलत बिजली बिलों की समस्या से राहत देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि विभागीय जांच में यह सामने आता है कि देरी मीटर रीडिंग एजेंसी के कारण हुई है तो अनुबंध के अनुसार उस पर दंड लगाया जाएगा। भविष्य के अनुबंधों में उपभोक्ता मुआवजे का स्पष्ट प्रावधान किया जाएगा।

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) की ओर से तीन से अधिक बिलिंग चक्रों तक लंबित रहने वाले अस्थायी बिजली बिलों के निपटारे के लिए एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की गई है। इसका उद्देश्य बिलिंग प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। यदि किसी कर्मचारी की लापरवाही पाई जाती है तो हरियाणा राइट टू सर्विस अधिनियम के तहत संबंधित अधिकारी पर जुर्माना, उपभोक्ता को मुआवजा तथा आवश्यकता पड़ने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा सकेगी। प्रबंध निदेशक ने स्पष्ट किया है कि हरियाणा विद्युत आपूर्ति संहिता विनियम, 2014 के तहत किसी भी उपभोक्ता का अस्थायी बिल अधिकतम दो बिलिंग चक्रों तक ही जारी किया जा सकता है। कई मामलों में इस नियम का पालन नहीं हो पा रहा था। इसी लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए हरियाणा राइट टू सर्विस (आरटीएस) आयोग ने भी संज्ञान लिया था। आयोग की टिप्पणियों और निर्देशों के अनुपालन में अब डीएचबीवीएन ने यह नई एसओपी लागू की है। नई व्यवस्था के तहत निगम ने फील्ड कार्यालयों और संबंधित विंग को प्रक्रियाएं दुरुस्त करने के लिए चार माह का तैयारी काल दिया है।

भारतीय बाजार में पहली कार उतारने जा रही जेएसडब्ल्यू

नई दिल्ली ।

जेएसडब्ल्यू कंपनी चीन की चेरी ऑटोमोबाइल के साथ मिलकर अपनी पहली कार भारतीय बाजार में उतारने जा रही है। जेटूर चेरी ऑटोमोबाइल का प्रीमियम ब्रांड है, जिसे 2018 में लॉन्च किया गया था और यह मुख्य रूप से एसयूवी और क्रॉसओवर सेगमेंट पर फोकस करता है। यह कार जेटूर टी2 आई-डीएम प्लग-इन हाइब्रिड एसयूवी होगी, जिसे एक नए जेएसडब्ल्यू ब्रांड नाम के तहत बेचा जाएगा। जेटूर टी2 का डिजाइन काफी हद तक लैंड रोवर डिफेंडर से प्रेरित माना जा रहा है। भारत में जेएसडब्ल्यू पेट्रोल वर्जन के बजाय इसका जेएसडब्ल्यू यानी प्लग-इन हाइब्रिड वर्जन पेश करेगा, जिससे इसे प्रीमियम और टेक्नोलॉजी-फोकस्ड पोजिशनिंग मिलेगी।

डाइमेंशन की बात करें तो जेटूर टी2 आई-डीएम की लंबाई 4,785 एमएम, चौड़ाई 2,006 एमएम और ऊंचाई 1,875 एमएम है, जबकि इसका व्हीलबेस 2,800 एमएम है। यह 5-सीटर एसयूवी मोनोकॉक फ्रेम पर आधारित है और बॉक्सी, दमदार रोड प्रेजेंस देती है। सबसे अहम बात यह है कि जेटूर टी2 आई-डीएम की अनुमानित कीमत करीब 45 लाख रुपये हो सकती है, जिससे यह भारत की सबसे अफॉर्डेबल पीएचईवी बन सकती है। फिलहाल भारतीय बाजार में पीएचईवी विकल्प ज्यादातर लग्जरी सेगमेंट तक ही सीमित हैं।

फास्ट चार्जिंग के जरिए 30 मिनट में 30 से 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। जेटूर टी2 आई-डीएम को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में जेएसडब्ल्यू की नई ग्रीनफील्ड फैसिलिटी में लोकली असेंबल किया जाएगा और इसके 2026 के फेस्टिव सीजन तक लॉन्च होने की उम्मीद है। इस एसयूवी में 1.5-लीटर प्लग-इन हाइब्रिड पावरट्रेन दिया गया है, जो 156 पीएस की पावर और 220 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

इसमें 26.7 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी गई है, जो 130 किमी (एनईडीसी) की प्योर इलेक्ट्रिक रेंज देती है।

1000 रुपए के पार जा सकता है जस्ट डायल का शेयर

- रिलायंस रिटेल के पास 63.84 फीसदी हिस्सेदारी, टारगेट प्राइस 1,060 रुपये तक

मुंबई । शेयर बाजार में मुकेश अंबानी की कंपनियों से जुड़ा कोई भी स्टॉक निवेशकों के बीच खास आकर्षण रखता है। ऐसी ही एक कंपनी है जस्ट डायल लिमिटेड, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) की बड़ी हिस्सेदारी है। शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार रिलायंस रिटेल के पास जस्ट डायल के 5,42,89,574 शेयर यानी 63.84 फीसदी हिस्सेदारी है। इस तरह कंपनी का नियंत्रण पूरी तरह मुकेश अंबानी समूह के पास है। वर्तमान में जस्ट डायल का शेयर 718.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा है। बीते शुक्रवार को इंट्रा-डे में शेयर 749 रुपये तक पहुंच गया था। स्टॉक का 52 हफ्तों का उच्चतम स्तर 1,049.85 रुपये है। ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल ने स्टॉक पर अपनी बाय रेटिंग बरकरार रखी है और इसका नया टारगेट प्राइस 1,060 रुपये तय किया है, जो पहले के 1,050 रुपये से थोड़ा अधिक है।` वित्त वर्ष 26-28 के लिए ब्रोकरेज ने रेवेन्यू अनुमानों में मामूली बदलाव किया है, जबे कि ऐ बिडा मार्जिन के अनुमान में 37-71 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी की है। वहीं सिटी ब्रोकरेज ने भी स्टॉक पर बाय रेटिंग बनाए रखी है, लेकिन लगातार ट्रैफिक में गिरावट के चलते वैल्यूएशन मल्टीपल को 12 गुना से घटाकर 10 गुना कर दिया है। सिटी का टारगेट प्राइस 1,000 रुपये है। दिसंबर तिमाही में जस्ट डायल का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 10.2 फीसदी घटकर 117.9 करोड़ रुपये रहा।

एफपीआई ने जनवरी में शेयर बाजार से निकाले 22,530 करोड़

नई दिल्ली । अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि और डॉलर की मजबूती के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जनवरी 2026 के पहले 16 दिनों में भारतीय शेयरों से 22,530 करोड़ रुपए से अधिक निकाले। यह बिकवाली 2025 में दर्ज की गई 1.66 लाख करोड़ रुपए की कुल निकासी के बाद एक और बड़ी प्रवृत्ति है। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिकी बॉन्ड का बढ़ा हुआ रिटर्न और मजबूत डॉलर निवेशकों को विकसित बाजारों की ओर आकर्षित कर रहा है। इसके अलावा वैश्विक व्यापार तनाव, अमेरिकी शुल्क में बढ़ोतरी की आशंका, मुद्रा की अस्थिरता और भारतीय शेयरों के ऊँचे मूल्यांकन ने बिकवाली को और तेज किया। एफपीआई की लगातार बिकवाली के दबाव ने 2025 में रुपये को डॉलर के मुकाबले लगभग 5 फीसदी कमजोर कर दिया। सेंट्रिसिटी वेल्थटेक के एक अे धिकारी ने कहा कि भू-राजनीतिक और व्यापार संबंधी अनिश्चितताएं उभरते बाजारों में निवेशकों के जोखिम लेने की क्षमता को प्रभावित कर रही हैं।

भारत का वाहन निर्यात 2025 में 24 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2025 में भारत से वाहन निर्यात 24 फीसदी बढ़कर 63.25 लाख इकाई हो गया, जो 2024 में 50.98 लाख इकाई था। यात्री वाहनों का निर्यात 16 फीसदी बढ़कर 8.63 लाख इकाई हुआ। इसमें यात्री कारों का निर्यात 3 फीसदी और उपयोगिता वाहनों का निर्यात 32 फीसदी बढ़ा। दोपहिया वाहनों का निर्यात भी 24 फीसदी बढ़कर 49.39 लाख इकाई हो गया। मोटरसाइकिल का निर्यात 27 फीसदी और स्कूटर का 8 फीसदी बढ़ा। तिपहिया वाहनों का निर्यात 43 फीसदी और वाणिज्यिक वाहनों का 27 फीसदी बढ़ा। मारुति सुजुकी 3.95 लाख इकाई के निर्यात के साथ अग्रणी रही। पश्चिम एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में मांग स्थिर रही।

एडलवाइस लाइफ का अगले 2-3 वर्षों में दहाई अंकों में वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली । एडलवाइस लाइफ इंश्योरेंस के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि कंपनी अगले 2-3 वर्षों में 12-16 फीसदी की दहाई अंकों में वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रही है और वित्त वर्ष 2026-27 तक घाटे से उबर जाएगी। उन्होंने बताया कि कंपनी लगभग 14 साल पुरानी है और 2017-18 के बाद ही असली वृद्धि देखी गई। उन्होंन कहा कि शुरुआत में कंपनी मुख्यतः एक-चैनल पर निर्भर थी, जबकि अब मालिकाना और साझेदारी चैनल लगभग 50-50 प्रतिशत योगदान देते हैं। यह संतुलन उत्पाद मिश्रण और दीर्घकालिक व्यवसाय रणनीति में भी दिखता है। कंपनी` वित्त वर्ष 2025-26 में 650 करोड़ रुपये का नया व्यवसाय और कुल 2,400 करोड़ रुपये प्रीमियम आय का लक्ष्य रख रही है। उन्होंने यह भी बताया` कि वर्तमान चुकता पूंजी लगभग 2,800 करोड़ रुपये है और अगले 2-3 वर्षों में विस्तार के दौरान यह पूंजी समर्थन जारी रहेगा।

इंजीनियर्स इंडिया अफ्रीका की डांगोटे रिफाइनरी का विस्तार करेगी

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) ने नाइजीरिया में डांगोटे रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल परिसर के विस्तार के लिए 35 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का अनुबंध हासिल किया है। कंपनी इस परियोजना में परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) और ईपीसीएम सलाहकार के रूप में कार्य करेगी। कंपनी पहले भी डांगोटे ग्रुप के लिए रिफाइनरी निर्माण के समय ईपीसीएम सलाहकार थी। अब कंपनी को रिफाइनरी के विस्तार कार्य के लिए पुनः नियुक्त किया गया है। डांगोटे रिफाइनरी की वर्तमान क्षमता 6.5 लाख बैरल प्रतिदिन है, जिसे विस्तार के बाद 14 लाख बैरल प्रतिदिन किया जाएगा। यह अनुबंध ईआईएल की विश्व स्तरीय ऊर्जा परियोजनाओं में भूमिका को और मजबूत करता है।

लग्ज़री कारों पर आयात शुल्क को तर्कसंगत बनाया जाए- मर्सिडीज

पुणे । मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रमुख अे धिकारी ने कहा है कि आयातित लग्ज़री कारों पर मौजूदा उच्च सीमा शुल्क को तर्कसंगत बनाने से प्रीमियम खंड में मांग बढ़ सकती है जिससे सरकार का कुल कर राजस्व भी बढ़ेगा। वर्तमान में 40,000 डॉलर से कम कीमत वाली आयातित कारों पर 70 फीसदी और 40,000 डॉलर से अधिक कीमत वाली कारों पर 110 फीसदी प्रभावी सीमा शुल्क लागू है। उनका सुझाव है कि इसे एक ही स्लैब में लाया जाए, जिससे कीमतें स्थिर रहें और बिक्री प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि स्थिर व्यापक आर्थिक नीति और रुपये में गिरावट को रोकने वाला बेहतर राजकोषीय प्रबंधन भी कंपनियों के लिए सहायक होगा। उन्होंने जीएसटी सुधारों का उदाहरण देते हुए कहा कि सीमा शुल्क में भी इसी तरह सुधार होना चाहिए।

एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 31 करोड़ व इंफो सिस का 39 करोड़ बढ़ा

- आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण में भी बढ़ोतरी, अन्य सात कंपनियों को नुकसान

मुंबई ।

बीएसई की शीर्ष 10 कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और इंफोसिस के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह जबरदस्त तेजी देखी गई। सार्वजनिक क्षेत्र के एसबीआई का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) एक सप्ताह में 39,046 करोड़ रुपये बढ़ा। वहीं आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंफोसिस का एमकैप 31,015 करोड़ रुपये बढ़ गया। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण भी 5,795 करोड़ रुपये बढ़ा, जिससे इन बैंकों और आईटी कंपनियों की मजबूती का संकेत मिला। शीर्ष 10 कंपनियों में शामिल अन्य सात कंपनियों को बाजार पूंजीकरण के मामले में नुकसान उठाना पड़ा। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 23,952 करोड़ रुपये और निर्माण एवं अभियांत्रिकी क्षेत्र की एलएंडटी का 23,502 करोड़ रुपये घट गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 11,615 करोड़ रुपये गिर गया। इसी तरह, भारती एयरटेल का 6,443 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस का 6,254 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण एमकैप 3,313 करोड़ रुपये कम हुआ, जबकि टीसीएस का 470 करोड़ रुपये घटा।

बाजार पूंजीकरण के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे आगे है, जिसका कुल बाजार पूंजीकरण 19,72,493 करोड़ रुपये है। एचडीएफसी बैंक 14,32,535 करोड़ रुपये के साथ दूसरे और टीसीएस 11,60,212 करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर है।

वैश्विक संकेत और कंपनियों के तिमाही नतीजे तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

अमेरिकी आर्थिक आंकड़े, बेरोजगारी के दावे और पीएमआई पर आधारित आंकड़े भी बाजार को प्रभावित करेंगे

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार इस सप्ताह विभिन्न कारकों से प्रभावित होगा, जिनमें प्रमुख तिमाही नतीजे, वैश्विक आर्थिक आंकड़े, और भू-राजनीतिक घटनाक्रम शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन सभी फैक्टर्स के आधार पर निवेशकों का रुख तय होगा। इस सप्ताह बड़ी कंपनियों के तिमाही परिणाम बाजार की दिशा तय करेंगे। शुरुआती दौर में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे प्रमुख दिग्गजों के नतीजे निवेशकों का ध्यान आकर्षित करेंगे। इसके बाद बीएचईएल, एलटीआईमाइंडट्री, पीएनबी, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस जैसे अन्य महत्वपूर्ण कंपनियों के तिमाही परिणामों पर भी बाजार की प्रतिक्रियाएं देखी जाएंगी। अमेरिकी आर्थिक आंकड़े, जैसे कि जीडीपी वृद्धि दर, बेरोजगारी के दावे और पीएमआई (प्रचालनात्मक गतिविधि) पर आधारित आंकड़े भी इस सप्ताह भारतीय बाजार को प्रभावित कर सकते हैं।

इन आंकड़ों से वैश्विक बाजार की धारणा और मुद्रा की गति पर असर पड़ेगा, जिससे भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

निवेशक इस सप्ताह भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर भी विशेष ध्यान देंगे। यदि कोई महत्वपूर्ण घटनाएं घटित होती हैं, तो इसका असर बाजार पर पड़ सकता है।

आम बजट के नजदीक आने से विभिन्न क्षेत्रों में बजट-पूर्व उम्मीदें हलचल पैदा कर सकती हैं। विशेष रूप से बैंकिंग, ऊर्जा, और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र पर इस हफ्ते अधिक गतिविधि हो सकती है।

अदाणी सोलर वुड मैकेंजी की वैश्विक सौर मॉड्यूल सूची में 8वां स्थान पर

- 'श्रेणी ए' रेटिंग के साथ कंपनी ने वैश्विक स्तर पर प्रदर्शन और पारदर्शिता में दिखाई उत्कृष्टता

नई दिल्ली।

अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) की सौर फोटोवोल्टिक इकाई, अदाणी सोलर, को वुड मैकेंजी की 2025 की पहली छमाही की वैश्विक सौर मॉड्यूल विनिर्माण सूची में शामिल किया गया। कंपनी को 8वां स्थान और 'श्रेणी ए' वर्गीकरण प्राप्त हुआ। रिपोर्ट के अनुसार अदाणी सोलर ने 81 अंक हासिल किए, जबकि जेए सोलर और ट्रिनासोलर ने क्रमशः 91.7 और 91.6 अंक के साथ शीर्ष स्थान साझा किया। वुड मैकेंजी विनिर्माताओं का मूल्यांकन 10 मानदंडों पर करता है, जिसमें तीसरे पक्ष के विश्वसनीयता परीक्षण, वित्तीय स्वास्थ्य, विनिर्माण रिकॉर्ड और पेटेंट गतिविधि शामिल हैं। 'श्रेणी ए' रेटिंग का अर्थ है कि कंपनी उच्चतम प्रदर्शन और पारदर्शिता के मानकों को पूरा करती है। यह उपलब्धि अदाणी सोलर की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूती और भरोसेमंद सौर पैनल निर्माण क्षमता को दर्शाती है। विश्लेषकों के अनुसार, यह रैंकिंग भारत में सौर ऊर्जा उद्योग की बढ़ती स्थिति और निरंतर नवाचार की पुष्टि करती है।

तेल-तिलहन बाजार में मजबूती, सोयाबीन की कीमत में बढ़ोतरी

- विदेशी बाजार मजबूत रहने, रुपए की गिरावट और जाड़े व शादी-विवाह के मौसम से भाव में तेजी

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजार ने बीते सप्ताह मजबूती का रुख दिखाया। विदेशी बाजारों में सुधार, रुपये के कमजोर होने और जाड़े व शादी-विवाह के मौसम में बढ़ी मांग ने दामों को ऊंचा धकेला। विशेषज्ञों का कहना है कि सोयाबीन, सरसों, मूंगफली और सूरजमुखी में यह मजबूती घरेलू और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का असर है। महाराष्ट्र में मांग बढ़ने और किसानों की बिक्री घटने के कारण सोयाबीन के दाम 100 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाए गए। हाजिर भाव लगभग 5,300 रुपए क्विंटल है, जबकि एमएसपी 5,328 रुपए क्विंटल है। सोयाबीन की बढ़ती मांग और आयात में कमी ने इसे बाजार में मजबूत बनाए रखा। सरसों की पैदावार अच्छी रही, लेकिन उच्च दाम और आगामी खड़ी फसल के कारण उठाव सीमित रहा। मूंगफली और सूरजमुखी के दाम अभी भी एमएसपी से नीचे हैं। जाड़े में साबुत खाने वालों और उच्च गुणवत्ता वाले तेल की मांग से मूंगफली तेल में हल्का सुधार देखा गया। सरकार ने पाम तेल का आयात शुल्क 41 रुपये क्विंटल और सोयाबीन डीगम का आयात शुल्क 24 रुपये क्विंटल बढ़ाया। रुपये के कमजोर होने से आयातित तेल महंगा हुआ, जिससे घरेलू दाम मजबूती पाई। बीते सप्ताह सरसों दाना 85 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,075 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 175 रुपये के सुधार के साथ 14,550 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,435-2,535 रुपये और 2,435-2,580 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 290-290 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 5,400-5,450 रुपये और 5,100-5,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 200 रुपये के सुधार के साथ 14,150 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 13,700 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 200 रुपये के सुधार के साथ 11,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन 100 रुपये के सुधार के साथ 6,675-7,050 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपये के सुधार के साथ 16,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 45 रुपये के सुधार के साथ 2,575-2,875 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए।

एचडीएफसी बैंक का मुनाफा दिसंबर तिमाही में बढ़कर 18,654 करोड़ पहुंचा

– मुनाफे और डिपॉजिट में अच्छी ग्रोथ, ब्याज मार्जिन पर हल्का दबाव

नई दिल्ली ।

देश के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक एचडीएफसी बैंक ने दिसंबर 2025 तिमाही के नतीजे जारी कर` दिए हैं। नतीजों में बैंक के प्रदर्शन में मजबूती दिखी है। तिमाही के दौरान बैंक का मुनाफा बढ़कर 18,654 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 16,736 करोड़ रुपये था। इस तरह साल-दर-साल आधार पर मुनाफे में करीब 11.5 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम (एनआईआई) भी इस तिमाही में बढ़कर 32,620 करोड़ रुपये पहुंच गई, जो पिछले साल 30,650 करोड़ रुपये थी। इसमें 6.4 फीसदी की वृद्धि हुई। हालांकि, ब्याज मार्जिन पर कुछ दबाव देखने को मिला। कुल एसेट्स पर नेट इंटरेस्ट मार्जिन 3.35 फीसदी और ब्याज कमाने वाली एसेट्स पर 3.51 फीसदी रहा। एचडीएफसी बैंक की लोन क्वालिटी स्थिर बनी रही। ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स घटकर 35,179 करोड़ रुपये रह गईं, जबकि पिछले साल यह 36,019 करोड़ रुपये थीं। जीएनपीए अनुपात भी सुधरकर 1.24 फीसदी हो गया, जो एक साल पहले 1.42 फीसदी था। नेट एनपीए 11,982 करोड़ रुपये रहा और इसका अनुपात 0.42 फीसदी पर आ गया। तिमाही के दौरान प्रोविजन और कंटिंजेंसी पर खर्च घटकर 2,840 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले साल के मुकाबले 10 फीसदी कम है। इसमें 1,040 करोड़ रुपये के कंटिंजेंट प्रोविजन की वापसी से भी राहत मिली। प्रोविजन को हटाकर देखें तो क्रेडिट कॉस्ट रेशियो 0.55 फीसदी रहा।

चेटजीपीटी में आएंगे पहली बार विज्ञापन, अमेरिका में ट्रायल शुरू

- फ्री और गो प्लान के यूज़र्स के लिए शुरू होगा सीमित विज्ञापन परीक्षण

नई दिल्ली।

ओपनएआई ने घोषणा की है कि वह चेटजीपीटी में विज्ञापन को ट्रायल आधार पर पेश करने जा रहा है। यह परीक्षण फिलहाल केवल अमेरिका में रहने वाले उपयोगकर्ताओं के लिए होगा। कंपनी के अनुसार विज्ञापन चैट के उत्तरों के ऊपर या नीचे दिखाई देंगे, लेकिन सीधे एआई के उत्तरों के अंदर शामिल नहीं किए जाएंगे। ओपनएआई ने साफ किया है कि विज्ञापन कभी भी चेटजीपीटी के जवाबों को प्रभावित नहीं करेंगे। कंपनी ने बताया कि विज्ञापन केवल वयस्क उपयोगकर्ताओं को ही दिखाए जाएंगे और वह भी तभी, जब चैट के विषय से जुड़ा कोई संबंधित स्पॉन्सर्ड उत्पाद या सेवा उपलब्ध होगी। 18 वर्ष से कम आयु के उपयोगकर्ताओं को किसी भी तरह के विज्ञापन नहीं दिखाए जाएंगे। इसके अलावा स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और राजनीति जैसे संवेदनशील विषयों से जुड़े उत्तरों के आसपास विज्ञापन नहीं लगाए जाएंगे। ओपनएआई उपयोगकर्ताओं को यह सुविधा भी देगा कि वे जान सकें कि उन्हें कोई विशेष विज्ञापन क्यों दिखाया गया। कंपनी का कहना है कि यूज़र्स की निजता पूरी तरह सुरक्षित रहेगी और उनके चैट डेटा को विज्ञापनदाताओं के साथ साझा नहीं किया जाएगा। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने एक्स पर जानकारी दी कि यह विज्ञापन परीक्षण चेटजीपीटी के फ्री यूज़र्स और हाल ही में लॉन्च किए गए चेटजीपीटी गो प्लान

(8 डॉलर प्रति माह) में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कई लोग बिना सब्सक्रिप्शन के एआई टूल का इस्तेमाल करना चाहते हैं और विज्ञापन इस सुविधा को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। ओपनएआई आने वाले वर्षों में एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर पर एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक निवेश की योजना बना रहा है। कंपनी की सालाना आय 13 बिलियन डॉलर से अधिक बताई गई है। ओपनएआई का कहना है कि विज्ञापन, सब्सक्रिप्शन और एंटरप्राइज मॉडल के जरिए वह लागत और उपयोगकर्ता पहुंच के बीच संतुलन बनाना चाहता है। शुरुआती ट्रायल के बाद यूज़र्स की प्रतिक्रिया के आधार पर आगे की नीति तय की जाएगी।

महाराष्ट्र में भाजपा के विकास एवं विश्वास की निर्णायक जीत

ललित गर्ग

> महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव इस बदलाव का सशक्त उदाहरण हैं। बड़े-बड़े दावे करने वालों के बोल ध्वस्त हुए हैं और विकास की राजनीति आगे बढ़ी है। जनता देश को एक नई दिशा, एक नए लोकतांत्रिक परिवेश और एक नई राजनीतिक संस्कृति में देखना चाहती है। यह संस्कृति केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन के तौर-तरीकों में बदलाव की मांग करती है।

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न शहरी निकाय चुनाव राज्य की राजनीति की दिशा, प्रवृत्ति और भविष्य का संकेत देने वाला एक बड़ा जनादेश बनकर सामने आए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। यह बदलाव केवल सत्ता के हस्तांतरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, जन अपेक्षाओं और लोकतांत्रिक व्यवहार में गहरे परिवर्तन का द्योतक है। इन चुनावों ने जहां भगवा राजनीति की वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति को नए सिरे से रेखांकित किया है, वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच एवं विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया है। यह सफलता ऐसे समय में मिली है जब विधानसभा चुनावों में विपक्ष को करारी शिकस्त दिए जाने को अभी एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ था। इसके बावजूद राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन का दबदबा यह दशार्ता है कि यह जीत क्षणिक नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ राजनीतिक प्रवाह का परिणाम है। इन परिणामों ने राष्ट्र का ध्यान इसलिए अपनी ओर खींचा, क्योंकि इन चुनावों को मिनी विधानसभा चुनावों की संज्ञा दी गई थी। दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व का प्रतीक रहे बृहन्मुंबई नगर निगम, यानी बीएमसी में शिवसेना का दशकों पुराना किला ढ़ह गया, बीएमसी एवं राज्यभर के शहरी निकाय चुनाव में भाजपा का सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना एवं उसका दबदबा कायम होना, एक बड़े राजनीतिक बदलाव का सबसे सशक्त प्रमाण है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की राजनीतिक सोच और कार्यशैली इस पूरे परिदृश्य में एक निर्णायक कारक के रूप में उभरकर सामने आई है। फडणवीस ने महाराष्ट्र की राजनीति को केवल सत्ता संतुलन की सीमाओं में नहीं बांधा, बल्कि उसे दीर्घकालिक विकास दृष्टि से जोड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे व्यापक राष्ट्रीय विकास कार्यक्रमों जैसे बुनियादी ढांचे का विस्तार, डिजिटल गवर्नेंस, पारदर्शिता, निवेश अनुकूल वातावरण और सुशासन को उन्होंने राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप जमीन पर उतारने का प्रयास किया है। उनकी राजनीति भावनात्मक उत्तेजना या तात्कालिक लोकप्रियता पर नहीं, बल्कि योजनाबद्ध विकास, प्रशासनिक दक्षता और भविष्य की तैयारी पर आधारित रही है। मुंबई से लेकर विदर्भ और मराठवाड़ा तक विकास की समान अवधारणा, शहरी-ग्रामीण संतुलन और रोजगार सृजन पर जोर उनकी सोच को प्रतिबिंबित करता है। इस महाविजय के पीछे फडणवीस की रणनीति के चार प्रमुख स्तंभ रहे हैं- हिंदुत्व और विकास का संतुलन, लोकल मुद्दों पर फोकस, विपक्ष पर प्रभावी जवाब और जनता के साथ जुडाव। यही कारण है कि स्थानीय निकाय चुनावों में जनता ने उन्हें केवल एक प्रशासक के रूप में नहीं, बल्कि एक दूरदृष्टा नेतृत्वकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में “सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास” की जो राष्ट्रीय अवधारणा गढ़ी गई, देवेंद्र फडणवीस ने उसे महाराष्ट्र की राजनीतिक और प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही दृष्टि महायुति की सफलता की वैचारिक रीढ़ बनती दिखाई देती है।

बीएमसी का महत्व केवल राजनीतिक प्रतीकात्मकता तक सीमित नहीं है। यह देश का सबसे धनी नगर निगम है, जिसका 2025-26 का बजट 74,427 करोड़ रुपये का है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। इसीलिये बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल थी, क्योंकि भ्रष्ट तौर-तरीकों के कारण नगर निकाय का पैसा उसके नेताओं के पास पहुंचता था। बीएमसी के इसी भ्रष्टाचार के कारण मुंबई अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित नहीं हो पा रही थी। ऐसे में बीएमसी पर नियंत्रण का अर्थ है नीतिगत प्राथमिकताओं, शहरी विकास की दिशा और संसाधनों के उपयोग पर निर्णायक प्रभाव। भाजपा नेतृत्व वाली महायुति की सफलता यह संकेत देती है कि आने वाले वर्षों में मुंबई का प्रशासनिक और विकासात्मक स्वरूप नए सिरे से गढ़ा जाएगा। मुंबई को खराब सडकों, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से त्रस्त शहर की छवि से मुक्त करना भाजपा की पहली प्राथमिकता बननी चाहिए। इन चुनावों का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि दो दशक बाद ठाकरे परिवार से जुड़ी पार्टियां एकजुट होकर मैदान में उतरीं, फिर भी वे महायुति की लहर को रोकने में असफल रहीं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की प्रतीकात्मक एकता मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर सकी। इसी तरह शरद पवार और अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों का पूणे में गठबंधन भी बुरी तरह विफल रहा। यह पराजय उन राजनीतिक परिवारों के लिए एक चेतावनी है, जिन्होंने लंबे समय तक राज्य की राजनीति में वर्चस्व बनाए रखा था।

इन परिणामों से यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र की जनता ने क्षेत्रीय संकीर्णता और पुराने नारों की बजाय विकास, स्थिरता और विश्वास की राजनीति को प्राथमिकता दी है। “मराठी मानुष” जैसे भावनात्मक मुद्दे इस बार ज्यादा प्रभाव नहीं डाल सके। मतदाताओं ने यह संकेत दिया है कि वे अपनी आकांक्षाओं को केवल पहचान की राजनीति में सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि वे बेहतर बुनियादी ढांचे, पारदर्शी प्रशासन और भविष्य की स्पष्ट दृष्टि चाहते हैं। इन स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की हाशिये पर मौजूदगी भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह स्थिति कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का अवसर है। महाराष्ट्र जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में उसकी कमजोर होती पकड़ यह सवाल उठाती है कि क्या पार्टी बदलते राजनीतिक परिदृश्य को समझने और उसके अनुरूप रणनीति बनाने में विफल हो रही है। महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर भी इन परिणामों ने प्रश्नचिह्न लगा दिया है। इसके घटक दल पहले ही प्रासंगिक बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और यह पराजय उस संघर्ष को और कठिन बना देती है।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि ठाकरे और पवार जैसे परिवारों को अब अपनी राजनीति का पुनर्मूल्यांकन करना होगा। केवल विरासत और अतीत की उपलब्धियों के सहारे राजनीति नहीं चलाई जा सकती। जनता अब जवाबदेही, परिणाम और स्पष्ट दिशा चाहती है। इसके विपरीत भाजपा ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह चुनाव जीतने का गणित अच्छी तरह समझ चुकी है। मजबूत बूथ मैनेजमेंट, कैडर आधारित संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वैचारिक व सांगठनिक संबल उसकी सफलता की आधारशिला बने हैं। यही कारण है कि भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकली, बल्कि कई स्थानों पर अपने सहयोगियों पर भी भारी पड़ी। इन चुनावों का व्यापक अर्थ केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है। यह परिणाम राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक संकेत हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास, विकास और आश्वासन की राजनीति को जनता लगातार समर्थन दे रही है। यह राजनीति केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर बदलाव की अनुभूति कराती है। अंधेरों के बीच रोशनी की किरण की तरह यह राजनीति आम नागरिक को यह विश्वास दिलाती है कि उसका भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इससे राजनीतिक परिभाषाएं ही नहीं बदलीं, बल्कि इंसान की सोच में भी परिवर्तन आया है। मतदाता अब भावनात्मक उकसावे से अधिक ठोस उपलब्धियों और संभावनाओं को महत्व देने लगा है।

महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव इस बदलाव का सशक्त उदाहरण हैं। बड़े-बड़े दावे करने वालों के बोल ध्वस्त हुए हैं और विकास की राजनीति आगे बढ़ी है। जनता देश को एक नई दिशा, एक नए लोकतांत्रिक परिवेश और एक नई राजनीतिक संस्कृति में देखना चाहती है। यह संस्कृति केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन के तौर-तरीकों में बदलाव की मांग करती है। पारदर्शिता, जवाबदेही और परिणामोन्मुखी प्रशासन अब केवल नारे नहीं, बल्कि जन अपेक्षा बन चुके हैं। बीएमसी जैसे शक्तिशाली संस्थान में भाजपा का वर्चस्व न केवल मुंबई की सत्ता संरचना को बदलेगा, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति की धुरी को भी नए सिरे से परिभाषित करेगा। यह जीत बताती है कि लोकतंत्र में वही राजनीतिक ताकत टिकाऊ होती है, जो समय के साथ खुद को बदलने, जनता की नब्ज पहचानने और विकास को केंद्र में रखने का साहस रखती है। महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों ने इसी सच्चाई को एक बार फिर उजागर किया है।

संपादकीय

दोस्ती की बातें महज रस्म-अदायगी

पैक्स सिलिका का मकसद सेमीकंडक्टर, महत्त्वपूर्ण खनिज और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाना है। ऐसी सप्लाई शृंखला, जो चीन पर निर्भर ना रहे। मगर यह दीर्घकालीन योजना है, जिसको लेकर अभी कई अस्पष्टताएं हैं। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने नई दिल्ली पहुंचने पर भारत को जो “उपहार” दिया, वह एक सांत्वना पुरस्कार ही है। राजदूतों का काम संबंधित देश में अपने मुल्क के लिए सद्भावना निर्मित करना भी होता है, तो गोर ने भारतीय कानों को सुहावनी लगने वाली बातें कहीं। साथ ही एलान किया कि भारत को अगले महीने पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। कुछ समय पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने नौ देशों को शामिल करते हुए इस गठबंधन का एलान किया, तो उससे भारत में मायूसी का माहौल बना था। ट्रंप ने उसमें अपने देश के अलावा क्वॉड के दो सदस्य देशों-जापान एवं ऑस्ट्रेलिया को शामिल किया। साथ ही आई2यू2 समूह के देशों इजराइल और यूएई को भी उसमें रखा। मगर इन दोनों समूहों के सदस्य भारत को उससे बाहर रखा गया। इन देशों के अलावा दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, ब्रिटेन और नीदरलैंड्स इसके बाकी सदस्य हैं। इसका मकसद सेमीकंडक्टर, महत्त्वपूर्ण खनिज और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के मामलों में वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाना है। ऐसी सप्लाई शृंखला जो चीन पर निर्भर ना रहे। मगर यह दीर्घकालीन योजना है, जिसमें निवेश और जिसकी कार्य प्रणाली को लेकर अभी तमाम किस्म की अस्पष्टताएं हैं। अब ट्रंप ने अपने राजदूत के जरिए इसकी सदस्यता का उपहार भारत को भेजा है। मगर इस समूह की परिकल्पना भारत की जरूरतों के हिसाब से नहीं की गई है। हकीकत यह है कि जो सप्लाई चेन ट्रंप चाहते हैं, उसकी तुरंत आवश्यकता अमेरिका को है। रेयर अर्थ खनिजों के क्षेत्र में निर्भरता के कारण उन्हें चीन के खिलाफ सख्त व्यापारिक कार्रवाइयां वापस लेनी पड़ी हैं।

चिंतन-मनन

ईश्वरीय सिद्धांत

तीन अत्यन्त महत्त्वपूर्ण सिद्धांत व्यक्त होते हैं- यह जो संसार है परमात्मा से व्याप्त है, उसके अतिरिक्त सब मिथ्या है, माया है, भ्रम है, स्वप्न है। मनुष्य को उसकी इच्छानुसार सृष्टि संचालन के लिए कार्य करते रहना चाहिए। मनुष्य में जो श्रेष्ठता-शक्ति या सौन्दर्य है वह उसके दैवी गुणों के विकास पर ही है। मनुष्य जीवन के सुख और उसकी शांति के लिए इन तीनों सिद्धांतों का पालन ऐसा ही पुण्य-फलदायक है। ईश्वर उपासना मनुष्य का स्वाभाविक धर्म है। उपासना विकास की प्रक्रिया है।

संकुचित को सीमारहित करना, स्वार्थ को छोड़कर परार्थ की ओर अग्रसर होना मनुष्य के आत्मतत्त्व की ओर विकास की परंपरा है। पर यह तभी संभव है जब सर्व-शक्तिमान परमात्मा की सत्ता को स्वीकार कर लें, उसकी शरणागति की प्राप्ति हो जाय। मनुष्य रहते हुए मानवता की सीमा को भेदकर उसे देवस्वरूप में विकसित कर देना ईश्वर की शक्ति का कार्य है। जान-बूझकर या अकारण परमात्मा कभी किसी को दंड नहीं देता। प्रकृति की स्वच्छंद प्रगति प्रवृत्ति में ही सबका हित नियंत्रित है। जो इन प्राकृतिक नियमों से टकराता है वह बार-बार दुःख भोगता है और तब तक चैन नहीं पाता, जब तक वापस लौटकर फिर उस सही मार्ग पर नहीं चलने लगता है। भगवान भक्त की भावनाओं का फल तो देते हैं, किंतु उनका विधान सभी संसार के लिए एक जैसा ही है। भावनाशील व्यक्ति भी जब तक अपने आप की सीमाएं नहीं पार कर लेता, तब तक अटूट विश्वास, दृढ़ निश्चय रखते हुए भी उन्हें प्राप्त नहीं कर पाता। अपने से विमुख प्राणियों को भी वे दुःख-दंड नहीं देते। मनुष्य का विधान तो देश, काल और परिस्थितियों वश बदलता भी रहता है, किंतु उसका विधान सदैव एक जैसा ही है। भावनाशील व्यक्ति भी उसकी चाहे कितनी ही उपासना करे- सांसारिक कर्त्तव्यों की अवहेलना कर या दैवी-विधान का उल्लंघन कर कभी सुखी नहीं रह सकता। जैसा कर्म-बीज वैसा ही फल, यह उसका निश्चल नियम है। सुख और दुःख, बंधन और मुक्ति मनुष्य के कर्मो के अनुसार ही प्राप्त होते हैं। दुष्कर्मों का फल भोगने से मनुष्य बच नहीं सकता। अपनी तुच्छ सत्ता को परमात्मा की शरणागति में ले जाने से मनुष्य अनेकों कष्ट-कठिनाइयों से बच जाता है। गृहपति की अवज्ञा करके जिस तरह घर का कोई भी सदस्य सुखी नहीं रह सकता, उसी प्रकार परमात्मा का विरोधी भी कभी सुखी या संतुष्ट नहीं रह सकता।

सीनियर और युवा नेताओं के बीच संतुलन स्थापित करना नितिन नबीन के लिए होगी बड़ी चुनौती

संतोष कुमार पाठक

भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तारीख जारी हो गई है। पार्टी अध्यक्ष के चुनाव के लिए राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी बनाए गए डॉ के.लक्ष्मण ने चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है। संगठन पर्व - 2024 के तहत जारी की गई अधिसूचना के मुताबिक, पार्टी ने शुक्रवार को ही निर्वाचक मंडल सूची का प्रकाशन कर दिया है। पार्टी अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन भरने की प्रक्रिया 19 जनवरी से शुरू हो जाएगी। 19 जनवरी को ही दोपहर 2 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल किया जा सकता है। इसी दिन शाम को 4 से 5 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। शाम 5 से 6 बजे तक नाम वापस लिया जा सकता है। अगर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद के लिए एक से अधिक नेता नामांकन भरेंगे तो 20 जनवरी को चुनाव करवाया जाएगा। हालांकि यह भी एक तथ्य है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद के लिए बीजेपी में कभी भी चुनाव की नौबत नहीं आई है। इसलिए यह तय माना जा रहा है कि 20 जनवरी को सर्वसम्मति से पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर नितिन नबीन के चुने जाने का ऐलान कर दिया जाएगा। हाल ही में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए नितिन नबीन के पूर्णकालिक अध्यक्ष बनने के साथ ही पार्टी में नए और बड़े बदलाव की शुरूआत हो जाएगी। नितिन नबीन बीजेपी के न केवल सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे बल्कि वह पार्टी के पहले ऐसे राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे जिनका जन्म पार्टी की स्थापना के बाद हुआ है। बीजेपी की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी जबकि नितिन नबीन का जन्म इसके 47 दिन बाद 23 मई 1980 को हुआ था। ऐसे में अब बीजेपी आलाकमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह साबित करने की भी है कि युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष की ताजपोशी सिर्फ प्रतीकात्मक बदलाव का पर्याय भर बन कर न रह जाए। वहीं नई बीजेपी में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को भी संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका दिया जाना बहुत जरूरी है। यही वजह है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद बिहार से आने वाले इन युवा नेता के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी टीम का गठन करना होगा। पार्टी संविधान के मुताबिक, पार्टी में सर्वोच्च फैसला लेने वाली इकाई पार्टी का संसदीय बोर्ड है। इसके बाद केंद्रीय चुनाव समिति का नंबर आता है जो चुनाव के समय उम्मीदवारों का चयन करता है। फिलहाल संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष जेपी नड्डा है लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष बन जाने के बाद नितिन नबीन ही पार्टी का फैसला लेने वाले इस सर्वोच्च इकाई के अध्यक्ष होंगे। वर्तमान में नड्डा के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राजनाथ सिंह, अमित शाह, बी एस येदियुरप्पा, सबानंद सोनोवाल, के.लक्ष्मण, इकबाल सिंह लालपुरा, सुधा यादव और सत्यनारायण जटिया संसदीय बोर्ड के सदस्य हैं। वहीं पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष संसदीय बोर्ड के सचिव के तौर पर इसमें शामिल हैं। इनमें से बीएल संतोष को छोड़कर बाकी सभी नेता 60 से ज्यादा उम्र के हैं। संसदीय बोर्ड के ये सारे सदस्य पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति के भी सदस्य हैं। संसदीय बोर्ड में शामिल इन 11 नेताओं के अलावा भूपेन्द्र यादव, देवेंद्र फडणवीस, ओम माथुर, और वनथी श्रीनिवासन केंद्रीय चुनाव समिति में शामिल हैं।

सरकार के नेता के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नितिन नबीन की अध्यक्षता वाले पार्टी के संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति दोनों में ही शामिल रहेंगे। वहीं सरकार और पार्टी के अहम नेता के तौर पर अमित शाह भी इन दोनों समितियों का हिस्सा रहेंगे। लेकिन युवा नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी देने के लक्ष्य और नई बीजेपी के गठन के लिए कई दिग्गज नेताओं को इससे बाहर जाना ही पड़ेगा। इन दोनों समितियों का पुनर्गठन करने के बाद पार्टी अध्यक्ष के तौर पर नितिन नबीन को अपनी राष्ट्रीय टीम - यानी राष्ट्रीय उपाध्यक्षों, राष्ट्रीय महासचिवों, राष्ट्रीय सचिवों और राष्ट्रीय प्रवक्ताओं के साथ-साथ विभिन्न मोर्चों , समितियों और विभागों के मुखियाओं की भी नियुक्ति करनी पड़ेगी।

यह बात तो साफ है कि ये सारे फैसले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सहमति से ही लिए जाएंगे। हालांकि राजनाथ सिंह और वसुंधरा राजे सिंधिया जैसे नेताओं के बारे में अंतिम फैसला करने से पहले संघ से भी चर्चा की जाएगी। पार्टी की राष्ट्रीय टीम में ऐसे कई अन्य नेता भी शामिल हैं जो अपने-अपने राज्यों के मुख्यमंत्री के करीबी माने जाते हैं और इसलिए उन्हें हटाने से पहले कई समीकरणों का ध्यान भी रखना पड़ेगा। ऐसे में यह देखना बहुत दिलचस्प रहेगा कि नितिन नबीन इन तमाम चुनौतियों से निपटते हुए अपनी नई टीम कैसे तैयार कर पाते हैं और कैसे तमाम उम्र के नेताओं यानी सीनियर एवं युवा के बीच संतुलन बना पाने में कामयाब हो पाते हैं।

ताकत का दुरुपयोग है विश्व पटल पर ट्रम्प की सामंतशाही

मनोज कुमार अग्रवाल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का व्यवहार लगातार दुनिया को हतप्रभ कर रहा है ट्रंप की हठधर्मिता दिनों दिन ने रूप में सामने आ रही है एक ताकतवर मुल्क किस तरह अराजकत व्यवहार कर अन्य देशों के लिए मुसीबत खड़ी कर सकता है यह उनके तमाम हरकतों से समझ सकते हैं।

अब ताजा घटना चक्र में अमेरिका ने ईरान को हर तरफ से घेरना शुरू कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ट्रंप के इस फैसले से ईरान के अंदर विरोध प्रदर्शनों पर हिंसक कार्रवाई को लेकर खामेनेई सरकार पर दबाव बढ़ गया है, जिसमें कम से कम 648 लोग मारे गए हैं और पूरे देश में हजारों की गिरफ्तारियां हुई हैं। ट्रंप की यह टैरिफ कार्रवाई संभावित रूप से भारत और चीन सहित कई देशों को प्रभावित कर सकती है, जो ईरान और अमेरिका, दोनों के साथ व्यापार करते हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा, तुरंत प्रभाव से, इस्लामी गणराज्य ईरान के साथ व्यापार करने वाला कोई भी देश, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ होने वाले सभी व्यापार पर 25 प्रतिशत टैरिफ देगा। यह आदेश अंतिम और निर्णायक है। टैरिफ की घोषणा ऐसे समय हुई है जब ट्रंप ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने सोमवार को कहा था कि अमेरिका के पास एक विकल्प यह भी है कि वह ईरान पर हवाई हमला करे। लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि ईरान के पास ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विठकॉफ से बात करने का एक राजनयिक चैनल भी खुला है। उन्होंने कहा कि ईरान अपने सार्वजनिक बयानों की तुलना में निजी तौर पर बहुत अलग बोली बोल रहा है। चीन को ईरान का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार माना जाता है, लेकिन ट्रंप के इस कदम का असर भारत, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और तुर्की पर भी पड़ेगा, जो तेहरान के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में से हैं। तेहरान में मौजूद भारतीय दूतावास के अनुसार, भारत ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में ईरान को 1.24 अरब डॉलर का सामान निर्यात किया, जबकि 0.44 अरब डॉलर का आयात किया, जिससे कुल व्यापार 1.68 अरब डॉलर (लगभग 14,000-15,000 करोड़ रुपये) हो गया। इनमें सबसे बड़ा हिस्सा 512.92 मिलियन डॉलर मूल्य के कार्बनिक केमिकल्स का था। इसके बाद फल, मेवे, खट्टे फलों के छिलके और खरबूजे 311.60 मिलियन डॉलर और खनिज ईंधन, तेल और आसवन उत्पाद 86.48 मिलियन डॉलर के थे। ध्यान रहे कि अमेरिका ने पहले ही रूप्सी तेल की खरीद के लिए भारतीय सामानों पर कुल 50 प्रतिशत तक का टैरिफ लगा दिया है। अगर ईरान से व्यापार के लिए भी भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगता है तो व्यापार में और बाधा आएगी। ईरान इस समय गंभीर राजनीतिक और आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। देशभर में भड़के विरोध प्रदर्शनों ने सरकार के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि ईरान में इंटरनेट और मोवाइल सेवाओं पर रोक लगा दी गई है। यह संकट केवल ईरान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर भारत जैसे देशों पर भी पड़ सकता है, जिनके रणनीतिक और व्यापारिक हित ईरान से गहराई से जुड़े हुए हैं। ईरान भारत की विदेश और व्यापार नीति का एक बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा है। आपको बता दें कि भारत ने मध्य एशिया, रूस और यूरोप तक अपनी पहुंच मजबूत करने के लिए जिन परियोजनाओं में निवेश किया है, उनमें ईरान एक प्रमुख ट्रांजिट हब की भूमिका निभाता है। खासतौर पर ईरान के दक्षिण पूर्वी तट पर स्थित चाबहार बंदरगाह भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। चाबहार पोर्ट भारत भारत को पाकिस्तान को बायपास करते हुए अफगानिस्तान, मध्य एशिया और यूरोप तक सीधा व्यापारिक रास्ता देता है। यही बंदरगाह इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर यानी आईएनएसटीसी का भी अहम हिस्सा है। इस मार्ग से भारत को निर्यात आयात में करीब 40 प्रतिशत समय और लगभग 30 प्रतिशत लागत को बचत होती है। अगर ईरान में अस्थिरता बढ़ती है और चाबहार बंदरगाह प्रभावित होता है तो भारत की भू-आर्थिक रणनीति को बड़ा झटका लग सकता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और ईरान के बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 1.68 अरब डॉलर रहा। इसमें भारत ने ईरान को 1.24 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि 0.44 अरब डॉलर का आयात किया गया। इस तरह भारत को लगभग 0.80 अरब डॉलर का व्यापारिक लाभ हुआ। भारत से ईरान को भेजे जाने वाले प्रमुख सामानों में चावल, चाय, चीनी, दवाइयां, इलेक्ट्रिक मशीनरी और कृत्रिम फाइबर शामिल हैं। वहीं ईरान से भारत सूखे मेवे, रसायन और कांच से बने उत्पाद आयात करता है। अगर संकट गहराता है और चाबहार पोर्ट या आईएनएसटीसी मार्ग बाधित होता है तो भारत-ईराम व्यापार पर सीधा असर पड़ सकता है। ईरान दुनिया के बड़े तेल और गैस उत्पादक देशों में शामिल है। अगर ईरान संकट का असर होर्मुज जलडमरूमध्य तक पहुंचता है तो वैश्विक तेल आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। दुनिया के करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति इसी रास्ते से होती है। भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से भारत का आयात बिल बढ़ेगा। इसका सीधा असर परिवहन लागत, माल बुलाई और आम लोगों की महंगाई पर पड़ेगा। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से देश में महंगाई का दबाव और तेज हो सकता है। ईरान में जारी संकट भारत के लिए केवल एक पड़ोसी देश को समस्या नहीं है, बल्कि यह भारत की व्यापारिक, ऊर्जा और रणनीतिक सुरक्षा से सीधे जुड़ा हुआ मामला है। आपको पता रहे कि चाबहार पोर्ट, आईएनएसटीसी कॉरिडोर और तेल आपूर्ति जैसे मुद्दे भारत की दीर्घकालिक आर्थिक योजनाओं से जुड़े हैं। अगर ईरान में हालात और बिगड़ते हैं, तो भारत को इसके दूरगामी प्रभावों के लिए तैयार रहना होगा। यहां यह भी ध्यान रहे कि अमेरिका और भारत, दोनों पक्ष एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए महीनों से काम कर रहे हैं। अगर यह समझौता हो जाता है तो यह नई दिल्ली को लंबे समय से अपेक्षित टैरिफ राहत प्रदान करेगा।

यहां यह भी बता दें अमेरिका की सामंतवाद की यह नीति कोई अचानक उपजी हुई नहीं है। शीत युद्ध के दौर से लेकर आज तक, लैटिन अमेरिका, पश्चिम एशिया और एशिया-अफ्रीका के कई देशों ने इसे झेला है। इराक, लीबिया, सीरिया और अब वेनेजुएला–सूची लंबी है। फर्क बस इतना है कि हर बार हस्तक्षेप को नया नाम दे दिया जाता है–कभी 'लोकतंत्र की बहाली', कभी 'तानाशाही के खिलाफ लड़ाई' और कभी 'मानवाधिकारों की रक्षा'। लेकिन इन सभी नारों के पीछे असली लक्ष्य संसाधन, प्रभाव और रणनीतिक नियंत्रण ही रहा है। यह स्थिति पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। खासकर विकासशील और मध्यम शक्ति वाले देशों के लिए। यह मान लेना कि अमेरिकी सहायता, व्यापार या रणनीतिक साझेदारी हमेशा निष्पक्ष और दीर्घकालिक होगी, अब एक खतरनाक भ्रम बन चुका है। इतिहास गवाह है कि अमेरिका दोस्ती भी अपने हित देखकर करता है और दुश्मनी भी।

हालांकि इस मे कोई संदेह नहीं है कि अमेरिका अपनी ताकत का पूरी तरह दुरुपयोग कर विश्व भर में अपना प्रभुत्व कायम करना चाहता है और इसके लिए वह वैश्विक कानून और आचार संहिता को लगातार अनदेखा कर विपरित आचरण कर रहा है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

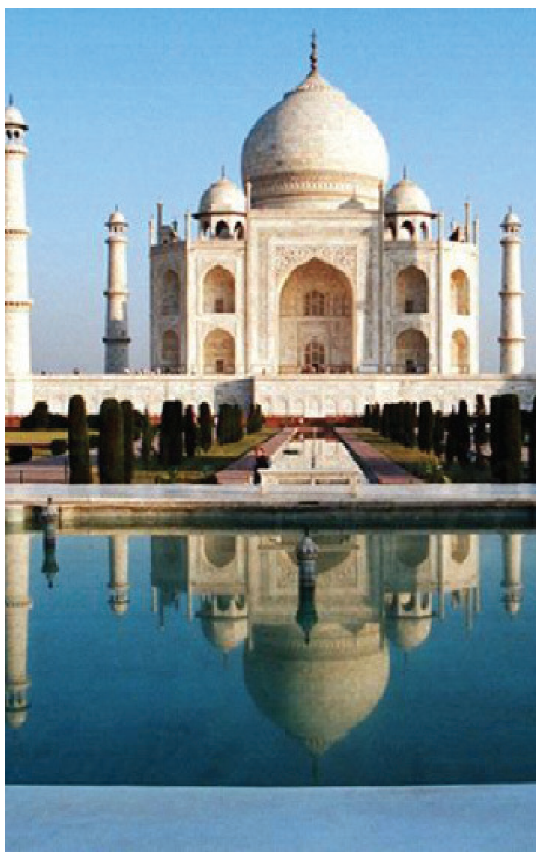

अगर आपने ताजमहल नहीं देखा तो अब देर न करिए

ताजमहल दुनिया के 7 अजूबों में से एक है। ताजमहल की खूबसूरती को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं और अगर आप भारत में रहकर भी अब तक ताजमहल नहीं देख पाए हैं तो अब और देर न करिए। जितनी जल्दी हो सके जाएं और देखकर आएं, इस ऐतिहासिक इमारत की खूबसूरती ने दुनियाभर के लोगों को अपना दीवाना बनाकर रखा है। इससे पहले की आप ताजमहल घूमने का प्लान बनाएं, हम यहां आपको इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें बता देना चाहते हैं, जिससे की आपकी यह यात्रा बिना किसी परेशानी बिल्कुल आराम से बीते...

ताजमहल कैसे पहुंचें?

आगरा भारत का एक प्रमुख शहर है। इसलिए हवाई मार्ग हो या रेल मार्ग हो या फिर सड़क मार्ग। आगरा भारत वर्ष के सभी प्रमुख शहरों से सभी मार्ग द्वारा भंलीभांति जुड़ा है।

हवाई मार्ग

अगर आप हवाई मार्ग द्वारा आगरा जा रहे है तो आगरा का पंडित दीनदयाल उपध्याय हवाई अड्डा ताज महल से 16 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से आप आसानी से टैक्सी या आटो द्वारा आसानी से ताजमहल पहुंच सकते है। महानगर होने के नाते यहा काफी ट्रैफिक रहता है। जिसके कारण आपको आगरा एयर पोर्ट से ताजमहल पहुंचने में लगभग 40 मिनट लग सकते हैं, अगर ट्रैफिक न हो तो यह मार्ग सिर्फ 20-25 मिनट का है।

रेल मार्ग

यदि आप रेल मार्ग द्वारा आगरा जा रहे हैं तो आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन से ताजमहल की दूरी लगभग 2.5 किमी है। रेलवे स्टेशन से ताजमहल के लिए ऑटो और रिक्शा वालों की काफी भीड़ लगी रहती है। अगर आपके पास भारी लगेज नहीं है तो आप आगरा के किले का बाहरी भाग के दर्शन करते हुए किले के सामने से होते हुए शिवाजी चौक से ताजमहल पहुंच सकते हैं। शिवाजी चौक से ताजमहल का सेप्रेट रास्ता गया है, जो पश्चिमी गेट पर जाता है। कार, टैक्सी या ऑटो से आने वाले यात्री भी इसी मार्ग से जाते हैं। इसी सेपरेट मार्ग पर कुछ दूरी पर ताजमहल कार पार्किंग है।

सड़क मार्ग

अगर आप कार द्वारा दिल्ली से आगरा जा रहे हैं तो नोयडा आगरा एक्सप्रेस वे से जा सकते हैं। यह सुविधाजनक एवं फास्टेट रूट है। इसके आलावा आप दिल्ली से मथुरा होते हुए पुराने हाइवे से भी आगरा पहुंच सकते हैं।

कार पार्किंग

ताजमहल कार पार्किंग से ताजमहल की दूरी लगभग 700-800 मीटर है। आप चाहे एयर पोर्ट से टैक्सी से जाएं या रेलवे स्टेशन से ऑटो से जाएं या फिर अपनी कार से जाएं पहुंचना आपको कार पार्किंग में ही है। कार पार्किंग पर पहुंचते ही आपको ऊंट गाड़ी और बैट्री गाड़ी वाले घेर लेंगे, क्योकि कार पार्किंग से ताजमहल के बीच की इस दूरी में बैट्री गाड़ियां व ऊंट गाड़ियां चलती हैं, जो बीस से तीस रुपए प्रति सवारी लेते हैं। कार पार्किंग से आगे किसी भी तरह के प्राइवेट वाहनों के जाने की अनुमति नहीं होती है। आप कार पार्किंग से ताजमहल गेट तक पैदल भी जा सकते हैं। 700 मीटर की दूरी कोई ज्यादा नहीं होती है।

अमानती घर

मार्ग के रास्ते में स्थित अमानती घर में आप अपना सामान रख सकते हैं, क्योंकि ताजमहल के अंदर किसी भी प्रकार का अटैची, बेग (हैंड बेग को छोड़कर) किसी भी तरह का खाने-पीने का सामान खाना, बिस्कुट, चिप्स, पान, बीड़ी, सिगरेट (पानी की बोतल को छोड़कर) किसी भी तरह का हथियार चाकू व नशीले पदार्थ आदि अंदर ले जाना मना है। मोबाइल और कैमरा ले जा सकते हैं। बाकी आपके पास जो सामान है, उसे आप अमानती घर में सुरक्षित रख सकते हैं।

शूज कवर

यही टिकट खिड़की के पास ही आपको शूज कवर बेचने वाले भी मिल जाएंगे। उनसे आप बीस रुपए देकर शूज कवर खरीद लें, क्योंकि ताजमहल के संगमरमर के चबूतरे पर जूते-चप्पल लेकर जाना मना है। वही टिकट खिड़की के पास आपको गाइड और फोटोग्राफर घेर लेंगे, जो आपको कई तरह के प्रलोभन भी देंगे (जैसे - सॉटकट से अंदर ले जाना का) क्योंकि एंट्री गेट पर चैकिंग प्वाइंट पर काफी लंबी कतार होती है या तो आप उनसे सही एवं पहले ही मोल-भाव कर तय कर लें या फिर टिकट कांटर से पर्यटन विभाग द्वारा गाइड हायर कर सकते हैं। चैकिंग प्वाइंट पर महिला, पुरुष व विदेशियों की अलग-अलग लाइनें होती हैं। यहां ज्यादा समय नही लगता 20-25 मिनट में आप अंदर पहुंच सकते हैं।

अलग-अलग प्रवेश द्वार

ताजमहल में एंट्री करने के लिए तीन गेट्स हैं, जो पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में मौदूद हैं। इन तीनों गेट्स में जिस गेट पर लोगों की भीड़ सबसे कम होती है वह है इसका पश्चिमी गेट। इस गेट से आप आसानी से ताजमहल के परिसर में एंट्री कर सकते हैं।

शुक्रवार को न जाएं ताजमहल

आमतौर पर ताजमहल रोजाना सुबह 6 से शाम 7 बजे तक खुला रहता है, लेकिन शुक्रवार को इसे नमाज के लिए बंद रखा जाता है। पूर्णमासी के दिन ताजमहल के गेट्स रात 8.30 बजे से 12.30 बजे तक खुले रहते हैं। चांद की रोशनी में ताजमहल बेहद खूबसूरत लगता है। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि रमजान के पवित्र महीने में आप रात के वक्त ताजमहल का दीदार नहीं कर सकते।

आगरा घूमने आए हैं तो ताजमहल को लास्ट में देखें

यहां हम आपको एक ट्रिक बता रहे हैं, जिससे आप ताजमहल के टिकट पर थोड़ा डिस्काउंट प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप आगरा में दो-तीन दिन के लिए हैं तो ताजमहल घूमने का प्लान अपनी यात्रा के आखिरी दिन रखिए। दरअसल अगर आगरा के किसी और टूरिस्ट डेस्टिनेशन जैसे आगरा फोर्ट से ताजमहल की टिकट खरीदते हैं तो आपको इस पर कुछ छूट मिल सकती है। यहां आपको इस बात का ध्यान रखना है कि जारी किए गए टिकट पर उसी दिन का स्टैंप हो जिस दिन आपको ताजमहल जाना है।

अलग लोगों के लिए अलग कीमत

अगर आप भारतीय हैं तो आपको ताजमहल देखने के लिए 50 रुपए की टिकट खरीदनी पड़ेगी। 15 साल से कम के बच्चों के लिए एंट्री फ्री है। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट का दाम 1100 रुपए है। आप इन टिकटों को एक दिन अडवांस में सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच आर्केलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के ऑफिस से ले सकते हैं।

क्या लेकर नहीं जा सकते ?

सुरक्षा कारणों से कुछ ऐसी चीजे हैं, जिनके साथ आप ताजमहल के अंदर नहीं जा सकते। ट्राईपॉड, मोबाइल फोन चार्जर, खाने-पीने की वस्तुएं व तंबाकू जैसी चीजें यहां बैन है। हालांकि यहां एक लॉकर रूम है, जहां आप अपने सामान को सुरक्षित तरीके से जमा कर सकते हैं और वापस लौटने पर यहां से अपने सामान को ले सकते हैं।

यह है बेस्ट सीजन

अगर मुमकिन हो तो ठंड के मौसम में ताजमहल घूमने का प्लान न बनाएं, क्योंकि कोहरे के कारण इसकी खूबसूरती खिल के बाहर नहीं आती। ताजमहल घूमने का बेस्ट सीजन होता है मार्च से जून। अगर आप ताजमहल घूमने का प्लान बना रहे हैं तो बस ऊपर बताई गई इन टिप्स का ध्यान रखें और अपनी ताज यात्रा को यादगार बनाएं।

ताजमहल के बारे में रोचक बातें, जो आपको नहीं होंगी पता

ताजमहल मुगल वास्तुकला का सबसे उत्कृष्ट नमूना है। मोहब्बत की इस निशानी को शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए बनाया था। दुनियाभर से करोड़ों की संख्या में पर्यटक ताजहमल देखने के लिए आगरा आते हैं। हर प्रेमी जोड़े की ख्वाहिश होती है कि वह ताजमहल जाकर अपनी प्रेमिका के साथ तस्वीर खिंचवाए। इश्क की इस निशानी को निहारे, संगमरमर की इमारत की खूबसूरती को अपनी स्मृतियों में कैद कर लें। आइए आपको ताजमहल के बारे में 10 रोचक बातें बताते हैं जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगी।

- ताजमहल के निर्माण में 22 साल लगे थे।
- 22,000 से ज्यादा मजदूरों ने ताजमहल के निर्माण में काम किया था।
- 1,000 हाथियों के जरिए ताजमहल के निर्माण सामग्री को लाया गया था।
- ताजमहल के निर्माण में उस वक्त 3.2 करोड़ रुपए का खर्च आया था।
- ताजमहल के निर्माण के लिए विभिन्न एशियाई देशों से बहुमूल्य पत्थरों को लाया गया था।
- 28 तरह के रत्नों को श्रीलंका से लेकर चीन और भारत के विभिन्न राज्यों से लाया गया था।
- संगमरमर के सफेद पत्थर को राजस्थान से लाया गया था।
- तिब्बत से नीला रत्न, श्रीलंका से पन्ना, पंजाब से जैस्पर और क्रिस्टल को चीन से मंगाया गया था।
- ताजमहल की वास्तु शैली में फारसी, तुर्क, भारतीय और इस्लामी वास्तुकला का मिश्रण है।
- ताजमहल का निर्माण 1632 ईश्वी में शुरू हुआ था और 1653 में गुम्बद बनकर तैयार हुआ।
- अगर आप भी मुहब्बत की इस सबसे विश्व प्रसिद्ध निशानी को देखना चाहते हैं तो ताजमहल जरूर जाएं।
- आप दिल्ली में रहते हैं तो सिर्फ ताज एक्सप्रेस हाईवे से सिर्फ साढ़े तीन घंटे में आगरा पहुंच सकते हैं।

बड़ी अद्भुत है ताजमहल के निर्माण की कहानी

यमुना नदी के किनारे सफेद पत्थरों से निर्मित अलौकिक सुंदरता की तस्वीर ताजमहल आज न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुका है। प्यार की इस निशानी को देखने के लिए दूर देशों से हजारों सैलानी यहां आते हैं। प्यार का प्रतीक माने जाने वाले ताजमहल की खूबसूरती जितनी चर्चा में रहती है, उतनी ही इसके बनने की कहानियां चर्चा में रहती हैं। ताजमहल को बनाने को लेकर अलग-अलग मिथ हैं। कहा जाता है कि मुमताज की याद में बनायी गई इस खूबसूरत इमारत जैसी कोई और इमारत न बने, इसलिए शाहजहां ने कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे। ताजमहल को बनाने में करीब 20 हजार मजदूरों ने योगदान दिया था। और इसका काम करीब 22 साल तक चला।

हालांकि कारीगरों के हाथ कटवाने की एक और भी कहानी बताई जाती है। माना जाता है कि शाहजहां ने कारीगरों के हाथ नहीं कटवाए थे, बल्कि उनसे ताउम्र काम न करने का वादा लिया था, जिसके बदले में उन्हें जिंदगी भर वेतन दिया गया था। वहीं एक मिथक ये भी है कि शाहजहां ने ताजमहल ख्वाब में देखकर बनवाया था, लेकिन ताजमहल के नक्शे के हिसाब से इतिहासकारों की मानें तो इसके डिजाइन के लिए पूरी दुनिया के वास्तुशास्त्रों की मदद ली गई थी, लेकिन इसका सटीक डिजाइन किसने तैयार किया था, इसके बारे में कोई सबूत नहीं है। ताजमहल को लेकर ऐसे ही कई मिथक हैं जिनके बारे में कई तरह की कहानियां कही जाती हैं। बता दें कि ताजमहल शाहजहां की तीसरी बेगम मुमताज महल की मजार है। मुमताज के

गुजर जाने के बाद उनकी याद में शाहजहां ने ताजमहल बनवाया था। कहा जाता है कि मुमताज महल ने मरते वक्त मकबरा बनाए जाने की ख्वाहिश जताई थी, जिसके बाद शाहजहां ने ताजमहन बनावाया। ताजमहल को सफेद संगमरमर से बनवाया गया है। इसके चार कोनों में चार मीनारे हैं। शाहजहां ने इस अद्भुत चीज को बनवाने के लिए बगदाद और तुर्की से कारीगर बुलवाए थे। माना जाता है कि ताजमहल बनाने के लिए बगदाद से एक कारीगर बुलवाया गया, जो पत्थर पर घुमावदार अक्षरों को तराश सकता था।

इसी तरह बुखारा शहर से कारीगर को बुलवाया गया था, वह संगमरमर के पत्थर पर फूलों को तराशने में दक्ष था। वहीं गुंबदों का निर्माण करने के लिए तुर्की के इस्तम्बुल में रहने वाले दक्ष कारीगर को बुलाया गया और मिनारों का निर्माण करने के लिए समरकंद से दक्ष कारीगर को बुलवाया गया था और इस तरह अलग-अलग जगह से आए करीगरों ने ताजमहल बनाया था।

आगरा के अन्य दर्शनीय स्थल

आगरा में ताजमहल के अलावा अन्य दर्शनीय स्थल हैं, जो बरबस यहां आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें प्रमुख हैं-

आगरा का लाल किलाः जिस स्थान पर आगरा का किला स्थित है, बहुत समय पहले यहां बादलगढ़ का किला हुआ करता था। हालांकि समय के साथ-साथ वह किला नष्ट हो गया था। मुगल सम्राट अकबर ने 1563 ई. से 1573 ईस्वी तक लगभग 8 वर्षों में बादलगढ किले के ध्वंस अवशेषों पर इस किले का निर्माण करवाया था। मुगल सम्राट अकबर ने इस किले में अकबरी महल, जहांगीरी महल, प्राचीर तथा प्रवेश द्वार अकबर ने बनवाए थे, जबकि शीश महल, खास महल, दीवाने आम और दीवाने खास तक मोती मस्जिद का निर्माण अकबर के पोते सम्राट शाहजहां ने करवाया था। इस किले में दिल्ली दरवाजा, अमरसिंह दरवाजा, दरियाई दरवाजा तथा दर्शनी दरवाजा नामक चार दरवाजे हैं। पर्यटको के लिए प्रवेश द्वार के रूप में अमर सिंह दरवाजा ही खुला होता है। किले के अंदर तीन मस्जिदें भी हैं – मीना मस्जिद, शाही मस्जिद और नगीना मस्जिद जो दर्शनीय है।

रामबागः यह बाग अपनी हरियाली और सुंदरता से यहां आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बाबर द्वारा बनाए गए इस बाग के बारे में कहा जाता है कि यह भारत का पहला मुगल उद्यान था। इस बाग के सौंदर्य को पास बहती यमुना नदी और भी मनमोहक बना देती है।

प्यार की निशानी ताजमहल की ये 5 बातें आपको कर देंगी हैरान

ताजमहल, उसकी खूबसूरती और उससे जुड़ी खूबसूरत यादों के बारे में सभी बातें करते हैं। मगर इस धरोहर के बारे में जितना सुनों उतना कम ही लगता है, परंतु इसमें से कुछ हकीकत और कुछ फसाना भी हैं। हम यहां आपको ताजमहल से जुड़ी ऐसी 5 बातें बता रहे हैं, जो संभवत: आप नहीं जानते होंगे-

आगरा में नहीं बनना था ताजमहल

ताजमहल का निर्माण आगरा में नहीं होने वाला था, मुमताज महल जिसके लिए ताजमहल बनवाया गया था, उनकी मौत दरअसल आगरा में हुई ही नहीं थी, उनकी मौत बुरहानपुर में हुआ था, जो आज के समय में मध्य प्रदेश में है। शाहजहां ने ताज महल के लिए बुरहानपुर में ताप्ती नदी के ठीक किनारे एक जगह पसंद की थी, लेकिन बुरहानपुर में जरूरत के अनुसार सफेद मार्बल नहीं पहुंच सके, इसलिए बाद में ताजमहल आगरा में बनाने का फैसला किया गया। बुरहानपुर में ताप्ती नदी के किनारे आज भी वह जगह विरान पड़ी है।

क्या सच है कि काला ताजमहल भी होता ?:

ताजमहल के बारे में कहा जाता है कि शाहजहां यमुना के किनारे काले संगमरमर में ताजमहल की प्रतिकृति बनाना चाहते थे। शाहजहां को यह विचार जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर नाम के एक यूरोपीय यात्री ने दिया था, जो 1665 में आगरा में था। दावा यह भी किया जाता है कि औरंगजेब के कारण शाहजहां की योजना पूरी नहीं हो सकी, क्योंकि औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को कैद कर लिया था। यमुना नदी से लगे महताब बाग में कुछ काले मार्बल देखे भी गए थे, लेकिन बाद में जांच परख के बाद इतिहासकारों और आर्केलॉजिस्ट सोसाइटी ने इस बात का खुलासा किया कि दरअसल महताब बाग में मिले काले मार्बल गंदगी के कारण काले पड़ गए हैं। वह मूल रूप से सफेद ही थे, इसलिए यह बात अफवाह से कम नहीं कि शाहजहां काले ताजमहल भी बनवाना चाहता था।

क्या सचमुच कारीगरों के हाथ काटे गए थे?

ताजमहल के बारे में यह कहा जाता है कि उसने ताजमहल बनाने वाले सभी कारीगरों के हाथ काट दिए थे और कुछ को मार भी दिया था, लेकिन इतिहास में कहीं भी इस बात का साक्ष्य नहीं पाया गया।

ताजमहल को उजाड़ना चाहते थे अंग्रेज?

ताजमहल से जुड़ी कहानियों में एक नाम और आता है, भारत के गर्वनर जनरल लॉर्ड विलियम बेनटिंक का। कहा जाता है कि लॉर्ड ताजमहल को गिराना चाहता था और उसके मार्बल की नीलामी करना चाहता था। इस बात के भी कहीं सबूत नहीं पाए गए। हालांकि उसके बायोग्राफर जॉन रोसेली ने अपनी किताब में एक जगह लिखा है कि आगरा फोर्ट को बनाने के बाद बचे हुए मार्बल्स को लॉर्ड ने नीलाम कर दिया था।

ताजमहल में लगा है एक लैंप

ताजमहल में एक लैंप लगा हुआ है। कहा जाता है कि इसे बनाने में दो वर्ष का वक्त लगा था। इसे खास ताजमहल की नक्काशी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। इसे मिश्र के कुछ कलाकार और टोड्रोस बदीर नाम के आर्टिस्ट ने मिलकर बनाया था।

ताजमहल के रहस्य

- आपको यह जानकर हैरानी होगी की ताजमहल का आधार (नीव) लकड़ी पर टिकी है। इस लकड़ी की खासियत यह है कि यह लकड़ी जितनी पानी में रहती है, उतनी ही ज्यादा मजबूत होती है। यमुना नदी का पानी आज भी इस लकड़ी को मजबूत करता है।
- ताजमहल की छत में एक छेद है, जिसमें से बरसात के समय आज भी पानी टपकता है। इसके बारे में एक दंतकथा प्रचलित है कि शाहजहां ने ताजमहल बनने के बाद सभी कारीगरों के हाथ कटवाने का ऐलान कर दिया था। ऐसा माना जाता है कि शाहजहां चाहते थे कि ऐसी खूबसूरत इमारत दोबारा न बनाई जा सके। शाहजहां के इस फैसले से कारीगर नाराज हो गए, जिसके फलस्वरूप कारीगरों ने जानबूझकर ताजमहल के गुंबद में एक छेद छोड़ दिया था। हालांकि इस कहानी का कोई ऐतिहासिक सत्य नहीं है। ताजमहल का इतिहास में बस यह एक प्रचलित कथा है।
- सन् 1983 में ताजमहल को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया गया।
- ताजमहल का इतिहास का सबसे बड़ा पुरस्कार है कि ताजमहल दुनिया के सात अजूबो में शामिल है।
- ताजमहल में लगे फव्वारे किसी भी पाइप लाईन से नहीं जुड़े हैं। बल्कि हर फव्वारे के नीचे एक तांबे का टैंक बना हुआ है, जो सभी एक ही समय पर भरते हैं और दबाव बनने पर एक साथ सभी फव्वारे चल जाते हैं।
- ताजमहल वर्ल्ड में एक दिन में सबसे ज्यादा देखी जानी वाली इमारत है। ताजमहल को एक दिन में लगभग 12000 सैलानी देखते हैं।
- ताजमहल की कलाकृति में 28 तरह के कीमती पत्थरों को लगाया गया है।
- ताजमल की चारों मीनारें एक दूसरे की ओर झुकी हुई हैं।
- शाहजहां ने जब पहली बार ताजमहल का दीदार किया तो उसने कहा कि ये सिर्फ प्यार की कहानी बयां नहीं करेगा, बल्कि उन सबको दोष मुक्त भी करेगा, जो इस पाक जमीं पर अपने कदम रखेंगे और चांद सितारे इसकी गवाही देंगे।
- द्वितीय विश्व युद्ध 1971 भारत-पाक युद्ध के समय इस भव्य इमारत को सुरक्षा की दृष्टि से ताजमहल के चारों ओर बांस का सुरक्षा घेरा बनाकर उसे हरे रंग की चादर से ढक दिया गया था।

स्वास्थ्यवर्धक सीताफल

सीताफल में विटामिन बी-1, ए, बी-2 और सी पाया जाता है। इसका फल गोलाकार, छोटी-छोटी गोल कृतिवाली, बाहर से उभरी हुई पेशियों के कारण मनोहर कलाकृति के समान लगता है। यह अत्यन्त ठंडा होता है। अधिक खाने पर जुकाम हो जाता है। इनके फल में अनेक बीज काले और चिकने होते हैं। बीजों के आसपास सफेद मीठी गिरी होती है। इसे ही खाया जाता है।

शरीर की दुर्बलता, थकान, अशक्ति, मांस-पेशियां क्षीण होने की दशा में सीताफल का सेवन करने से मांसवृद्धि होती है। यह शरीर के लिए अत्यन्त श्रेष्ठ फल है। घबराहट, ह्वदय की क्रिया को स्वाभाविक बना देता है। इसकी एक बड़ी किस्म और होती है, जिसे रामफल कहते हैं। व्रत के दिनों में फलाहार के रूप में इसे खाते हैं। पूरक आहार के रूप में इसका सेवन किया जाता है। कुछ लोग सीताफल को अन्नुस भी कहते हैं। निम्न रोगों पर चिकित्सा संबंधी उपयोग दिए जा रहे हैं, इनका प्रयोग करें और रोगों को दूर भगाएं-

अतिसार

सीताफल का कच्चा फल खाना अतिसार और पेचिश में उपयोगी है।

घाव पर

सीताफल के पत्तों को पीसकर, सेंधा नमक मिलाकर पुल्टिस को घाव पर बांधने से उसमें पड़े हुए कीड़े मर जाते हैं।

दूसरी विधि

कच्चे अपक्व फोड़ों पर सीताफल के पत्ते, कच्ची तंबाकू और सूखे चूने में शहद मिलाकर घाव पर बांधने से शीघ्र पकता है और भीतरी पीप बाहर निकलकर घाव शीघ्र ठीक होता है।

जुएं या लीख में

कच्चे सीताफल का चूर्ण या इसके बीज का चूर्ण बनाकर रात में सोने से पूर्व सिर में खूब लगाकर सिर को कपड़े से बांध लें। इससे सिर के बालों में पड़ी जुएं और लीखें मर जाती हैं।

पित्त में

पके सीताफल को खुली जगह ओस में रख दें। सवेरे खाने से पित्त का दाह शांत होता है।

मासिक धर्म

यदि मासिक बंद हो गया हो, तो सीताफल के बीज की गर्म बत्ती बनाकर स्त्री योनि में रखने से बंद मासिक आना शुरू हो जाता है।

सावधानियां

सीताफल को अधिक मात्रा में सेवन करने से ठंड लगकर बुखार आ जाता है। अत्यधिक खाने से व्यक्ति बीमार हो जाता है। सीताफल का बीज आंख में जाने पर दाह-जलन करता है, इससे आंखें खराब हो जाती हैं। जुएं या लीखें मारने के लिए उनके बीज का चूर्ण सिर में भरते समय आंख में न चला जाए। सीताफल न पचने पर फायदे के बदले नुकसान भी कर देता है।

संतुलित आहार स्वस्थ जीवन का रहस्य

आपको जितनी भूख हैं उसका तीन-चौथाई ही खाएं। एक चौथाई भाग पानी के लिए छोड़ दें। खाना खाने के थोड़ी देर बाद पानी पिएं। इससे खाना अच्छा पचेगा। भोजन को पचाने में रेशेदार तत्वों का भी विशेष महत्व हैं अपने आहार में रेशेदार व रसीले फलों को भी लें। इनसे विटामिन्स भी मिलेंगे और भोजन पचने में मदद भी मिलेगी। पौष्टिक तत्वों के लिए भोजन में अंकुरित अनाजों का भी समावेश करें यदि आप चाहते हैं कि आपका शरीर सुडौल रहे तो अपने भोजन में अधिक मसाले, तेल व शक्कर का प्रयोग न करें। प्रतिदिन भोजन में कच्चाी सब्जियों व फलों का प्रयोग सलाद के रूप में करें। ये मोटापे से आपको दूर रखेंगे।

यदि आपको अक्सर पार्टियों में जाना पड़ता हैं तो दूसरे दिन उसको संतुलित करने के लिए सूप, फलों का जूस, फल, सलाद एक समय का आहार रखें। पातन शक्ति इससे सही रहेगी। जब भूख लगी हो तो तब न खाकर बाद में अधिक खाना शरीर की स्वाभाविक प्रक्रिया में बाधा पहुंचाता हैं ऐसी गलती न करें। भूख के अनुसार ही खाएं। विटामिन्स, प्रोटीन्स, खनिज जो शरीर के लिए जरूरी हैं। ऐसे सभी पदार्थों को प्रतिदिन अपने आहार में जरूर रखें। जहां तक हो सके, शीघ्र सुपाच्य पदार्थों का ही सेवन करें। इससे आप कब्ज या गैस जैसे रोगों से बचे रहेंगे। खाना खाने का भी सही तरीका अपनाएं। प्रसन्न मन से एक जगह बैठ कर भोजन करें। इस समय तनाव और चिंता छोड़ दें।

अच्छे सलीके से किए गए भोजन से तन और मन दोनों ही प्रभावित होते हैं। भोजन के साथ-साथ अच्छे स्वास्थय के लिए प्रतिदिन 8 से 10 गिलास तक पानी पिएं।

हेल्थ प्लस

बीमारियों से बचाते हैं एंटीऑक्सीडेंट्स

एंटी-ऑक्सीडेंट्स फ्री रेडिकल्स से होने वाली क्षति से बचाते हैं। ये हार्ट डिजीज से बचाव एवं सुरक्षा करते हैं।

एंटी ऑक्सीडेंट्स ऐसे तत्त्व हैं, जो कई प्रकार की बीमारियों से शरीर की रक्षा करते हैं। इनसे बुढ़ापे की प्रक्रिया धीमी होती हैं। ये विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन ई से मिलते हैं। यह फ्री रेडिकल्स से होने वाली क्षति से शरीर को बचाते हैं। ये हार्ट डिजीज से बचाव एवं सुरक्षा करते हैं, चाहे रक्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम या ज्यादा होती रहे। ये एलडीएल कोलेस्ट्रॉल की प्रक्रिया को उल्टा कर देते हैं। यह विटामिन कई प्रकार के होते हैं और फल एवं सब्जियां प्राकृतिक रूप से इनसे भरपूर हैं जिनका सेवन हम आराम से कर सकते हैं, जबकि दवाइयों में बहुत साइड इफेक्ट हैं।

विटामिन-ए

विटामिन ए दो प्रकार के होते हैं। पहला जो पशु और उसके पदार्थों से प्राप्त होता है जैसे मांस, दूध आदि जिसे रेटिनोल कहते हैं और दूसरे जो फल एवं सब्जी से प्राप्त होता है जिसे बीटा केरोटीन कहते हैं। यही बीटाकेरोटीन एंटी ऑक्सीडेंट की तरह काम करते हैं। रंगीन फल एवं सब्जियां इसका एक अच्छा स्त्रोत है, जैसे साग, धनिया, गोभी, गाजर, सीताफल, आम, पपीता एवं टमाटर, यह केरोटीन शरीर के अंदर विटामिन ए में बदल जाता है। यह पकाने या अल्ट्रा वायलट किरणों से भी खराब नहीं होता, किंतु इसका केवल 30 से 40 प्रतिशत हिस्सा ही शरीर में रहता है। प्रतिदिन व्यक्ति को रेटिनोल 600 माइक्रोग्राम और बीटा केरीटीन 2400 माइक्रोग्राम की आवश्यकता होती है।

विटामिन-सी

विटामिन सी का सबसे बड़ा स्त्रोत आंवला है। यह नीबू , संतरा, मौसमी, स्ट्राबेरी, अमरूद, फूलगोभी और हरी पत्तेदार सब्जी जैसे साग में पाया जाता है।

विटामिन-ई

विटामिन ई भी एंटी ऑक्सीडेंट्स की तरह काम करता है। यह हमारे शरीर की रक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। यह व्हाइट ब्लड सेल्स को मजबूत करता है और हार्ट डिजीज से बचाता है। यह आटे, अंकुरित दालों और हरे साग में पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है।

खून की कमी

आपको थकान महसूस हो रही है तो हो सकता है खून की कमी हो या रक्त में कुछ तत्व कम हों। भोजन में लौह-तत्व, खनिज लवण की पूर्ति करें। पत्तेदार सब्जियां और फल खाएं। भारत में रक्ताल्पता अर्थात् खून की कमी के रोगी सर्वाधिक हैं। यह अनुपात पुरूषों की अपेक्षा स्त्रियों में अधिक देखने में आता है। शरीर में खून की मात्रा 4 से 6 लीटर होती है। जब खून में लाल रक्त कणिकाएं कम होने लगती हैं। इस रोग में रोगी का चेहरा पीला या काला, आंखें सफेद, शारीरिक कमजोरी, शीघ्रता से थकान, मानसिक अवसाद, स्नायु एवं स्मृति दौर्बल्य आदि लक्षण प्रकट होने लगते हैं। किसी भी प्रकार के रक्तालपता में कुछ प्रयास अत्यन्त लाभकारी हो सकते हैं।

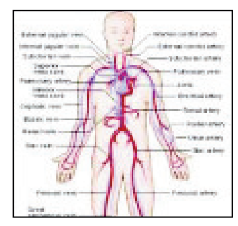

आयरन की भरपाई

इस रोग में खून में लौह तत्व की कमी आने लगती है। अत: अपने भोजन में लौह-तत्व की पूर्ति करने हेतु फलों में सेब, अंजीर, मुनक्का, अनार, पपीता व सब्जी में पालक, मेथी, गाजर, बथुआ, चुकंदर, खूबानी आदि को रात्रि में लोहे की कड़ाही में पानी के साथ 6 घंटे भिगोने के बाद प्रयोग करें, ऐसा करने से तेजी से खून में आयरन की मात्रा बढ़ेगी।

जरूरी है विटामिन बी-12

खून की कमी के दौरान शरीर को विटामिन बी-12 की सख्त आवश्यकता होती है, जो खून में लाल रक्त कणिकाओं को तेजी से बढ़ाता है। अनार, सेब, चुकंदर में पाए जाने वाला आयरन शरीर में पहुंचकर विटामिन बी-12 में बदल जाता है। यदि सुबह के समय पेट की मिट्टी पट्टी व एनिमा लेकर नीबू पानी व शहद के साथ फल व कच्ची सब्जियों का प्रयोग किया जाए, तो विटामिन बी-12 की पूर्ति होता है।

खनिज लवण जरूरी

खून की कमी के दौरान शरीर में खनिज लवणों की कमी आ जाती है जो कि शरीर को पानी द्वारा पूर्ति नहीं हो पाती है। यदि इस दौरान शरीर को जैतून तेल से धूप मालिश व धूप सर्वांग मिट्टी लेप दिया जाए तो शरीर इस प्रक्रिया द्वारा खनिज लवणों की मूर्ति कर खून को कोबाल्ट, मैग्नीशियम, कॉपर आदि की पूर्ति कर चेहरा एवं त्वचा को कांतिमय बनाता है।

ऑक्सीजन हो पर्याप्त

खून की कमी का एक मुख्य कारण शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा कम होना भी है। जब शरीर में ऑक्सीजन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध रहती है, तो ऑक्सीजन श्वेत रक्त कणिकाओं व प्लाज्मा के संयोजन द्वारा लौह तत्व की पूर्ति कर लाल रक्त कणिकाओं की संख्या बढ़ाता है। जब शरीर में ऑक्सीजन शुद्ध एवं भरपूर पहुंचता है, तो खून के सारे अवयव ठीक कार्य करते हैं। ऑक्सीजन की पूर्ति के लिए सुबह की खुली ताजा हवा में तेज गति से घूमना बेहद लाभकारी साबित हो सकता है। घूमने की प्रक्रिया के दौरान तेजी से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है।

अंकुरित भोजन

भोजन में जीवंत खाद्य पदार्थ शामिल करें, जैसे अंकुरित अनाज, दाल, फल, सब्जी, सलाद आदि। जीवंत भोजन नई कोशिकाओं को पैदा कर ऊर्जा देता है, नई कोशिकाएं शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा को बढ़ाकर खून की कमी को दूर करती हैं तथा साथ ही हरी दूब व गेहूं के जवारे का 50 से 60 मिग्रा. रस खून में हीमोग्लोबिन की मात्रा को तेजी से बढ़ाता है, जिसे 'ग्रीन ब्लड' कहा जाता है। अब तक की धारणा थी कि मांसाहार खून की कमी को पूरा करता है। लेकिन, असल में ऐसा नहीं है। मांसाहार शरीर में हीम लौह की मात्रा के साथ-साथ कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी तेजी से बढ़ाता है, जो कि दिल का दौरा व उच्च रक्तचाप के लिए जिम्मेदार है। प्रकृति में पाया जाने वाला क्लोरोफिल, आयरन व विटामिन्स खून की कमी को सही तरीके से पूरा करते हैं।

मां का भोजन

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने विस्तृत अध्ययन के बाद बताया कि गर्भवती महिलाओं को पर्याप्त मात्रा में प्रोटीनयुक्त आहार नहीं मिले तो उनके शिशुओं की आयु कम हो जाती है। शोधकर्ताओं ने चूहियों पर अध्ययन के बाद यह जानकारी दी। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के विज्ञानियों का कहना है कि अध्ययन के दौरान जिन चूहियों को पर्याप्त मात्रा में संतुलित भोजन दिया गया उनके बच्चे ज्यादा दिनों तक जीवित रहे, जबकि जिन्हें असंतुलित आहार दिया गया उनके बच्चों की मौत जल्दी हो गई। शोधकर्ताओं का कहना है कि चुहियों पर किया गया अध्ययन सीधे तौर पर महिलाओं पर लागू नहीं होता, लेकिन नेचर में छपी खबर के अनुसार जन्म के समय औसत से कम वजन वाले बच्चों को बढ़ती उम्र के साथ दिल की बीमारी के साथ-साथ दूसरे जानलेवा रोगों से पीड़ित होने का खतरा बना रहता है।

शोधकर्ता सुसान ओजानेने का कहना है कि अध्ययन से इस बात की पुष्टि हो गई है कि गर्भवती महिलाओं को समुचित मात्रा में प्रोटीनयुक्त आहार मिले, तो शिशु की आयु औसतन बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार नहीं मिलने पर भरूण का पर्याप्त विकास नहीं हो पाता। सुसान का कहना है कि शिशु के जन्म के बाद भी महिलाओं को प्रोटीनयुक्त भोजन नहीं मिलने पर शिशु की जिंदगी पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

काकुरो पहेली - 1961

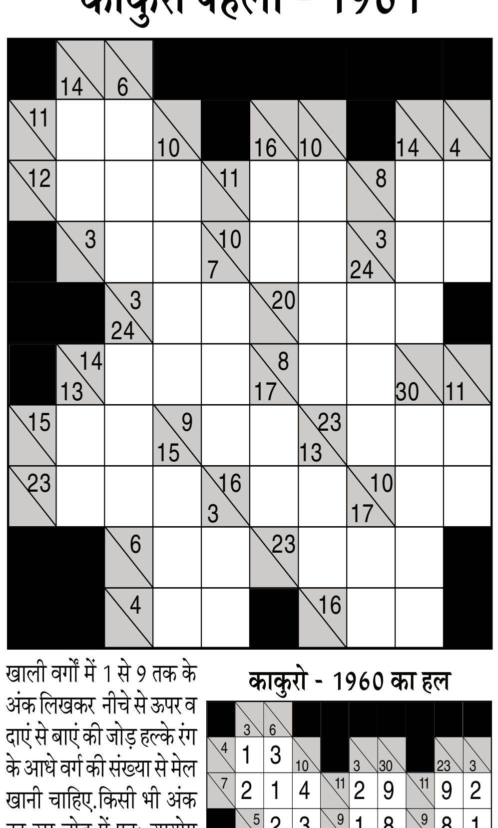

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

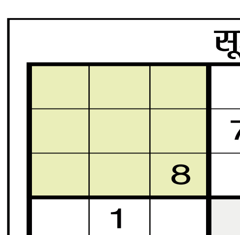

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1960 का हल

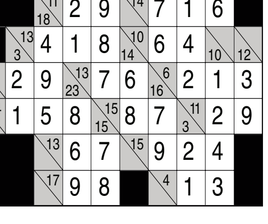

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा- 'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा- 'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला- 'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला- 'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा- 'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला- 'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

सीता- 'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता- 'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली - 1961

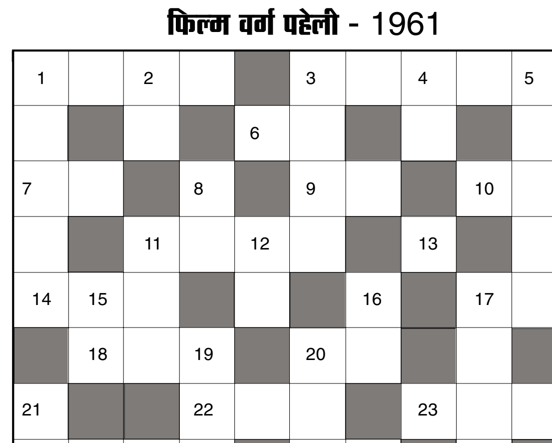

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमुता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 1960

सूडोकु -1961

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1960 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 1961

बाएँ से दाएँ

1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली - 1960 का हल

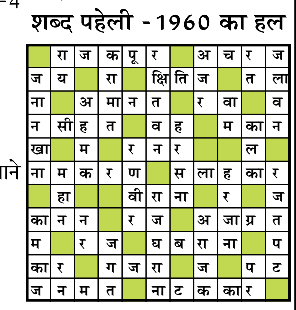

जापान के विदेश मंत्री ने की दिल्ली मेट्रो की यात्रा

एजेंसरी

नई दिल्ली। जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी ने केंद्रीय सचिवालय से पटेल चौक तक दिल्ली मेट्रो में यात्रा की। इस दौरान उनके साथ भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची भी रहे। दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन (डीएमआरसी) ने एक विज्ञप्ति जारी करके यह जानकारी दी। विज्ञप्ति के मुताबिक, जापान के विदेश मंत्री मोटेगी तोशिमित्सु के साथ आए प्रतिनिधिमंडल को केंद्रीय सचिवालय में डीएमआरसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने दिल्ली मेट्रो परियोजना के बारे में जानकारी दी गई। इसके बाद विदेश मंत्री मोटेगी तोशिमित्सु और प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय सचिवालय से पटेल चौक तक और वापस पटेल चौक से केंद्रीय सचिवालय तक यात्रा की। जापान के विदेश मंत्री ने अपने इस दौरे के दौरान दिल्ली मेट्रो के निर्माण और संचालन के विभिन्न पहलुओं में गहरी रुचि दिखाई, जो भारत-जापान की मित्रता और सहयोग का गौरवशाली प्रतीक है। जापान अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जेआईसीए) ने चरण 1 से ही दिल्ली मेट्रो परियोजना को वित्तीय सहायता प्रदान की है।

दिल्ली में आयुर्वेद स्टार्टअप्स के लिए एमएसएमई पर जागरूकता कार्यक्रम

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने 'राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस 2026' के अवसर पर आयुर्वेद क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। संस्थान के स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर, 'आयुर्वेद नवाचार एवं उद्यमिता इनक्यूबेशन सेंटर' (एआईआईए-आईसीएएनईएन) ने नई दिल्ली परिसर में आयुर्वेद आधारित स्टार्टअप्स के लिए एमएसएमई अवसर विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। आयुष मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, यह कार्यक्रम भारत सरकार के एमएसएमई विकास एवं सुविधा कार्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य युवा उद्यमियों को सरकारी योजनाओं और नवाचार से जोड़ना है। कार्यक्रम के दौरान नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और स्टार्टअप विशेषज्ञों ने आयुर्वेद पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए सरकारी सहायता, वित्तीय तंत्र, बौद्धिक संपदा और प्रमाणन और मानक पर विचार साझा किए। इस मौके पर डॉ. अरुण कुमार, एमएसएमई के उप निदेशक सुनील कुमार, प्रो. मंजुषा राजगोपाला, एमएसएमई के संयुक्त निदेशक डॉ. आर.के. भारती, डीपीआईआईटी की पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक संगीता नागर और एसआईडीबीआई की वरिष्ठ प्रबंधक ज्योति नीरज सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से ममता बनर्जी ने कहा- लोकतंत्र और संविधान को संकट से बचाइए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और अन्य व्यक्तियों से संविधान और लोकतंत्र की रक्षा का आह्वान करते हुए कहा कि कृपया लोकतंत्र और संविधान को संकट से बचाइए। सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा जरूरी है। हमें अपने इतिहास और सीमाओं की भी रक्षा करनी होगी। यहां मुख्य न्यायाधीश मौजूद हैं, आप सभी मौजूद हैं। यह टिप्पणी जलपाईगुड़ी में कोलकाता उच्च न्यायालय की सर्किट बेंच के स्थायी भवन के उद्घाटन समारोह के दौरान की। मुख्यमंत्री ने जलपाईगुड़ी में एक सार्वजनिक मंच से केंद्रीय जांच एजेंसियों पर परोक्ष रूप से तीखा हमला बोला। खास बात यह रही कि उस समय मंच पर सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई समेत तमाम गणमान्य लोग मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का नाम लिए बिना कहा कि 'कुछ एजेंसियां योजनाबद्ध तरीके से सम्मान और मानहानि करने की कोशिश कर रही हैं। 'मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से न्याय व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाओं को खतरा पैदा हो रहा है।

प्राचीन भारत वैज्ञानिक दृष्टि से रहा विश्व का पथ प्रदर्शक : डॉ. कृष्ण गोपाल

वाराणसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)के सह सरकार्यवाह डॉ.कृष्णगोपाल सम्पूर्णानन्द संस्कृति विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय प्राचीन शिक्षा व्यवस्था एवं उसके बहुआयामी ज्ञान-विज्ञान पर केन्द्रित विमर्श में हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत न केवल आध्यात्मिक चेतना का केन्द्र था, अपितु वह व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक ज्ञान की दृष्टि से विश्व का पथ प्रदर्शक रहा है। डॉ कृष्णगोपाल ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था के विभिन्न स्वरूपों पर चर्चा की। उन्होंने लगभग पांच हजार वर्ष पूर्व की भारतीय शिक्षा व्यवस्था के स्वरूप, उसकी वैज्ञानिक दृष्टि तथा वैश्विक महत्ता का उल्लेख किया। कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा के इन प्रामाणिक पक्षों को ठोस सन्दर्भों, शास्त्रीय प्रमाणों एवं अनुसंधानात्मक दृष्टि के साथ वैश्विक पटल पर प्रस्तुत किया जाए। डॉ. कृष्णगोपाल ने विश्वविद्यालयीय आचार्यों के साथ व्याकरण एवं भाषा शास्त्र, स्थापत्य एवं नगर नियोजन, भवन निवेश एवं निर्माण विज्ञान, पाकशास्त्र, रसायन विज्ञान, वस्त्र निर्माण, धातु विज्ञान, नक्षत्र विज्ञान एवं खगोल विद्या, चिकित्सा विज्ञान तथा गणित विद्या जैसे विविध विषयों पर गहन विमर्श किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन सभी विषयों में प्राचीन भारत की उपलब्धियाँ केवल सैद्धान्तिक नहीं थीं, बल्कि वे व्यावहारिक, प्रयोगसिद्ध एवं समाजोपयोगी थीं।

भारत की आत्मा सेवा, सहिष्णुता और संस्कार में बसती है : दत्तात्रेय होसबाले

एजेंसी

दरभंगा। मिथिला की पावन धरती पर आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विशेषताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि मिथिला आना माता सीता की गोद में आने जैसा है। उन्होंने साधु-संतों, महात्माओं, संघ कार्यकर्ताओं तथा माताओं-बहनों का अभिनंदन करते हुए भारत भूमि को नमन किया। दत्तात्रेय होसबाले ने अपने संबोधन में कहा कि भारत वह भूमि है जहां 'कंकर-कंकर में शंकर' और 'बाल-बाल में राम' का भाव बसता है। यहां पेड़-पौधे, फूल-फल तक पूज्य हैं और भारतीय सभ्यता करुणा, संवेदना और सेवा पर आधारित रही है। उन्होंने कहा कि भारत ने सदैव शरण दी है, चाहे

तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा हों या पारसी और यहूदी समुदाय, जिन्होंने सम्मानपूर्वक जीवन जीते हुए देश की प्रगति में योगदान दिया। इतिहास का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हजार वर्षों के संघर्ष के बावजूद भारत ने कभी हार नहीं मानी। सोमनाथ से अयोध्या तक मंदिरों का पुनर्निर्माण इसी संघर्ष और संकल्प का प्रमाण है। उन्होंने चेताया कि जब-जब समाज जाति, भाषा और भेदभाव में बंटा, तब-तब पराजय मिली। अंग्रेजों की 'फूट डालो, राज करो' नीति का उदाहरण देते हुए उन्होंने सामाजिक एकता को मजबूत करने पर बल दिया।

नई पीढ़ी के समक्ष चुनौतियों पर चिंता व्यक्त करते हुए होसबाले ने कहा कि नशाखोरी, पर्यावरण की उपेक्षा और आचरण में गिरावट समाज के लिए घातक हैं। उन्होंने कहा कि राम नाम लेने से स्वर्ग मिलता है, लेकिन राम जैसे कर्म करने से हर युग में स्वर्ग बनता है। बाहरी स्वच्छता के साथ-साथ मन की गंदगी दूर करने का आह्वान करते हुए उन्होंने आचरण सुधार पर जोर दिया। देश के भविष्य पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत को भारत बनाए रखना विश्व के लिए आवश्यक है। कुटीर उद्योग, स्थानीय संस्कृति, परंपरा और नैतिक मूल्यों की रक्षा से ही राष्ट्र सशक्त बनेगा।

बंगाल में फर्जी आईडी, घुसपैठ और सियासत का चल रहा खेलः संबित पात्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शासन पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को भारतीय नागरिक बनाने के लिए फर्जी आईडी का बड़ा रैकेट चल रहा है। संबित पात्रा ने यह बात आज नई दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कही। उन्होंने ममता सरकार पर 'घुसपैठियों को संरक्षण' देने का संगीन आरोप लगाया और कहा कि टीएमसी की छत्रछाया में ऐसी 'दुकानें' खुली हैं, जो करोड़ों रुपये लेकर घुसपैठियों को दस्तावेज मुहैया करा रही हैं।प्रवक्ता ने कहा कि मुर्शिदाबाद में हुई हालिया हिंसा का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल आज 'बंग-भंग' (1905 के विभाजन) जैसी स्थिति की ओर बढ़ रहा है। मुर्शिदाबाद में हिंसा का तांडव मचा हुआ है। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-12 को ब्लॉक कर दिया गया है और रेल सेवाएं पूरी तरह ठप हैं। उपद्रवी ट्रेनों में आग लगा रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इसे रोकने के बजाय सही ठहरा रही हैं। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी इसे अल्पसंख्यकों का गुस्सा बताकर जायज ठहरा रही हैं। अंग्रेजों ने 1905 में बंगाल को तोड़ने की जो कुचेष्टा की थी, वह तुष्टिकरण का नतीजा थी। आज ममता भी उसी तुष्टिकरण की नींव पर बंगाल को देश से अलग-थलग करने की कोशिश कर रही हैं। पात्रा ने कहा कि जब प्रवर्तन निदेशालय छापेमारी करती है, तो मुख्यमंत्री खुद जाकर फाइलें छीनने की कोशिश करती हैं, जो भारतीय इतिहास में अभूतपूर्व है।

2024 के बाद से तथाकथित इंडी गठबंधन बिखरता जा रहाः डॉ. सुधांशु त्रिवेदी

एजेंसी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने लखनऊ स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित किया। डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों में शानदार सफलता हासिल करते हुए भारतीय जनता पार्टी जिस स्थिति में पहुंची है, उससे एक बात स्पष्ट है कि विपक्षी दल, जो लगातार हार से कुंठित हैं और वोटों के लालच में घुसपैठिया परस्त हैं, अब निरंतर ध्वस्त होते चले जा रहे हैं। परंतु इसके साथ ही, इंडी गठबंधन की सरकारों का रवैया घनघोर लोकतांत्रिक विरोधी है।

भाजपा सांसद ने कहा कि 2024 के बाद जितने भी चुनाव हुए हैं, यह तथाकथित इंडी गठबंधन एक के बाद एक बिखरता जा रहा है। 2025 में पहले दिल्ली में आम आदमी पार्टी अलग हुई, केरल के स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस और कम्युनिस्ट अलग-अलग लड़े और महाराष्ट्र के चुनावों में शिवसेना उबाठा (यानी उद्धव ठाकरे जी की शिवसेना) और कांग्रेस भी अलग हो गए। यह तय

माना जाए कि बंगाल के चुनाव में टीएमसी कांग्रेस को कोई सीट नहीं देने जा रही है। तमिलनाडु के चुनाव में डीएमके, जो उनकी सबसे बड़ी सहयोगी दल है और जो इरेडिकेशन ऑफ सनातन धर्म यानी हिंदू धर्म को समूल नाश करने के संकल्प के लिए मशहूर है, वह 239 में से एक चौथाई सीट भी कांग्रेस को देने के लिए तैयार नहीं है।

बीएमसी के चुनाव में सपा के अरमानों पर गिरी गाज डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सबसे मुख्य विपक्षी दल, समाजवादी पार्टी पर बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के चुनावों में, उनके अरमानों पर जो गाज गिरी है। समाजवादी पार्टी केवल एक सीट जीत पाई है, जबकि भारतीय जनता पार्टी पहली बार मुंबई में मेयर बनाने जा रही है। एआईएमआईएम ने चार सीटें जीती हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से भी यह प्रश्न किया जाना चाहिए कि अब उत्तर प्रदेश में इंडी गठबंधन का अस्तित्व है या नहीं? क्योंकि सपा ने उपचुनावों में कांग्रेस को कोई सीट नहीं दी थी और कांग्रेस ने भी आम आदमी पार्टी को दिल्ली के चुनाव में कोई सीट नहीं दी थी।

बिहार में मॉब लिंचिंग की घटनाओं पर जमीअत उलमा के अध्यक्ष का बिहार के मुख्यमंत्री को पत्र, कठोर कार्रवाई की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने हाल के दिनों में बिहार में मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय के विरुद्ध लगातार घटित मॉब लिंचिंग और हत्या की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की है। इस संदर्भ में उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक विस्तृत पत्र लिखकर दोषियों के विरुद्ध तत्काल, प्रभावी और निर्णायक कार्रवाई की मांग की है। अपने पत्र में मौलाना मदनी ने उल्लेख किया है कि महात्मा बुद्ध की कर्मभूमि बिहार सामाजिक सौहार्द, करुणा और अहिंसा की शानदार परंपरा के लिए जानी जाती रही है, लेकिन हालिया घटनाओं ने राज्य की इस ऐतिहासिक पहचान को गंभीर रूप से आघात पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में नफरत फैलाने वाली मानसिकता को खुली छूट दी जा रही है, जिसमें सामान्य असामाजिक तत्वों के साथ-साथ संसद और विधानसभा तक के जनप्रतिनिधि भी शामिल हैं। जब नफरत हिंसा, खून-खराबे और हत्या का रूप ले ले, तब राज्य की चुप्पी अत्यंत घातक सिद्ध होती है। ऐसे में मुख्यमंत्री के रूप में नागरिकों के जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना और जनता के डगमगाए विश्वास को बहाल करना आपकी संवैधानिक और नैतिक जिम्मेदारी है।

मौलाना महमूद मदनी ने पत्र में हालिया सभी गंभीर और चिंताजनक घटनाओं की ओर ध्यान आकृष्ट किया है, जिनमें—नवादा जिले में मुस्लिम कपड़ा व्यापारी मोहम्मद अतहर हुसैन के साथ की गई बर्बरता और बाद में उनकी मृत्यु; गोपालगंज के मठिया गांव में अहमद आजाद को मांस रखने के संदेह में बिजली के खंभे से बांधकर सार्वजनिक रूप से पीटे जाने की घटना; मधुबनी ज़िले के चकदहा बस्ती में मोहम्मद मुर्शिद आलम को 'बांग्लादेशी' बताकर अपहरण, शारीरिक यातना और अपमान का शिकार बनाए जाने का मामला; झंझारपुर में एक मामूली विवाद के बाद मोहम्मद कय्यूम की हत्या और मधेपुरा जिले के मुरलीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत भैरवपट्टी गांव में एक विधवा मुस्लिम मजदूर हिना परवीन का अपहरण, कथित सामूहिक दुष्कर्म और नृशंस हत्या—जैसी दिल-दहला देने वाली घटनाएं शामिल हैं।मौलाना मदनी ने विशेष रूप से हीना परवीन के साथ घटित जघन्य अपराध पर गहरा दुख, पीड़ा और आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि छह मासूम बच्चों की एकमात्र संरक्षक असहाय विधवा की इस प्रकार निर्मम हत्या हमारे समाज की संवेदनशीलता और प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यकुशलता—दोनों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने की केन्द्रीय गृह मंत्री से मुलाकात, कहा- बॉर्डर पर तार शिफ्ट करने पर केंद्र सहमत

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर पंजाब से जुड़े विभिन्न लंबित मुद्दों के शीघ्र और समयबद्ध समाधान पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में सीमावर्ती सुरक्षा प्रबंध, कृषि संकट, अंतरराज्यीय जल विवाद और केंद्र द्वारा ग्रामीण विकास फंड (आरडीएफ) के बकाए के भुगतान में हो रही देरी जैसे विषय प्रमुख रहे।

मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, मान ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा दीवार के जीरो लाइन से काफी अंदर होने के कारण किसानों को हो रही दिक्कतों को भी उठाया और कंटीली तार व सीमा के बीच स्थित बड़ी मात्रा में कृषि योग्य भूमि पर चिंता जताई, जहां पहुंचने के लिए किसानों को रोजाना तार पार करनी पड़ती है।मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित बीज बिल 2025, लंबित सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) विवाद, एफसीआई द्वारा अनाज की धीमी ढुलाई, आढ़तिया कमीशन रोकने, आरडीएफ व मार्केट फीस के भुगतान न होने और चंडीगढ़ प्रशासन में पंजाब की भूमिका घटाए जाने पर कड़ा एतराज जताते हुए इन सभी मुद्दों के त्वरित समाधान की मांग की। प्रस्तावित बीज बिल 2025 पर आपत्ति दर्ज कराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब कृषि प्रधान राज्य होने के बावजूद केंद्रीय बीज समिति में राज्य के प्रतिनिधित्व की गारंटी नहीं देता। जोन आधारित प्रणाली के कारण बीज क्षेत्र से जुड़े फैसलों में पंजाब की आवाज कमजोर हो रही है। उन्होंने कहा कि बीज रजिस्ट्रेशन में राज्य बीज समिति की भूमिका समाप्त कर दी गई है और नुकसान उठाने वाले किसानों के लिए मजबूत मुआवजा व्यवस्था का भी अभाव है। साथ ही विदेशों में परीक्षण की गई बीज किस्मों को स्थानीय कृषि-जलवायु परीक्षण के बिना अनुमति दिए जाने से किसानों के लिए जोखिम बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि किसानों को पूरी तरह कंपनियों पर निर्भर बनाना उचित नहीं है और बिल को मौजूदा स्वरूप में संसद में नहीं लाया जाना चाहिए। गृह मंत्री ने इन चिंताओं पर विचार का भरोसा दिया।

जल विवाद पर पंजाब का पक्ष दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के पास किसी अन्य राज्य को देने के लिए अतिरिक्त पानी नहीं है। सतलुज, रावी और ब्यास के जलस्तर में भारी गिरावट आई है, जिससे एसवाईएल नहर व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने आवंटन को पंजाब के साथ अन्याय बताया और कहा कि सुप्रीम कोर्ट में राज्य का रुख स्पष्ट है। अनाज की ढुलाई और भंडारण पर मुख्यमंत्री ने बताया कि एफसीआई द्वारा सीमित मात्रा में ही गेहूं और चावल की ढुलाई की जा रही है, जबकि बड़े पैमाने पर स्टोरेज की जरूरत है। उन्होंने विशेष रेलगाड़ियों के माध्यम से मासिक ढुलाई बढ़ाने की मांग की आढ़तिया कमीशन, आरडीएफ और मार्केट फीस के लंबित भुगतान का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पंजाब का कानूनी हक है। उन्होंने चंडीगढ़ प्रशासन में 60:40 अनुपात बनाए रखने, एफसीआई पंजाब में पंजाब कैडर अधिकारी की नियुक्ति और सीमावर्ती कंटीली तार को अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट शिफ्ट करने की मांग भी रखी।

उत्तर प्रदेश दिवस पर सांसद अनुराग शर्मा को राज्य प्रतिनिधि की जिम्मेदारी

एजेंसरी

झांसी। उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 24 जनवरी को देश के 20 राज्यों में आयोजित होने वाले भव्य समारोहों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मंत्रियों, सांसदों एवं विधान परिषद सदस्यों को राज्य प्रतिनिधि के रूप में नामित किया गया है। इस सूची में लोकसभा व राज्यसभा के लगभग 12 सांसदों को शामिल किया गया है।

इसी क्रम में झांसी-ललितपुर से लोकप्रिय सांसद अनुराग शर्मा को विशेष महत्व देते हुए राज्य प्रतिनिधि के रूप में नामित किया गया है। सांसद अनुराग शर्मा को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में आयोजित उत्तर प्रदेश दिवस समारोह में राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जहां वे उत्तर प्रदेश की उपलब्धियों और विकास यात्रा को प्रस्तुत करेंगे। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश दिवस मनाने की परंपरा वर्ष 2017 में प्रारंभ हुई थी। तब से अब तक न केवल देश के विभिन्न राज्यों में बल्कि कई देशों में भी उत्तर प्रदेश दिवस का सफल आयोजन किया जा चुका है। इन आयोजनों के माध्यम से राम मंदिर के ऐतिहासिक निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, औद्योगिक विकास, रिकॉर्ड निवेश, आर्थिक प्रगति तथा 2017 के बाद स्थापित मजबूत कानून-व्यवस्था और सुशासन मॉडल को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के एक मॉडल राज्य के रूप में उभरने की यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने का उद्देश्य इन कार्यक्रमों का मुख्य आधार है। सांसद अनुराग शर्मा को यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा जाना झांसी-ललितपुर ही नहीं, पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए गर्व और सम्मान की बात है। उनकी यह भूमिका राष्ट्रीय मंच पर उत्तर प्रदेश की सकारात्मक और प्रगतिशील छवि को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी।

'नीतीश कुमार का मरीन ड्राइव' पुस्तक का लोकार्पण

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व पुस्तक मेले में वरिष्ठ पत्रकार अमलेश राजू की पुस्तक 'नीतीश कुमार का मरीन ड्राइव' का लोकार्पण किया गया।

दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित विश्व पुस्तक मेला में डायमंड बुक्स द्वारा द्वारा प्रकाशित पुस्तक के लोकार्पण समारोह में बिहार विधानमंडल के सदस्य (एमएलसी) और भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह प्रमुख संजय मयूख, वरिष्ठ पत्रकार और गांधीवादी चिंतक अरविंद मोहन, प्रोफेसर प्रमोद कुमार समेत अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। भाजपा नेता संजय मयूख ने पुस्तक को बिहार की विकास यात्रा का प्रतिबिंब बताया और कहा कि यह पुस्तक लाखों रुपये के विज्ञापनों से कहीं अधिक प्रभावी है क्योंकि यह बिहार के बदलते स्वरूप की सच्ची तस्वीर पेश करती है। वरिष्ठ पत्रकार अरविंद मोहन ने कहा कि लंबे समय तक बिहार नकारात्मक कारणों से चर्चा में रहा, लेकिन अब यह राज्य अपनी समृद्धि, इतिहास और संस्कृति को पुनः प्राप्त कर रहा है। मरीन ड्राइव के बहाने लेखक ने बिहार के विकास पर एक नई बौद्धिक बहस छेड़ दी है। भारतीय जनसंचार संस्थान के प्रोफेसर डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि इस पुस्तक में लेखक के तीन दशकों के पत्रकारीय अनुभव की स्पष्ट झलक मिलती है। यह पुस्तक

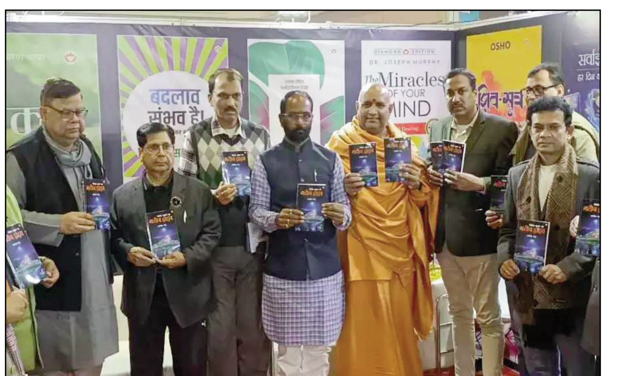

'समाधानपरक पत्रकारिता' का एक बेहतरीन उदाहरण है। पुस्तक के लेखक अमलेश राजू ने बताया कि मरीन ड्राइव सिर्फ एक सड़क नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 20 वर्षों के कार्यों और दूरदृष्टि का एक प्रतीक है। उन्होंने इस पुस्तक के माध्यम से बिहार के बुनियादी ढांचे में आए बदलावों को रेखांकित करने का प्रयास किया है।

इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार मनोहर सिंह, आशीष मिश्र, प्रभात कुमार और डॉ. अनिल ठाकुर (डीयू) और डायमंड बुक्स के अध्यक्ष नरेन्द्र वर्मा सहित राजनीति, आध्यात्म, पत्रकारिता और साहित्य जगत की कई अन्य दिग्गज हस्तियां उपस्थित रहीं।

आरएसएस शताब्दी वर्ष पर कर्नाटक में 3000 से अधिक स्थानों पर होंगे हिंदू सम्मेलन : ना. थिप्पेस्वामी

बेंगलुरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की शताब्दी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में कर्नाटक राज्य में 3000 से अधिक स्थानों पर हिंदू सम्मेलन और समाजोत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आरएसएस के क्षेत्र कार्यवाह ना. थिप्पेस्वामी ने बताया कि ये कार्यक्रम ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सुनियोजित एवं चरणबद्ध तरीके से संपन्न होंगे। बेंगलुरु स्थित राष्ट्रोत्थान परिषद कार्यालय में शनिवार शाम आयोजित एक प्रेस वार्ता में ना. थिप्पेस्वामी ने कहा कि शताब्दी वर्ष के तहत हिंदू सम्मेलन कार्यक्रम 18 जनवरी से 01 फरवरी 2026 तक राज्यभर के ग्रामीण क्षेत्रों तथा शहरी इलाकों में आवासीय वार्ड स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इन आयोजनों में लाखों लोगों की भागीदारी की संभावना है। वहीं, उत्तरी कर्नाटक क्षेत्र में ये सम्मेलन 28 फरवरी तक जारी रहेंगे।

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने सरायकेला में एमएसएमई डिफेंस कॉन्क्लेव-2026 का किया शुभारंभ

एजेंसी

सरायकेला। आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती देने और झारखंड के लघु, मध्यम एवं सूक्ष्म उद्योगों (एमएसएमई) को रक्षा उत्पादन से जोड़ने की दिशा में सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर ऑटो क्लस्टर में 'एमएसएमई डिफेंस कॉन्क्लेव-2026' का भव्य शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय इस राज्य स्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने दीप प्रज्वलित कर किया। यह झारखंड में अपनी तरह का पहला डिफेंस कॉन्क्लेव है, जिसका उद्देश्य उद्योग, रक्षा क्षेत्र और सरकार के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि झारखंड खनिज संसाधनों, मजबूत औद्योगिक आधार और कुशल मानव संसाधन से समृद्ध राज्य है। ऐसे में यहां डिफेंस कॉरिडोर की स्थापना की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में डिफेंस कॉरिडोर सफलतापूर्वक विकसित हुए हैं, वहां राज्य सरकार की इच्छाशक्ति और केंद्र सरकार के साथ बेहतर समन्वय निर्णायक साबित हुआ है। यदि झारखंड सरकार केंद्र के साथ मिलकर आगे

बढ़े, तो राज्य रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में नई पहचान बना सकता है।

संजय सेठ ने रांची में आयोजित एस्टेक कार्यक्रम और अन्य रक्षा संबंधी आयोजनों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन आयोजनों में बड़ी संख्या में स्टॉल और उद्योगों की भागीदारी झारखंड की औद्योगिक क्षमता को दर्शाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिफेंस कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री को आमंत्रित करना किसी प्रकार का राजनीतिक संकेत नहीं, बल्कि राज्य के औद्योगिक विकास के लिए साझा प्रयास का प्रतीक है। रक्षा उत्पादन में भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के बाद कई दशकों तक भारत रक्षा उपकरणों के लिए आयात पर निर्भर रहा, लेकिन बीते कुछ वर्षों में स्थिति तेजी से बदली है। आज भारत 92 से अधिक देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहा है। सरकार ने रक्षा उत्पादन के लिए तीन लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया है, जबकि चालू वित्त वर्ष में रक्षा बजट लगभग दो लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि इस बजट का सबसे बड़ा लाभ एमएसएमई और स्टार्टअप सेक्टर को मिल सकता है। एमएसएमई और स्टार्टअप की भूमिका पर जोर देते हुए संजय सेठ ने कहा कि भारत युवाओं का देश है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करना है। देश में करीब चार करोड़ एमएसएमई हैं, जो लगभग 14 करोड़ लोगों को रोजगार दे रहे हैं, लेकिन इनमें से केवल 16 हजार एमएसएमई ही सीधे तौर पर डिफेंस सेक्टर से जुड़े हैं। इस संख्या को बढ़ाने की आवश्यकता है।

उन्होंने बताया कि स्टार्टअप के मामले में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच चुका है, जो देश की नवाचार क्षमता को दर्शाता है। रक्षा राज्य मंत्री ने आदित्यपुर को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित करने की अपील करते हुए कहा कि यहां मौजूद ऑटोमोबाइल और रेलवे सेक्टर से जुड़े उद्योग रक्षा क्षेत्र में भी आसानी से प्रवेश कर सकते हैं।

पूर्वी चंपारण के कैथवलिया में हुई विश्व के सबसे विशाल सहस्त्रलिंगम महादेव की स्थापना

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। पूर्वी चंपारण जिले के कल्याणपुर प्रखंड अंतर्गत कैथवलिया में अयोध्या-जनकपुर राम-जानकी मार्ग पर स्थित निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर परिसर में विश्व के सबसे विशाल सहस्त्रलिंगम महादेव की विधिवत स्थापना संपन्न हुई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्राण-प्रतिष्ठा के बाद पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव और नमः शिवाय के जयघोष से गूंज उठा।

सहस्त्रलिंगम महादेव की प्राण-प्रतिष्ठा का दायित्व यजमान सायण कुणाल एवं उनकी पत्नी शांभवी चौधरी ने निभाया। बनारस और पटना से आए आचार्यों ने वैदिक विधि-विधान के साथ अनुष्ठान संपन्न कराया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर से चार-पांच किलोमीटर पहले ही वाहनों की आवाजाही रोक दी गई थी, इसके बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल दर्शन के लिए पहुंचते रहे। मंदिर परिसर को फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था। शिवलिंग स्थापना के उपरांत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं विजय कुमार सिन्हा सहित मंत्री विजय चौधरी मंदिर परिसर पहुंचे और विधिवत पूजा-अर्चना व दर्शन किए।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस अवसर पर विराट रामायण मंदिर के आधारभूत ढांचे को और सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह मंदिर भविष्य में विश्व पटल पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाएगा। मुख्यमंत्री ने सड़क चौड़ीकरण, सौंदर्यीकरण तथा मंदिर परिसर स्थित छात्रावास के विकास का आश्वासन दिया, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इससे पूर्व कल्याणपुर विधायक सचिंद्र प्रसाद सिंह, केसरिया विधायक शालिनी मिश्रा, महिला सेल की नेता शोभा सिंह सहित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कई नेताओं ने मुख्यमंत्री और दोनों उप मुख्यमंत्रियों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पूरे क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी तथा बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती रही। हालांकि, मुख्यमंत्री के प्रस्थान के बाद सुरक्षा व्यवस्था में कुछ ढील आते ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर परिसर की ओर उमड़ पड़ी। उत्साहित लोगों ने वीआईपी बैरिकेडिंग तोड़ते हुए सहस्त्रलिंगम स्थापना स्थल की ओर बढ़ना शुरू कर दिया, जिससे कुछ समय के लिए भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। इस दौरान महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे भी भीड़ में फंस गए। पुलिस बल और मंदिर समिति के सदस्यों की तत्परता से स्थिति पर शीघ्र नियंत्रण पा लिया गया।

डेरिल और फिलिप्स के शतकों से न्यूजीलैंड ने रचा इतिहास, भारत के खिलाफ पहली बार बनाया ये रिकॉर्ड

इंदौर (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने इतिहास रच दिया, रविवार को इंदौर में तीसरे और आखिरी वनडे में भारत के खिलाफ वनडे में दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी की जिसमें डेरिल मिशेल और ग्लेन फिलिप्स ने शतक लगाए। सीरीज के तीसरे और आखिरी वनडे में जो एक हाई-स्कोरिंग मैच था। मिशेल और फिलिप्स ने उस समय साझेदारी की जब कीवी टीम 58/3 पर थी और उन्होंने चौथे विकेट की साझेदारी में 219 रन बनाए। यह 2022 में ऑकलैंड में भारत के खिलाफ टॉम लैथम और केन विलियमसन की 221 रन की साझेदारी के ठीक पीछे है।

यह पहली बार है जब न्यूजीलैंड के दो बल्लेबाजों ने एक ही वनडे पारी में भारत के खिलाफ शतक बनाए हैं। जबकि मिशेल ने सीरीज का अपना दूसरा शतक (131 गेंदों में 137 रन, 15 चौकों और तीन छक्के) बनाया और फिलिप्स ने सिर्फ 88 गेंदों में 106 रन बनाए जिसमें नौ चौके और तीन छक्के शामिल थे, उनका स्ट्राइक रेट 120 से ऊपर था।

मिशेल का भारत के खिलाफ शानदार प्रदर्शन रहा है और वह हमेशा 'मेन इन ब्लू' के खिलाफ अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर रहे हैं। उन्होंने 13 मैचों और 11 पारियों में 74.10 की औसत और 93 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 741 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक और सर्वश्रेष्ठ स्कोर 137 है। ये चार शतक सिर्फ 11 पारियों में आए हैं जिनमें से दो ढ्रष्ट्र क्रिकेट विश्व कप 2023 में सेमीफाइनल मुकाबला भी शामिल है। यह वनडे में भारत के खिलाफ कीवी खिलाड़ियों के लिए दूसरा सबसे ज्यादा शतक है जो नाथन एस्टल के 29 पारियों में पांच शतकों को पीछे छोड़ने से सिर्फ दो कम है।

यह भारत में मिशेल का चौथा वनडे शतक है जो एस्टल के साथ न्यूजीलैंड के बल्लेबाज के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा है। इसके अलावा भारत के खिलाफ कम से कम 500 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाजों में मिशेल का औसत सबसे ज्यादा है। उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के जॉर्ज बेली (74), दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज गैरी कर्स्टन (62.6) और जैक्स कैलिस (61.4) और ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा (59.9) हैं।

मिशेल ने तीन पारियों में 176.00 की औसत से कुल 352 रन बनाए हैं, इस सीरीज में उनका स्ट्राइक रेट 110 से ज़्यादा रहा है, जिसमें दो शतक, एक अर्धशतक और बेस्ट स्कोर 137 है। वह इस सीरीज़ में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं और तीन मैचों की वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं। कुल मिलाकर पाकिस्तान के बाबर आजम (2016 में वेस्ट इंडीज़ के खिलाफ 360 रन) और शुभमन गिल (2023 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 360 रन) उनसे आगे हैं।

मैच की बात करें तो भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (3/63) और हर्षित राणा (3/84) की बदौलत भारत ने कीवी टीम को 58/3 पर मुश्किल में डाल दिया था लेकिन मिशेल और फिलिप्स ने 219 रनों की साझेदारी करके जबरदस्त पलटवार किया और शतक बनाए। कप्तान माइकल ब्रेसवेल (18 गेंदों में 28*, जिसमें एक चौका और तीन छक्के शामिल हैं) और क्रिश्चियन क्लार्क (पांच गेंदों में 11 रन, जिसमें एक चौका और एक छक्का शामिल है) ने हैं को 50 ओवर में 337/8 तक पहुंचाया।

लिन चुन यी और आन से यंग बने इंडिया ओपन चैंपियन

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीनी ताइपे के लिन चुन यी ने रविवार को यहां 950,000 अमेरिकी डॉलर इनामी इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल में अपना पहला सुपर 750 खिताब जीता, जबकि दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग ने महिला एकल का खिताब जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की।

वर्तमान में विश्व में 12वीं रैंकिंग पर काबिज 26 वर्षीय लिन ने पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद शानदार वापसी करते हुए फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी को 21-10, 21-18 से हराकर पुरुष एकल का खिताब अपने नाम किया। महिला एकल में शीर्ष वरीयता प्राप्त और मौजूदा चैंपियन आन से यंग ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखते हुए चीन की विश्व में नंबर दो खिलाड़ी वांग झियी को 21-13, 21-11 से हराकर सत्र का अपना दूसरा खिताब जीता।

युगल स्पर्धा में लियू शेंगशु और टैन निंग की चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला जोड़ी ने 58 मिनट तक चले महिला युगल फाइनल में जापान की पांचवीं वरीयता प्राप्त युकी फुकुशिमा और सायका मात्सुमोतो पर 21-11, 21-18 से जीत हासिल करके खिताब अपने नाम किया। मिश्रित युगल का ताज थाईलैंड के तीसरी वरीयता प्राप्त डेचापोल पुवारानुक्रोह और सुपिसरा पेवसम्प्रान को मिला, जिन्होंने डेनमार्क के माथियास क्रिस्टियनसेन और एलेक्जेंड्रा बोजे को 19-21, 25-23, 21-18 से हराया।

आयरलैंड बोर्ड ने आईसीसी से कहा, बांग्लादेश से विश्वकप मैचों का ग्रुप बदलने तैयार नहीं

दुबई (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से भारत में अपने विश्वकप मैच खेलने के इंकार करते हुए किसी अन्य देश में ये मैच कराने की अपील की थी जिसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ठुकरा दिया था। वहीं इसके बाद बीसीबी ने आईसीसी से अपील की थी कि उसके ग्रुप को आयरलैंड के साथ बदल दिया जाये पर यहां भी उसे झटका लगा है क्योंकि आयरलैंड बोर्ड ने आईसीसी से साफ कहा दिया है कि वह ग्रुप बदलने को तैयार नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट आयरलैंड (सीआई) ने कहा है कि आईसीसी उनके मैचों को श्रीलंका से बाहर नहीं रखे।

सीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'आईसीसी ने हमसे साफ कहा है कि कार्याक्रम में बदलाव नहीं होगा। हम अपने ग्रुप स्तर के मैच श्रीलंका में ही खेलेंगे।'

गौरतलब है कि टी20 विश्वकप 2026 में आयरलैंड ग्रुप बी में है, जिसमें उसे ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ओमान के साथ रखा गया हैं। आयरलैंड को अपने सभी ग्रुप स्तर के मैच मैच श्रीलंका में खेलने हैं। इसमें पहले तीन मैच कोलंबो जबकि अंतिम पालेकेले में खेला जाएगा। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश करे ग्रुप सी में रखा गया है। जिसमें इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, नेपाल और इटली की टीमें शामिल हैं। बांग्लादेश को कोलकाता में तीन और मुंबई में एक मैच खेलना है।

बीसीबी ने आईसीसी से अनुरोध किया कि उसकी टीम को ग्रुप सी में आयरलैंड के साथ बदल दिया जाए जिससे वह भारत की जगह श्रीलंका में अपने मैच खेल सके। वहीं आईसीसी की दो सदस्यीय टीम, जिसमें गौरव सक्सेना (जनरल मैनेजर, इवेंट्स एंड कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन) और एंड्रयू एफग्रेव (जनरल मैनेजर, इंटीग्रिटी यूनिट) शामिल थे, ने बीसीसी को मूल कार्यक्रम में ही बने रहने को लेकर समझाया।

बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए महिला क्रिकेट टीम घोषित की

फुलमाली, श्रेयंका की वापसी, कमलिनी और वैष्णवी पहली बार शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले माह होने वाली टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। 15 फरवरी से होने वाले इस दौरे में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में 3 टी20 और इतने ही एकदिवसीय मैच खेलेगी। इसके अलावा दौनो ही टीमें एक टेस्ट भी खेलेंगी। टेस्ट टीम की घोषणा अभी नहीं हुई है। इस दौरे से दोनो ही टीमों का टी20 विश्वकप की तैयारी का भी अच्छा अनुभव मिलेगा। इस दौरे में नये खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। टी20 टीम में भर्ती फुलमाली की वापसी है हुई है। फुलमाली को साल 2019 के बाद पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किय गयाहै। इसके अलावा युवा ऑफ-स्पिनर श्रेयांका पाटिल को भी टीम में जगह मिली है। वहीं एकदिवसीय दल में भी युवाओं को अवसर मिले है। 17 साल की विकेटकीपर जी कमलिनी और स्पिनर वैष्णवी शर्मा को पहली बार टीम में जगह मिली है। इसके अलावा काशवी गौतम को भी शामिल किया गया है पर अरुंधति रेड्डी को एकदिवसीय व रधा यादव को एकदिवसीय के अलावा टी20 प्रारुप में भी शामिल नहीं किया गया है। हरलीन देओल को एकदिवसीय टीम में बनाये रखा गया है पर उन्हें टी20 से बाहर कर दिया गया है।

टी20 टीम इस प्रकार है

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, भर्ती फुलमाली, श्रेयांका पाटिल।

एकदिवसीय

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), काशवी गौतम, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल।

अब अगले छह बाद ही खेलते दिखेंगे विराट और रोहित

राजकोट । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली अब अगले छह महीने बाद ही अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलते हुए दिखेंगे । इसका कारण ये है कि ये दोनो ही अब केवल एकदिवसीय में ही खेलते है । वहीं भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के छह माह बाद ही एकदिवसीय प्रारुप में खेलने उतरेगी । साल 2026 टी20 विश्व कप और 2026 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद ही भारतीय टीम को अब एकदिवसीय सीरीज खेलनी है । तब तक के लिए विराट और रोहित को भी आराम मिल गया है । अब जून में अफगानिस्तान की टीम तील एकदिवसीय मैचों की सीरीज के लिए भारत दौरे पर पहुंचेगी । तभी विराट और रोहित के पास मैदान में उतरने का अवसर रहेगा हालांकि ये भी देखना होगा कि इन दोनो को इस सीरीज के लिए शामिल किया जाता है या नहीं । वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के बाद भारतीय टीम जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी । यहां भी 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज होनी है । इसके बाद भारतीय टीम को सितंबर में बांग्लादेश जाना है हालांकि दोनो देशों के बीच तनावपूर्ण हालातों को देखते हुए ये दौरा शायद ही हो पाये । सितंबर में ही भारतीय टीम वेस्टइंडीज का दौरा करेगी जहां 3 मैचों एकदिवसीय सीरीज होगी । इसके बाद अक्टूबर–नवंबर में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड जाना है ।

आर्यना सबालेंका ने फेडरर और रॉड लेवर के साथ 'परफेक्ट' सेल्फी ली

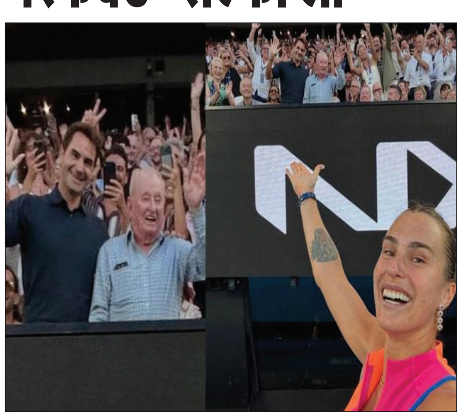

मेलबर्न । अपने 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन कैंपेन की शुरुआत करने के लिए आर्यना सबालेंका ने वेन्यू पर टिएंट्सोआ राकोतोमंगा राजाओना पर 6–4, 6–1 से जीत के लिए दो बहुत खास मेहमानों को बुलाया था । वे मेहमान 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोजर फेडरर और खुद रॉड लेवर । सबालेंका जानती थीं कि उन्हें उस ऑस्ट्रेलियन लेजेंड और 11 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन के सामने एक मजबूत परफॉर्मेंस देनी होगी, जिनके नाम पर उस कोर्ट का नाम रखा गया है । उन्हें यह भी पक्का पता था कि वे मौजूद हैं, क्योंकि उन्हें वीडियो स्क्रीन पर हाइलाइट किया गया था और वे फ्रंट रो में भी बैठे थे । सबालेंका ने मुस्कुराते हुए रिपोर्टर्स से कहा, 'मैं बहुत बड़ी फैन हूं । पूरे मैच में मैं खुद से कह रही थी' प्लीज़, वहां मत देखो । मत देखो ।' यह अविश्वसनीय है, मैंने कभी नहीं सोचा था कि रोजर फेडरर और रॉड लेवर मेरे मैच की पहली रो में बैठेंगे। यह अविश्वसनीय है । 'मैं बस अपने गेम से रोजर को इम्प्रेस करना चाहती थी । मैं बस ट्वीनर नहीं कर पाई, लेकिन कोई बात नहीं । अगली बार ।' कोर्ट पर मैच के बाद अपने इंटरव्यू में, सबालेंका ने एक आसान सी रिक्वेस्ट की : 'मैं बहुत बड़ी फैन हूं दोस्तों, क्या मैं आपके साथ एक फोटो ले सकती हूं प्लीज ।' सबालेंका अपना एक्साइटमेंट छिपा नहीं सकीं । उन लीजेंड्स ने उनकी बात मान ली और वर्ल्ड नंबर 1 को परफेक्ट फोटो मिल गई ।

इंडिया ओपन में मैच के दौरान गिरा मलबा, बाल-बाल बची महिला खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जा रहे इंडिया ओपन सुपर 750 में महिलाओं के युगल सेमीफाइनल के दौरान कोर्ट नंबर 1 पर मलबा गिरने के बाद खेल को कुछ समय के लिए रोक दिया गया। इसके बाद इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की जांच की जा रही है।

यह घटना शनिवार को टॉप सीडेड चीनी जोड़ी लियू शेंगशु और टैन निंग और छठी सीडेड दक्षिण कोरियाई जोड़ी बेक हा ना और ली सो ही के बीच सेमीफाइनल के दौरान हुई। जब लियू पहले गेम में 6-3 पर सर्व करने की तैयारी कर रही थीं, तो ऊपर से मलबा खेलने की सतह पर गिर गया जिससे तुरंत खेल रोकना पड़ा। लियू ने अविश्वास के साथ मुस्कुराते हुए चेयर अंपायर की ओर इशारा किया जबकि चिंतित दोनों जोड़ियां कोर्ट से बाहर चली गईं।

चेयर अंपायर ने सफाईकर्मियों को बुलाया और खेल फिर से शुरू होने से पहले सफाई में कई मिनट लगे। इस घटना ने टूर्नामेंट स्थल की जांच को और तेज कर दिया है, क्योंकि पहले से ही खिलाड़ियों ने परिसर में स्वच्छता और समग्र बुनियादी ढांचे को लेकर आलोचना की जा रही है।

सप्ताह की शुरुआत में कई एथलीटों ने कोर्ट पर पक्षियों की बीट, गैर-खेल क्षेत्रों में गंदगी और स्टेडियम परिसर के अंदर आवारा जानवरों की उपस्थिति के बारे में चिंता जताई थी। कथित तौर पर दर्शक दीर्घाओं में बंदर भी देखे गए जिससे सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गईं। हवा की गुणवत्ता एक और प्रमुख चर्चा का विषय रही है, कुछ खिलाड़ियों को दिल्ली की सर्दियों की धुंध और ठंडी परिस्थितियों से जूझना पड़ा।

डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट उन लोगों में से थीं जिन्होंने असुविधा व्यक्त की, प्रदूषण और निम्न-मानक परिवेश के संयोजन को प्रदर्शन और रिकवरी को प्रभावित करने वाले कारकों के रूप में बताया। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने बाद में फीडबैक को स्वीकार किया जिसमें कहा गया कि धुंध और ठंड जैसे मौसमी कारक चुनौतियां पेश करते हैं लेकिन इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स परिसर पिछले केडी जाधव स्टेडियम की तुलना में एक महत्वपूर्ण अपग्रेड था।

BWF ने यह भी कहा है कि बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (BAI) ने मुद्दों को उठाए जाने के बाद सफाई, स्वच्छता और पशु नियंत्रण में सुधार सहित सुधारात्मक उपाय किए हैं। आश्वासनों के बावजूद शनिवार की घटना ने भारत के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन आयोजनों में से एक में तैयारियों और मानकों पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं, विशेषकर जब नई दिल्ली इस साल के आखिर में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करने वाला है।

डोमिनेंट वेदांता कलिंगा लांसर्स ने एसजी पाइपर्स को 6–1 से हराया

भुवनेश्वर । वेदांता कलिंगा लांसर्स ने शनिवार को एसजी पाइपर्स पर 6–1 की शानदार जीत के साथ पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग (HIL) के भुवनेश्वर लेग की शुरुआत की । आज यहां कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेलते हुए, लांसर्स ने अपनी जीत का सिलसिला पांच मैचों तक बढ़ा दिया, जिससे यह साबित हो गया कि इस सीजन में उन्हें हराना मुश्किल है । बॉबी सिंह धामी को शानदार प्रदर्शन के लिए के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जिसने पूरी शाम पाइपर्स के डिफेंस को बैकफुट पर रखा । मैच में कूपर बर्न्स ने (आठवें', 23वें) और अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने (39वें, 56वें) मिनट में दो–दो गोल किए, जबकि क्रेग माराइस ने (10वें) और अंगद सिंह ने (54वें) मिनट में एक–एक गोल करके जीत को पक्का किया । केवाई विलियट ने पाइपर्स के लिए एकमात्र गोल किया । मैच की शुरुआत में लांसर्स ने गेंद पर कंट्रोल रखा और आत्मविश्वास के साथ गेंद को आगे बढ़ाया । यह दबाव 8वें मिनट में रंग लाया जब कूपर बर्न्स ने गोल करके अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई । सिर्फ दो मिनट बाद, एक शानदार पासिंग सीक्वेंस ने क्रेग माराइस को बढ़त को दोगुना करने का मौका दिया । हालांकि, पाइपर्स ने लगभग तुरंत जवाब दिया । 11वें मिनट में, कप्तान जरमनप्रीत सिंह ने केवाई विलियट को पास दिया, जिन्होंने शानदार फिनिश करके स्कोर 2–1 कर दिया । पाइपर्स को देर से एक पेनल्टी कॉर्नर मिलने के बावजूद, लांसर्स का डिफेंस मजबूत बना रहा और पहले क्वार्टर के अंत में बढ़त बनाए रखी ।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत रहेगा मजबूत दावेदार : दिनेश कार्तिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर दिनेश कार्तिक का मानना है कि डिफेंडिंग चैंपियन भारत आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में एक बार फिर मजबूत दावेदार के रूप में उतरेगा। टीम की गहराई, आक्रामक खेलने की शैली और घरेलू परिस्थितियों में शानदार रिकॉर्ड को इसकी सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कार्तिक ने कहा कि भारत को अपने घर में हराना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। टूर्नामेंट शुरू होने में एक महीने से भी कम समय बचा है और यह प्रतियोगिता 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेली जाएगी।

एक चैनल से बातचीत में दिनेश कार्तिक ने कहा कि भारतीय क्रिकेट की सबसे बड़ी विशेषता उसकी बेंच स्ट्रेंथ है। उनके मुताबिक भारत ऐसी स्थिति में है कि वह लगभग दो मजबूत टीमें उतार सकता है। कार्तिक ने यह भी कहा कि मौजूदा भारतीय टीम काफी हद तक नई है, जिसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ी शामिल नहीं हैं, लेकिन सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में युवा टीम ने बेहद आक्रामक और प्रभावशाली क्रिकेट खेला है। वहीं पूर्व वेस्टइंडीज क्रिकेटर इयान बिशप ने भी भारत की तैयारियों की सराहना करते हुए कहा कि डिफेंडिंग चैंपियन होना अपने आप में दबाव जरूर लाता है, लेकिन अगर तैयारी सही हो तो यह एक बड़ा फायदा बन सकता है। बिशप के अनुसार, इतिहास हमेशा निर्णायक नहीं होता, लेकिन भारत ने पिछले वर्ल्ड कप के बाद जिस तरह की तैयारी की है, उससे उसे बढ़त जरूर मिलेगी। उन्होंने यह भी चेताया कि फरवरी-मार्च के दौरान भारत और श्रीलंका में ओस एक बड़ा फैक्टर साबित हो सकती है, जो मैच का रुख बदलने में अहम भूमिका निभाती है।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने टी20 क्रिकेट की लोकप्रियता पर बात करते हुए कहा कि यह फॉर्मेट दुनिया भर में तेजी से पसंद किया जा रहा है। उनके अनुसार, टी20 वर्ल्ड कप सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं बल्कि एक बड़ा मंच है, जहां दबाव में प्रदर्शन करके खिलाड़ी खुद को वैश्विक स्तर पर साबित करते हैं। ग्रुप ए में भारत को पाकिस्तान, यूएसए, नीदरलैंड और नामीबिया के साथ रखा गया है। भारत 7 फरवरी को वानखेड़े स्टेडियम में यूएसए के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, जबकि पाकिस्तान से उसका बहुप्रतीक्षित मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो में खेला जाएगा।

तीसरे एकदिवसीय के लिए बेहद महंगा वाटरप्यूरीफायर लेकर इंदौर आये हैं शुभमन

इंदौर । भारत और न्यूजीलैंड के बीच आज यह यहां के होल्कर क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले तीसरे व अंतिम एकदिवसीय मैच के लिए प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है । दोनो ही टीमें इस मैच के लिए पूरी तरह से तैयार हैं । सीरीज में दोनो ही टीमें 1–1 से बराबरी पर होने के कारण इस मैच में कड़े मुकाबले की संभवना है । इस बार मैच में खेल से अधिक खिलाड़ी पानी को लेकर सावधानी बरत रहे हैं क्योंकि हाल में यहां कई लोगों की खराब पानी पीने से मौत हुई है । इसी को देखते हुए भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल एक महंगा वॉटर प्यूरीफायर लेकर पहुंचे । इसकी खासियत ये है कि ये सादे पानी को ही नहीं, बल्कि आरओ और पैकेज्ड वॉटर को भी पूरी तरह से साफ बना देता है जिससे किसी प्रकार के संक्रमण का खतरा नहीं रहता हालाकि भारती टीम इंडिया जिस शहर में रुकती है वह शीर्ष स्तर का होता है । शुभमन इसके बाद भी कोई जोखिम लेकर नहीं लेना चाहते हैं । भारतीय टीम के साथ हमेशा एक रसोईया भी रहता है, जो अलग–अलग खिलाड़ियों की डाइट के अनुसार खाना तैयार करता है । खिलाड़ियों को अच्छी डाइट उनके अच्छी फिटनेस के लिए मिले, इसके लिए बीसीसीआई हर मैच के लिए एक रसोईया भेजती है, जो होटल में ही रहकर खिलाड़ियों के लिए खाना तैयार करते हैं । इससे साफ होता है कि जितने खिलाड़ी अपनी सेहत को लेकर सजग रहते हैं, उतना ही भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) भी खिलाड़ियों का सहयोग करती है ।

भारत का फीफा विश्व कप खेलने का सपना अब भी जीवंत है: अनुभवी डिफेंडर आशालता देवी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला फुटबॉल की दिग्गज खिलाड़ी आशालता देवी का कहना है कि फीफा महिला विश्व कप में देश को खेलते हुए देखने का सपना अब भी जीवंत है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विश्व के शीर्ष खिलाड़ियों के साथ अंतर को पाटने के लिए जमीनी स्तर पर निरंतर प्रगति महत्वपूर्ण है।

आशालता ने पीटीआई वीडियो से कहा, 'विश्व कप में खेलने का हमारा सपना अभी भी जीवित है। हमें इस समय और भी ज्यादा मेहनत करनी होगी।' इस अनुभवी डिफेंडर ने कहा कि तीनों राष्ट्रीय टीमें अंडर-17, अंडर-19 और सीनियर टीम एएफसी एशियाई चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं, जिससे 2026 भारत में महिला फुटबॉल के लिए एक निर्णायक वर्ष साबित हो सकता है।

उन्होंने कहा, 'अंडर-17, अंडर-19 और सीनियर टीम पहले ही एएफसी (प्रतियोगिताओं) के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। अगर हम वहां अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो जाहिर है कि विश्व कप का हमारा सपना पूरा हो सकता है। हमारा यह सपना अभी भी जीवित है।' भारत की तरफ से 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली आशालता ने कहा कि सीनियर टीम लगातार अच्छी प्रगति कर रही है लेकिन अभी वह विश्वस्तरीय मानकों से काफी पीछे है। उन्होंने कहा, ''हम लंबे समय से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन फिर भी विश्वस्तरीय मानकों तक नहीं पहुंचे हैं। मुझे खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा है। मुझे पूरी उम्मीद है कि इस बार हम विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहेंगे।'

आशालता ने कहा कि खेल की जमीनी स्तर पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'समस्या यह है कि हम बुनियादी बातों को छोड़ देते हैं और सीधे तकनीकी पहलुओं पर चले जाते हैं। मैंने 13 साल की उम्र में फुटबॉल खेलना शुरू किया था। अब कई खिलाड़ी 10 या 11 साल की उम्र में शुरू करते हैं। लेकिन अगर हम 5-6 साल की उम्र में शुरू करें तो खेल की बारीकियां अच्छी तरह से सीख सकते हैं।'

मैं मुस्लिम, रामायण हिंदू..

AR Rehman ने रणबीर कपूर की फिल्म में काम करने को लेकर कही बड़ी बात

ऑस्कर विनर म्यूजिक कंपोजर एआर रहमान ने हाल ही में मुस्लिम होने के बावजूद फिल्म निर्माता नितेश तिवारी की अपकमिंग महाकाव्य फिल्म रामायण में काम करने के अपने एक्सपीरियंस को शेयर किया।

एआर रहमान ने साफ किया कि कला और ज्ञान को धार्मिक सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता। इस प्रोजेक्ट में ऑस्कर विजेता संगीतकार हंस जिमर के साथ काम कर रहे संगीतकार ने बताया कि उनकी परवरिश ने उन्हें बचपन से ही भारतीय महाकाव्यों से परिचित कराया।

8 साल से नहीं मिला काम?

बीते दिनों हमने आपको बताया था कि एआर रहमान ने कहा था कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में उन्हें पिछले 8 सालों से काम नहीं मिला है और इसकी वजह उन्होंने इंडस्ट्री में होने वाली राजनीति को बताया था। सिंगर ने अपने करियर और धार्मिक विश्वास को लेकर कई सारी बातें कीं। हाल ही में हुई एक बातचीत में, रहमान ने रामायण में अपनी भागीदारी के बारे में बात करते हुए आस्था और पहचान से जुड़े सवालों के जवाब भी दिए। उन्होंने धार्मिक विभाजन और छोटी सोच से ऊपर उठने की आवश्यकता पर जोर दिया।

ब्राह्मण स्कूल में की पढ़ाई

रहमान ने कहा, 'मैंने एक ब्राह्मण स्कूल में पढ़ाई की है, और हर साल हमारे यहां रामायण और महाभारत पढ़ाया जाता था, इसलिए मैं कहानी जानता हूं।' रहमान ने कहा कि समाज को छोटी सोच से ऊपर उठने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें संकीर्ण मानसिकता और स्वार्थ से ऊपर उठना होगा। जब हम ऊपर उठते हैं, तो हम तेजस्वी हो जाते हैं, और यह बहुत महत्वपूर्ण है।' उन्होंने आगे कहा कि उन्हें रामाण जैसे प्रोजेक्ट का हिस्सा होने पर गर्व है जो वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करता है। रहमान ने कहा, 'हंस जिमर यहूदी हैं, मैं मुसलमान हूं, और रामायण हिंदू धर्म पर आधारित है। यह भारत से पूरी दुनिया के लिए प्रेम के साथ आ रहा है। जिन लोगों को जानकारी नहीं है, उन्हें बता दें कि मद्रास में दिलीप कुमार राजगोपाला के रूप में जन्मे रहमान ने 1989 में इस्लाम धर्म अपना लिया था।

करिश्मा कपूर को SC का नोटिस

दिखाने होंगे तलाक के कागज, संजय कपूर की बहन ने प्रिया सचदेव को फटकारा

संजय कपूर की दोनों पत्नियों- एक्स वाइफ करिश्मा कपूर और तीसरी पत्नी प्रिया कपूर के बीच कानूनी विवाद चल रहा है। संजय की 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर विवाद है, जिसमें कोर्ट ने करिश्मा को तलाक के रिकॉर्ड दिखाने को कहा है। कोर्ट ने प्रिया कपूर की याचिका पर जवाब मांगा है।

कोर्ट ने करिश्मा कपूर से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने एक्ट्रेस करिश्मा कपूर को नोटिस जारी कर प्रिया कपूर की उस याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें उन्होंने संजय कपूर से 2016 में हुए करिश्मा के तलाक के रिकॉर्ड मांगे हैं। प्रिया कपूर दिवंगत संजय कपूर की तीसरी पत्नी हैं और फिलहाल करिश्मा कपूर के बच्चों के साथ अपने पति की 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। सुनवाई के दौरान करिश्मा कपूर के वकील ने याचिका का कड़ा विरोध करते हुए इसे बेबुनियाद और निजी कहा। न्यायमूर्ति ए.एस. चंदुरकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई करते हुए करिश्मा को अपनी आपत्ति बताने के लिए

कहा और उन्हें जवाब दाखिल करने के लिए दो हफ्ते का समय दिया।

प्रिया ने करिश्मा से की डिमांड

प्रिया ने अपने आवेदन में करिश्मा और संजय के तलाक के कागज दिखाने को कहा है। ताकि उनके दिवंगत पूर्व पति द्वारा किए गए दावों और बच्चों पर खर्च की व्यवस्थाओं का पता लगाया जा सके। इस मामले में संजय कपूर की बहन मंधिरा कपूर स्मिथ ने कहा, 'यह सब मामले से ध्यान भटकाने की कोशिश है। पहली बात तो यह है कि अगर मेरे भाई को यह बात उनसे शेयर करनी होती, तो वे शादी के दौरान ही कर देते। इसलिए, मुझे समझ नहीं आता कि वह यह सब क्यों कर रही हैं।'

संजय कपूर की बहन भी बोलीं

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि तलाक गोपनीय मामला होता है। करिश्मा और संजय के बच्चे हैं। ऐसा नहीं है कि बिना बच्चों के तलाक हो जाता है। मुझे नहीं लगता कि यह किसी और का निजी मामला है, सिवाय उन दो लोगों के जो इसमें शामिल हैं।'

Dhanush के साथ शादी की खबरों पर Mrunal Thakur का जवाब, कहा- 'लोग कुछ भी...'

सेलिब्रिटी की शादियों को लेकर अफवाहें अक्सर तथ्यों से ज्यादा तेजी से फैलती हैं। इस बार मृणाल ठाकुर और धनुष इसका केंद्र बने। सुबह ये खबर आई कि कपल वैलेंटाइन्स डे के मौके पर 14 फरवरी को सात फेरे लेने वाले हैं। हालांकि मृणाल ने फैंस के दिल में ये खुशी ज्यादा देर टिकने नहीं दी। फैंस को अभी थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। हिन्दुस्तान टाइम्स ने एक्ट्रेस के कीरीबी से संपर्क किया जहां उन्होंने शादी की अफवाह को पूरी तरह से नकार दिया है।

क्या वाकई शादी कर रहे मृणाल और धनुष?

अभिनेत्री के करीबी एक सूत्र ने स्पष्ट किया कि शादी की खबरों में बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा- 'मृणाल अगले महीने शादी नहीं कर रही हैं। यह एक अफवाह है जो बेवजह फैल रही है।' इस तरह कपल की शादी को लेकर उत्साहित फैंस की खुशी पल में छूमंतर हो गई। उन्होंने आगे बताया कि शादी की जो तारीख बताई जा रही है उस दौरान मृणाल की 'दो दीवाने शहर में'में रिलीज होने वाली है। इस मूवी में वो सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ नजर आएंगी। इस वजह से इस बात की और भी पुष्टि नहीं होती। इसके बाद मार्च में उनकी एक तेलुगु फिल्म रिलीज होने वाली है।

Don लौट आया!

रणवीर के आउट होते ही Shah Rukh Khan ने 'डॉन 3' के लिए बोला हां, सिर्फ एक शर्त पर करेंगे फिल्म?

फरहान अख्तर की सुपरहिट फ्रेंचाइजी डॉन के तीसरे पार्ट को लेकर एक्साइटमेंट तो बहुत है, लेकिन यह फिल्म शुरू ही नहीं हो पा रही है। पहले रणवीर सिंह शाह रुख खान को रिप्लेस कर डॉन बनने वाले थे, लेकिन धुरंधर की रिलीज के बाद एक्टर के भी डॉन 3 छोड़ने की खबरें आने लगीं। फिर एक और एक्टर को फिल्म के लिए अप्रोच किया गया। मगर अब खबर है कि मेकर्स की आखिरी सुई अब असली डॉन यानी शाह रुख खान पर अटक गई है। इसका मतलब डॉन 3 में भी शाह रुख ही गैंगस्टर बनकर धमाल मचाने वाले हैं, लेकिन सिर्फ एक शर्त पर। ऐसी चर्चा है कि शाह रुख खान ने फरहान अख्तर के सामने एक शर्त रखी है और वह उसी शर्त पर डॉन 3 करेंगे।

शाह रुख की डॉन 3 में वापसी?

टेलीचक्कर की रिपोर्ट की मानें तो शाह रुख खान डॉन 3 करने के लिए मान गए हैं और अपने आइकॉनिक रोल में वापसी के लिए एक्साइटेड भी हैं। हालांकि, उन्होंने फरहान अख्तर के सामने एक शर्त रख दी है जो उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान के डायरेक्टर एटली से जुड़ी है।

शाह रुख ने डॉन 3 के लिए क्या रखी शर्त?

रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि शाह रुख तभी डॉन 3 का हिस्सा बनेंगे, जब एटली को फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाया जाएगा। बताया जा रहा है कि एक्टर फिल्म का स्केल और दर्शकों के बीच एक्साइटमेंट बढ़ाने के लिए एटली को शामिल करने की बात कह रहे हैं। हालांकि, अभी तक कोई फाइनल फैसला नहीं लिया गया है। मेकर्स और स्टार्स की तरफ से भी इसको लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ऐसे में दैनिक जागरण इसका दावा नहीं करता है।

डॉन-डॉन 2 से धमाल मचा चुके हैं शाह रुख

बात करें डॉन 3 की तो यह फरहान अख्तर की हिट फ्रेंचाइजी का हिस्सा है। डॉन और डॉन 2 में शाह रुख खान ने अपने आइकॉनिक रोल्स से दर्शकों का दिल चुरा लिया था। हालांकि, तीसरे पार्ट में रणवीर सिंह उनकी जगह लेने वाले थे लेकिन अब उनका पत्ता भी कट गया है। यह भी कहा जा रहा था कि ऋतिक रोशन डॉन 3 में आ सकते हैं। अब देखते हैं कि शाह रुख की फिल्म में वापसी होती है या नहीं।

TMKOC में पत्रकार पोपटलाल की होगी शादी!

तारक मेहता का उल्टा चश्मा ' पिंक सिटी जयपुर की में मजेदार एपिसोड के लिए पूरी तरह तैयार है। हाल ही में, पूरी कास्ट ने पहली बार जयपुर में कुछ एपिसोड की शूटिंग की। शहर की संस्कृति और सेलिब्रेशन का माहौल हर किसी को पसंदआ रहा है। ये सब पोपटलाल से जुड़ा है। जयपुर के इस एपिसोड में, पोपटलाल, रूपा रतन का परिवार और टप्पू सेना शहर में पहुंचते नजर आएंगे। रूपा को एक रिश्तेदार का फोन आएगा। रिश्तेदार पोपटलाल के लिए एक रिश्ते का प्रस्ताव रखेगा, लेकिन एक शर्त के साथ। होने वाली दुल्हन एक अनोखी शर्त रखेगी। वह कहेगी कि मकर संक्रांति के दौरान जो भी उसकी पतंग काटेगा, वही उससे शादी करेगा। जैसे-जैसे मजा आगे बढ़ता है, पोपटलाल बढ़ती उम्मीदों और चुनौतियों के बीच फंसा हुआ नजर आएगा। हर पल एक नया सरप्राइज लेकर आता है, जिससे दर्शक यह सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि क्या पोपटलाल आखिरकार मंडप तक पहुंच पाएगा या किस्मत ने कुछ और ही तय कर रखा है। शूटिंग की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं, क्योंकि टीम ने असली लोकेशन पर शूटिंग की है। टप्पू सेना से लेकर पोपटलाल तक, जयपुर के लोग अपने पसंदीदा कलाकारों को अपने शहर में शूटिंग करते देखकर बेहद खुश थे।

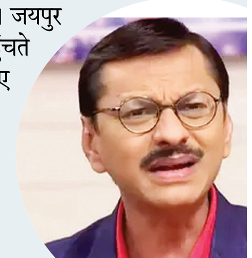

सलमान खान से लेकर कपिल शर्मा तक, बी प्राक से पहले बिश्नोई गैंग ने इन कलाकारों को दी धमकी

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने सिंगर बी प्राक को धमकी दी है। इससे पहले बिश्नोई गैंग ने कई कलाकारों को धमकी दी है। बिश्नोई गैंग ने ज्यादातर धमकी उन कलाकारों को दी है जो सलमान खान से जुड़े हैं।

सिंगर बी प्राक को लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने धमकी दी है। धमकी के साथ सिंगर से 10 करोड़ रुपये भी मांग गए हैं। धमकी में कहा गया है 'दस करोड़ दो वरना मिट्टी में मिला देंगे...।' सिंगर बी प्राक को मिली धमकी सिंगर दिलनूर को भेजे गए ऑडियो रिकॉर्डिंग के जरिए दी गई है। सिंगर बी प्राक बॉलीवुड के मशहूर सिंगर हैं। इससे पहले लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने कई सेलेब्स को धमकी दी है। दिग्गज अभिनेता सलमान खान को बिश्नोई गैंग से लगातार धमकियां मिली हैं। उनके घर पर 14 अप्रैल 2024 को हमला भी हुआ था। इसकी वजह से उनकी सुरक्षा बढ़ाई गई। बताया जाता है कि सलमान खान ने कथित तौर पर काले हिरण का शिकार किया था जिसकी वजह से उन्हें धमकियां मिल रही हैं। भोजपुरी स्टार पवन सिंह को सात दिसंबर 2025 को बिश्नोई गैंग से धमकी मिली थी। धमकी में कहा गया था 'सलमान खान के साथ काम न करें।' पवन सिंह 'बिग बॉस' के फाइनल में बतौर मेहमान शामिल होने वाले थे, इससे पहले उन्हें धमकी मिली। धमकी के बाद भी पवन सिंह शो में शामिल हुए थे।

कपिल शर्मा को अगस्त 2025 में बिश्नोई गैंग से धमकी मिली थी। पहले कनाडा में मौजूद उनके कैफे पर हमला हुआ। इसके बाद उनको गैंग से धमकी मिली है। बताया गया कि कॉमेडियन ने सलमान को 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' सीजन 2 में बुलाया था। इसलिए उन्हें धमकी मिली थी। धमकी का ऑडियो सामने आया था, जिसमें कहा गया था 'जो सलमान के साथ काम करेगा वो मरेगा।' 14 दिसंबर 2024 को राजपाल यादव को एक ई-मेल मिला था जिसमें उन्हें जान से मारने की धमकी मिली थी। राजपाल यादव ने इसकी शिकायत पुलिस से की थी। अंबोली पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक सदाशिव निकम ने बताया 'मेल भेजने वाले ने बिश्नोई गिरोह का सदस्य होने का दावा किया है।

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने अलीबाग में खरीदी 5.1 एकड़ जमीन

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली बॉलीवुड और खेल जगत के चर्चित कपल्स में से एक हैं, जो अक्सर ही किसी न किसी वजह को लेकर सुर्खियों में रहते हैं।

अब हाल ही में इस कपल की ओर से खबर सामने आ रही है कि अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने मिलकर अलीबाग में एक प्रॉपर्टी खरीदी है, जिसके लिए उन्होंने मोटी रकम अदा की है। लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, विराट-अनुष्का पिछले महीने ट्रिप के दौरान अलीबाग गए थे और तभी इन्होंने एक और प्रॉपर्टी खरीदी थी, जिसका सौदा अब उन्होंने पक्का कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और उनके क्रिकेटर पति ने 5.1 एकड़ जमीन खरीदी है, जिसके लिए उन्होंने लगभग 37.86 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। प्रॉपर्टी के कागजों से यह जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि जीराद गांव में स्थित यह जमीन समीरा लैंड एसेट्स प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक सोनाली अमित राजपूत से खरीदी गई है।

डेटा एनालिटिक्स फर्म सीआरई मैट्रिक्स ने पुष्टि की है कि दो जमीनों के इस सौदे का रजिस्ट्रेशन 13 जनवरी को हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार, विराट कोहली के भाई विकास कोहली ने उनकी ओर से सारे पेपर वर्क किए। स्टांप ड्यूटी के लिए लगभग 2.27 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। बता दें, अनुष्का-विराट का यह अलीबाग में दूसरा बड़ा निवेश है।

साल 2022 में कपल ने रियल एस्टेट डेवलपर समीरा हैबिटेट्स से दो अलग-अलग प्रॉपर्टी खरीदी थी, जिसमें 19.24 करोड़ रुपये में लगभग आठ एकड़ जमीन शामिल थी। उस जमीन पर विरुष्का ने एक आलीशान हॉलिडे होम बनाया है।

अर्चना पूरन सिंह के पति ने शराब पीने को लेकर उड़ाया बीवी का मजाक, काला नमक चावल की रेसिपी पूछने लगे लोग

अर्चना पूरन सिंह एक बार फिर अपने नए व्लॉग को लेकर आ चुकी हैं। और इस बार उनके पति ही उनका मजाक उड़ाते नजर आए, वो भी शराब पीने को लेकर। अर्चना ने कहा कि कपिल शर्मा ने उनका नाम खराब किया है। फिर लोगोंने उनसे काला नमक चावल की रेसिपी पूछी। अर्चना पूरन सिंह अपने यूट्यूब चैनल पर 'आप का परिवार' नाम से एक नया व्लॉग लेकर वापस आ गई हैं। इस बार उनका पूरा परिवार घर पर साथ समय बिता रहा है और वे अपने रूटीन को कैमरे में कैद कर रहे हैं।

व्लॉग के दौरान, अर्चना और उनके पति परमीत सेठी ने ब्रांड प्रमोशन और घर में कौन ज्यादा जगह घेरता है, जैसे मुद्दों पर मजेदार बातचीत की। डीडीएलजे एक्टर ने यह भी बताया कि एकता कपूर पर उनके खोए हुए अरमानी सूट के 2 लाख रुपये बकाया हैं। व्लॉग की शुरुआत में, सेठी परिवार ने एक साथ फुटबॉल मैच देखा, फिर वे अपने-अपने कामों में लग गए।

अर्चना एक ब्रांड के साथ मीटिंग में शामिल हुईं, जिसका वे प्रचार करती हैं, और उन्होंने कहा, 'मीटिंग अच्छी रही। मुझे ऐसे ब्रांड्स के साथ काम करना पसंद है जो मेरे वैल्यू से मेल खाते हों, जहां मुझे ऐसी कोई चीज न बेचनी पड़े जिस पर मुझे विश्वास न हो।' परमीत ने उनसे पूछा, 'तो, आप शराब नहीं बेचेंगी?' अर्चना ने जवाब दिया, 'आप शराब बेचेंगे। और आपके शरीर में जितनी शराब भरी है, आप उसे पूरे भारत में बेच सकते हैं। मेरे बारे में बात मत करो, मैं शराब नहीं पीती। मेरा नाम कपिल ने खराब किया है।'

- विश्व की सबसे तेज़ उड़ने वाली तितली मोनार्च है। मोनार्च एक घंटे में 17 मील की दूरी तय कर लेती है।
- कोस्टा रीका में तितलियों की 1300 से ज्यादा प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
- दुनिया की सबसे बड़ी तितली जायंट बर्डविंग है, जो सोलमन द्वीपों पर पाई जाती है।
- जायंट बर्डविंग तितली के पंखों का फैलाव 12 इंच से ज़्यादा होता है।

तितलियों का अनोखा संसार

तितली कीट वर्ग का सामान्य रूप से हर जगह पाया जानेवाला प्राणी है। यह बहुत सुन्दर तथा आकर्षक होती है। दिन के समय जब यह एक फूल से दूसरे फूल पर उड़ती है और मधुपान करती है तब इसके रंग-बिरंगे पंख बाहर दिखाई पड़ते हैं। इसके शरीर के मुख्य तीन भाग हैं सिर, वक्ष तथा उदर। इनके दो जोड़ी पंख तथा तीन जोड़ी सन्धियुक्त पैर होते हैं अतः यह एक कीट है। इसके सिर पर एक जोड़ी संयुक्त आँख होती हैं तथा मुँह में घड़ी के स्प्रिंग की तरह प्रोवोसिस नामक खोखली लम्बी सूँड़नुमा जीभ होती है जिससे यह फूलों का रस (नेक्टर) चूसती है। ये एन्टिना की मदद से किसी वस्तु एवं उसकी गंध का पता लगाती है।

तितली एकलिंगी प्राणी हैं। मादा तितली अपने अण्डे पत्ती की निचली सतह पर देती है। अण्डे से कुछ दिनों बाद एक छोटा-सा कीट निकलता है जिसे कैटरपिलर लार्वा कहा जाता है। देखने, सूंघने, स्वाद चखने व उड़ने के अलावा जगह को पहचानने की इनमें अद्भुत क्षमता होती है। वयस्क होने पर आमतौर पर ये उस पौधे या पेड़ के तने पर वापस आती हैं, जहाँ इन्होंने अपना प्रारंभिक समय बिताया होता है। तितली का जीवनकाल बहुत छोटा होता है। ये ठोस भोजन नहीं खातीं, हालाँकि कुछ तितलियाँ फूलों का रस पीती हैं।

बगीचों और क्यारियों में फूलों पर मंडराने वाली रंग-बिरंगी और सुंदर पंखदार तितलियां देखने में तो आकर्षक होती ही हैं, वे परागण के माध्यम से नवीन पौधों के पनपने तथा बीजों के अंकुरण में भी सहायक हैं। तितलियों के जन्म तथा विकास की प्रक्रिया रोचक है। अंडे से वयस्क तितली बनने तक इस कीट को चार अवस्थाओं से गुजरना पड़ता है। वनस्पति विज्ञान की भाषा में इस प्रक्रिया को मेटाफार्मेसिस (कायान्तरण) कहा जाता है। इस परिवर्तन-प्रक्रिया के प्रत्येक पड़ाव में उसके आकार, रंग तथा जैविक संरचना में बदलाव आ जाता है। वृक्षों तथा लताओं की हरी पत्तियों पर रेंगने वाले शिशु को देख कर व्यक्ति अंदाजा भी नहीं कर सकता कि एक दिन यह सुंदर तितली की शक्ल में इंद्रधनुषी पंख फड़फ़ड़ाते हुए फूल पर मंडराएगा। मादा तितली किसी ऐसे पौधे अथवा पेड़ पर अंडे देती है जिसकी पत्तियां उसके शिशु जिसे अंग्रेजी में 'कैटरपिलर' तथा हिंदी में 'इल्ली' कहा जाता है, के लिए बढ़िया खुराक साबित हो। कुछ समय के बाद कैटरपिलर अंडों से बाहर आ जाते हैं तथा फिर शुरू होता है उसका जीवन चक्र। अंडों से बाहर आने वाला कैटरपिलर बहुत भुक्खड़ होता है तथा हरी पत्तियों से भोजन ग्रहण कर बहुत तेजी से बढ़ता है। इसकी शारीरिक वृद्धि इतनी तेजी से होती है कि मोटापे से कैटरपिलर की त्वचा फट जाती है। त्वचा फटने से उसकी जान को कोई खतरा नहीं होता। कुदरत ने ऐसी व्यवस्था कर रखी है कि बाल्यावस्था की बाहरी त्वचा के नीचे छिपी नवीन त्वचा सामने आ जाती है जिसमें उसके बढ़ते शरीर का भार तथा विस्तार संभालने की अधिक क्षमता पाई जाती है। प्रत्येक 'कैटरपिलर' अपने चारों तरफ एक कठोर खोल जैसा बनाता है जिससे बॉटनी की शब्दावली में प्यूपा कहा जाता है। प्यूपा के अंदर इसका शरीर अर्द्धठोस अवस्था में बदल जाता है। प्यूपा अपने अंदर उसके शरीर को किसी मजबूत तिजोरी की तरह संभाले तथा बाह्य प्रभावों से बचाए रखता है ताकि इसमें होने वाले नवीन परिवर्तनों के दौरान वह किसी बाहरी नुक्सान और खतरों से पूरी तरह सुरक्षित रह सके।

प्यूपा के भीतर मौजूद कीट का अर्द्धठोस शरीर क्रमशः तितली के रूप में बदलने लगता है। जब प्यूपा के अंदर मौजूद तितली इसे तोड़कर बाहर निकलती है तो उसके पंख काफी नरम तथा सिकुड़े हुए होते हैं। सूरज की गर्मी में इसके पंख सूख कर फैल जाते हैं तथा मजबूत भी हो जाते हैं। इसके कुछ ही घंटों के बाद एक नन्ही-सी तितली बगीचे में डाल-डाल पर मंडराने तथा पुष्पों के मकरंद पान के लिए तैयार हो जाती है।

मादा तितली अपने संपूर्ण जीवन में 50 हजार से अधिक अंडे देती है। एक फूल से दूसरे फूल तक उड़-उड़ कर मकरंद पान करने वाली तितलियां परागण में सहायक होती हैं। ये फूलों का रस पान स्वाद के लिए नहीं करती। इससे उन्हें उडने के लिए आवश्यक शक्ति प्राप्त होती है। नन्ही-सी दिखने वाली तितली लम्बी दूरी की उड़ान भरने में चैम्पियन होती है। प्रति वर्ष सर्दी में अनुकूल मौसम तथा आहार की तलाश में मोनार्क बटर फ्लाई नामक तितली कनाडा से मैक्सिको तक लगभग 3500 किलोमीटर लम्बी यात्रा पर निकल जाती है।

वैसे तो तितली बहुत शरीफ तथा शांतिप्रिय जीव है लेकिन इसकी एक किस्म पीताकर बटर फ्लाई शिकारी चिड़ियों में दहशत पैदा कर देती है। दरअसल जब कोई शिकारी चिड़िया इसे खाने की लालच में नजदीक आती है तो वह अपने पंख फैला देती है जो दो खतरनाक घूरने वाली आंखों की तरह दिखते हैं।

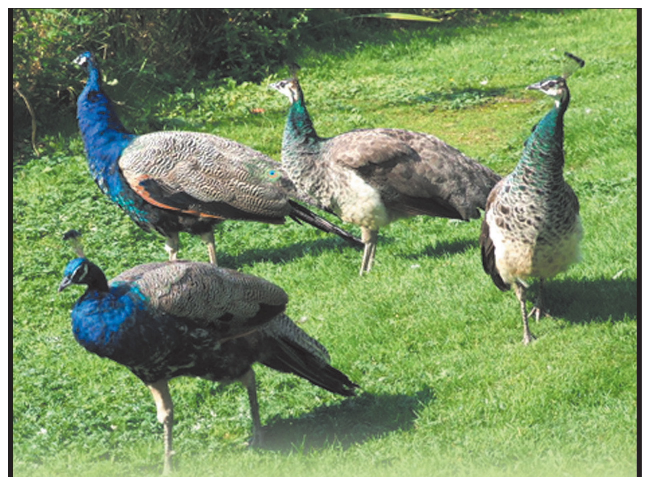

एक गांव ऐसा जहां इंसानों से अधिक हैं मोर

मध्य प्रदेश के नीमच जिले के बासनियां गांव की पहचान मोरों के गांव के तौर पर बन गई है। इस गांव में मोरों की संख्या यहां की आबादी से दो गुना है। अरावली पहाड़ी के नीचे बसे बासनियां गांव के लोगों को पशु-पक्षियों से बेहद लगाव है। यही कारण है कि यहां मोर जैसा पक्षी भी आसानी से विचरण करता नजर आ जाता है। गांव का हाल यह है कि हर तरफ मोर नजर आते हैं। खेत हो, खलिहान हो या फिर घरों की छत जहां भी नजर दौड़ाई जाए, वहां सिर्फ राष्ट्रीय पक्षी ही नजर आते हैं। इस गांव में मोर और इंसानो के बीच दोस्ताना रिश्ते हो गए हैं। आलम यह है कि इंसान को देखकर मोर भागते नहीं बल्कि उसकी ओर दौड़े चले आते हैं। मोर को इस बात का जरा भी डर नहीं होता है कि आदमी के पास जाने में उसे किसी तरह का खतरा हो सकता है। गांव के मदनलाल बताते हैं कि यहां के लोग पशु-पक्षियों से बहुत लगाव रखते है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक इस बात का ख्याल रखते हैं कि किसी पशु-पक्षी को किसी तरह की परेशानी न हो। मोरों की बढ़ती तादात के लिए वे यहां की हरियाली और वातावरण को श्रेय देते हैं। बासनियां गांव की आबादी लगभग 400 है लेकिन गांव के लोग मोरों की संख्या दो गुना यानी 800 से ज्यादा होने का दावा करते है। गांव में पक्षियों के प्रति बढ़े प्रेम से हर कोई प्रभावित है। गांव के लोग मानते हैं कि प्राकृतिक संतुलन के लिए इंसान वनस्पति के साथ पशु-पक्षियों की संख्या में इजाफा जरूरी है। गांव के ही तुलसीराम का कहना है कि मोरों को यहां सुरक्षा तो मिलती ही है साथ में उन्हें दाने के लिए परेशान नहीं होना पड़ता। इस गांव में लगभग सभी किसान जैविक खाद का इस्तेमाल करते हैं और अपने खेतों में कीट नाशकों का उपयोग नहीं करते। लिहाजा यहां का दाना मोरों को ज्यादा भाता है। मोरों के गांव के तौर पर पहचान बना चुके बासनियां गांव के लोग सभी पशु-पक्षियों की हिफाजत के प्रति सजग है। वे चाहते हैं कि उनका गांव पशु-पक्षियों के संरक्षण के मामले में आदर्श गांव बन जाए।

60 आंखों वाला फ्लैटवर्म

ब्रिटेन में वैज्ञानिकों ने फ्लैटवर्म की एक नयी प्रजाति की खोज की है जिसके 12 मिलिमीटर लंबे शरीर पर 60 आंखें हैं। इस जीव को कैंब्रिज के पास घास के मैदान में ढूंढ़ा गया। 'नेशनल हिस्ट्री म्यूजियम' के वैज्ञानिक डॉ. ह्यूग जोंस का कहना है कि उन्होंने अप्रैल में इसी तरह के एक जीव को नीदरलैंड में ढूंढ़ा था। इस 60 आंखों वाले जीव को 'वाइल्डलाइफ ट्रस्ट फॉर बेडफोर्डशायर, कैंब्रिजशायर और नॉर्थम्पटनशायर' के मुख्य कार्यपालक ब्रायन एवरशाम ने ढूंढ़ा है।

सफेद व्हेल से आती है इंसानों जैसी आवाज

वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि सफेद व्हेल कुछ ऐसी आवाजें निकाल सकती है जो सुनने में बिल्कुल इंसानी बातचीत जैसी लगती हैं। इस जीव का श्रवण विश्लेषण करने पर कैलीफोर्निया के नेशनल मरीन मैमल फाऊंडेशन ने पाया कि व्हेल की आवाज मानव की आवाज की नकल की तरह है। दिलचस्प बात यह है कि व्हेल में आवाज निकालने का तरीका इंसानों से बिल्कुल भिन्न है। नेशनल मरीन मैमल फाऊंडेशन के सैम रिग्वे ने कहा, ''हमारे निरीक्षणों के अनुसार व्हेल को बोलचाल जैसी आवाज निकालने के लिए अपने स्वर प्रक्रिया में कुछ परिवर्तन करने पड़ते हैं।'' 1984 में रिग्वे और अन्य लोगों ने यह पाया था कि व्हेल और डॉल्फिन कुछ ऐसी आवाजें निकालती हैं मानो कुछ दूरी पर दो लोग आपस में बातचीत कर रहे हों। यह बातचीत ऐसी होती है जिसे समझना मुश्किल होता है। कुछ ऐसी ही आवाजें सफेद व्हेल से सुनने को मिली थीं। कुछ ही देर बाद गोताखोर ने अपने साथियों से पूछा ''क्या उसने मुझे बाहर जाने को कहा?'' शोधकर्ताओं ने इस व्हेल की पहचान एनओसी के रूप में की। यह डॉल्फिनों और सफेद मछलियों के अलावा कभी-कभी इंसानों के बीच भी रहती थी। वैसे तो व्हेल के इंसानों जैसी आवाजें निकालने की खबरें पहले भी आई हैं लेकिन रिग्वे की टीम कुछ सबूत जुटा लेना चाहती थी। इसलिए उन्होंने व्हेल की आवाजें रिकॉर्ड कर लीं। इन आवाजों की आवृत्ति उनकी सामान्य आवाज की आवृत्ति से कुछ कम थी। यह आवृत्ति इंसान की आवाज के काफी करीब थी। रिग्वे ने कहा, ''व्हेल की ये आवाजें इंसानी आवाज जैसी थीं लेकिन ये व्हेल की स्वाभाविक आवाज से भिन्न थी। हमने जो आवाजें सफेद व्हेल से सुनीं, वे ठीक ऐसी थीं मानों उसने उन्हें सीखा हो।''

आवाजें निकालने के लिए व्हेलें अपने नासिका तंत्र का इस्तेमाल करती हैं जबकि इंसान इसके लिए अपने कंठ का इस्तेमाल करता है। इंसान जैसी आवाजें निकालने के लिए एनओसी को कई मांसपेशियों की मदद से अपनी नासिका के दबाव के साथ-साथ कई अन्य बदलाव करने पड़ते थे। तीस साल तक नेशनल मरीन मैमल फाऊंडेशन के साथ रहने वाली एनओसी की मृत्यु पांच साल पहले हो चुकी है।

मगरमच्छों और चिड़ियों के करीबी रिश्तेदार हैं कछुए

वैज्ञानिकों ने पशुओं के विकास से जुड़ी सालों पुरानी एक पहेली सुलझाने का दावा किया है। ताजा शोध करने वाले वैज्ञानिकों का दावा है कि कछुए का छिपकलियों और सांपों से ज्यादा मगरमच्छों और चिड़ियों से ज्यादा करीबी रिश्ता है। 20-30 करोड़ साल पहले कछुओं के पूर्वजों के विकास से इस बात लेकर काफी वैज्ञानिक विवाद पैदा हुए कि आखिर ये प्रजातियां किस परिवार से नाता रखती हैं। रॉयल सोसाइटी की पत्रिका 'बायोलॉजी लेटर्स' में प्रकाशित शोध में वैज्ञानिकों ने लिखा, 'कछुओं के विकासवादी मूल ने हड्डियों से संबंधित विकास की समझ में नए समीकरण पैदा कर दिए हैं जो अपने आप में अनोखा है।' ताजा अध्ययन तक कछुओं को छिपकलियों और सांपों का सबसे करीबी रिश्तेदार माना जाता था।

जानें कुछ रोचक जानकारी

हम आपको दुनियाभर में मशहूर कुछ अजायबघरों के बारे में बता रहे हैं। यह अजायबघर किसी ना किसी खास कारण ने जाने जाते हैं। ब्रिटेन के साउथवर्क सेंट थॉमस में एक ऐसा अजायबघर है जहां रोगी को बिना बेहोश किए चीर-फाड़ करने के तरीके दिखाए गए हैं। यहां पुराने जमाने की ऑपरेशन प्रक्रिया को सजीव मॉडलों से दिखाया गया है। यहां उस वक्त के अजीबोगरीब मेडिकल औजार भी यहां रखे गए हैं जो हैरत में डाल देने के लिए काफी है। यह ऑपरेशन कक्ष 1821 में क्रिसटोफर रेन द्वारा बनाई गई थी। लंदन के लैबेंथ पैलेस रोड पर फ्लोरेंस माइटेंगल नाम एक म्यूजियम है। इसमें उस स्थान के नर्सिंग संबंधी क्रांतिकारी सिद्धांत अंकित किए गए हैं। इस म्यूजियम की महत्वपूर्ण बात यह है कि जब इसमें रोगी दाखिल होते हैं तो उसे ज्यादा बीमार नहीं दिया जाता है। यहां यह भी सिखाया जाता है कि एक पलंग का दूसरे पलंग से कितना फासला हो। लंदन के रसोल स्क्वायर में स्थित ब्रिटिश डेंटल एसोसिएशन अजायबघर में दंत चिकित्सा के इतिहास की मूसली और हथौरा भी शामिल हैं। यहां दंत परीक्षा में काम आनेवाली एक कुर्सी का भी नमूना रखा हुआ है। कहते हैं कि एडवर्ड सप्तम ने इसी कुर्सी का इस्तेमाल किया था। उत्तरी लंदन में स्थित महान मनोवैज्ञानिक सिगमंड फ्रायड का घर भी अब अजायबघर में तब्दील कर दिया गया है। यहां मिस्त्र, यूनान, रोम और अन्य प्राचीन सभ्यताओं की पुरानी वस्तुएं भी देखने को मिल जाती हैं।

किसी जासूस से कम नहीं हैं डॉल्फिन

डॉल्फिनें हर पल इतनी चौकस रहती हैं कि उन्हें किसी जासूस से कम नहीं माना जा सकता। एक नए अध्ययन में पाया गया है कि डॉल्फिनों के सोते समय उनके मस्तिष्क का सिर्फ आधा हिस्सा ही सोता है जबकि शेष आधा हिस्सा सचेत अवस्था में रहता है। ऐसा वे लगातार 15 दिन तक कर सकती हैं। नेशनल मरीन मैमल फाउंडेशन के शोधकर्ता ब्रियान ब्रैनस्टेटर ने पाया कि डॉल्फिनें लगातार 15 दिन तक अपने आसपास के वातावरण के बारे में जागरूक रह सकती हैं। ये अपने लक्ष्यों को पहचान सकती हैं और अपने पर्यावरण पर नजर रख सकती हैं। शोधकर्ताओं ने दो डॉल्फिनों का अध्ययन किया था। इनमें एक नर और एक मादा थी। उन्होंने पाया कि पांच दिनों तक ये दोनों बिना किसी थकान के इस काम को कर रहे थे। मादा डॉल्फिन 15 दिन तक अतिरिक्त कार्य कर सकी। हालांकि इस बात का अध्ययन नहीं किया गया कि वे कितने लंबे समय तक यह कर सकी। ऐसा माना जा रहा है कि आधे मस्तिष्क के साथ सोने की प्रकृति डॉल्फिनों में विकसित हुई होगी ताकि वे सोने के दौरान भी पानी की सतह पर सांस ले सकें। इस शोध का यह भी मानना है कि सतर्क रहने की जरूरत के चलते इस तरह के सोने के व्यवहार का विकास हुआ होगा। यह शोध पत्रिका 'प्लोस वन' में प्रकाशित हुआ है।